MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 18 अप्रैल, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-105

समाज शर्मसार

कार्यालय में गुंडागर्दी, टीम एके पर उठी उँगली

अग्रवाल समाज तेलंगाना के राघव रत्ना टावर, आबिड्स स्थित केंद्रीय कार्यालय में गुरूवार को एक ऐसी अप्रिय घटना घटी, जिसने न केवल पूरे समाज का शर्मशार कर दिया, बल्कि इस बारे में कुछ सुनने /बताने में भी समाजबंधु शर्मिंदगी महसूस कर रहे हैं। और तो और इस घटना का वीडियो क्लिप **(क्लीप का एक पार्ट शुभ लाभ के पास भी है)** वायरल इसलिए नहीं किया गया, क्योंकि इसमें अभद्रता, अश्लीलता और मर्यादा की सारी हदें लाँघ दी गई। किसी भी सभ्य समाज में ऐसी ओछी हरकत हर्गिज बर्दास्त नहीं की जा सकती। विशेष और अत्यंत दुर्भाग्यजनक बात तो यह है कि समाज को बुरी तरह झकझोर कर रख देने वाली इस शर्मनाक, अति निंदनीय व अक्षम्य अपराधिक घटना के पीछे कोई और नहीं समाज के ही भूतपूर्व अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल (एके) का नाम आ रहा है। हालांकि वे सीधे तौर पर इसमें शामिल नहीं थे, किन्तु कथित तौर पर उनके इशारे पर ही इस पूरे घटनाक्रम को अंजाम देने का इल्जाम है।

यह एके (अंजनी कुमार अग्रवाल) वही शख्स है, जिन्होंने अपने बाद कुर्सी पर श्री अनिरुद्ध गुप्ता को यह सोचकर बिठाया कि वे उनके ईशारों पर कठपुतली की तरह नाचेंगे, जबकि श्री गुप्ता ने उनके अरमानों पर पूरी तरह पानी फेर दिया। 11 अप्रैल की ईजीएम(असाधारण आम सभा) में स्वयं श्री अनिरुद्ध गुप्ता ने यह स्पष्ट किया था कि उन्हें समाज में एके (अंजनी कुमार गुप्ता) ही लेकर आये थे और आश्वासन दिया था कि उनकी व्यावसायिक व्यस्तता को देखते हुए उन्हें वे पूरा सहयोग देंगे। उनसे कहा गया था कि आपको कुछ जरूरी बैठकों में ही आमंत्रित किया जाएगा और आवश्यक दस्तावेजों पर ही दस्तखत करने होंगे। चुनाव में एके टीम के अध्यक्ष के रूप में श्री अनिरुद्ध गुप्ता जीतकर आये और पहली ही बैठक में श्री गुप्ता ने न केवल समाज के सदस्यों की संख्या 2 लाख तक बढाने व करीब 50 करोड़ का फंड जुटाने की अपनी महत्वाकाँक्षी योजनाओं की घोषणा कर दी थी, बल्कि यह ईरादा भी जगजाहिर कर दिया था कि वे नये युग का सूत्रपात करेंगे। अग्रवाल समाज को अग्रणी समाज बनाने का श्री गुप्ता का सपना उस समय चकनाचूर हो गया, जब एके ने सहयोग करने के बजाये अडंगे डालने शुरू कर दिये। बकौल अध्यक्ष

घटना से समाज अत्यंत भयभीत और चिंतित

समाज कार्यालय में महाराजा श्री अग्रसेन जी की तस्वीर और महिलाओं के सामने हाथापाई और अश्लीलता जैसी हरकतें तथा 11 अप्रैल को टीम एके द्वारा ईजीएम में उत्पात के बाद अब इस तरह की गुंडागर्दी से पूरा समाज चिंतित और भयभीत है। लोग पूछ रहे हैं कि जब आपने ईजीएम को असंवैधानिक, अवैध, परिवारवादी बैठक कह दिया था तो आप वहाँ आये ही क्यों थे?

एके ने समाज के मानद सचिव श्री विकास केशान, उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल व कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता को मोहरा बनाकर उनके खिलाफ असहयोग की साजिश रचनी शुरू कर दी। आखिरकार तंग आकर अध्यक्ष को एक जाँच समिति की सिफारिश पर इन तीनों को कार्यकारिणी से बाहर करना पडा और मनमाने तरीके से गठित युवा समितियों को निलंबित करना पडा। अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता ने गुरूवार की घटना पर अफसोस जताते हुए भारी मन (आँखों में आँसू) से अपनी प्रतिक्रिया में सिर्फ इतना कहा कि काश मुझे थोडी सी भी भनक लग जाती कि समाज सेवा के नाम पर आये लोग कुर्सी के लिए इतने निम्नतम स्तर तक भी गिर जाते हैं तो वे ईधर कभी झाँकते तक नहीं।

दरअसल, गुरूवार 16 अप्रैल को दोपहर 1.30 बजे के आस-पास अंकित संघी (संघई) नामक समाज का ही व्यक्ति कार्यालय में दनदनाते हुए घुसा और वहाँ मौजूद पदाधिकारियों / सदस्यों को बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। बीच-बचाव के आये बुजुर्गों को जमीन पर बुरी तरह धकेल दिया, जिन्हें बडी मुश्किल से फिर खडा किया गया। महिला कर्मचारियों के सामने उसने कथित तौर पर ऐसी-ऐसी गंदी हरकतें की, जिसके बारे में सुनकर भी घिन आती है। बताया जा रहा है कि सोशल मीडिया पर उक्त व्यक्ति के छोटे भाई लोकेश संघई (जो कि केएस मेंबर है) की विनय जैन (अग्रबंधु) के साथ समाज के ही किसी विषय को लेकर जमकर तू-तू मैं-मैं हो गयी थी। इस बात को लेकर गुस्से से तिलमिलाए लोकेश के भाई अंकित ने समाज कार्यालय में घुसकर ताबडतोड हमला शुरू कर दिया। इस बाबत आबिड्स थाने में एफआईआर संख्या 108/2026 दर्ज करवाई गई। अंकित पर भारतीय दंड संहिता की 332(सी), 352,351(2), 79, 115 (2), 3(5) धाराओं के तहत मामला दर्ज हुआ। आश्चर्य की बात है कि अंकित को उसके साथीगण कथित एके (अंजनी कुमार अग्रवाल) टीम के लोग न केवल हाथोहाथ छुडा ले गये, बल्कि आज शुक्रवार को जमानत भी दिलवा दी।

कहा जाता है कि पुलिस प्रशासन में एके की तूती बोलती है। और शायद इसी बल पर वे समाज को अपनी मुट्ठी में करने की कोशिश कर रहे हैं। इस संबंध में एक भूतपूर्व अध्यक्ष ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि भाई साहब अपने व्यावसायिक रूतबे का इस्तेमाल ऐसे कामों में करते हैं। एक अन्य भुक्तभोगी ने भी नाम न छापने की शर्त पर बताया कि दरअसल एके टीम ने 2023-25 के इलेक्शन में मामूली अंतर (मात्र 7-8 वोटों) से मिली जीत के बाद आनन-फानन में 120 वोट के लिए 20 युवा शाखाओं का गठन करवा दिया। हालांकि श्री अनिरुद्ध गुप्ता ने इन्हें निलंबन में डाल दिया है।

(उपरोक्त समाचार में दिये गये घटना से जुडे तथ्यों/आरोपों आदि की शुभ लाभ स्वतंत्र पुष्टि नहीं करता)

अबला राम भरोसे!

352 चाहिए थे, मिले 298- महिला आरक्षण बिल गिरा

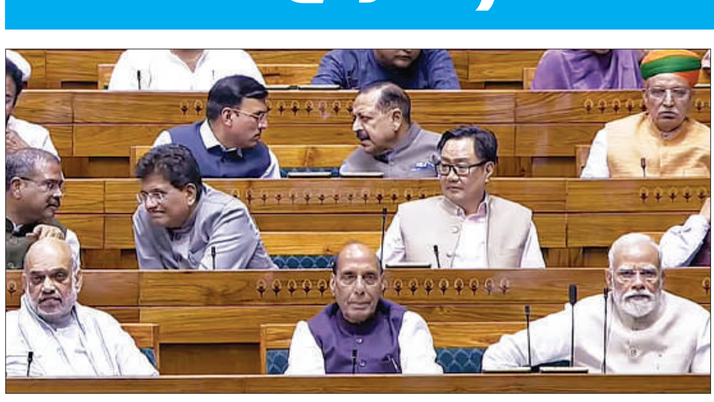

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)।

सरकार बड़े ही शोर-शराबे के साथ महिला आरक्षण से जुड़े तीन बिल लेकर आई थी। यह बिल लोकसभा में गिर गए हैं। 131वां संविधान संशोधन बिल पारित कराने के लिए लोकसभा में दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी, लेकिन यह बिल जरूरी आंकड़े से 54 वोट पीछे रह गया। इस बिल पर कुल 528 वोट पड़े। वोटिंग के आंकड़ों के हिसाब से यह संविधान संशोधन बिल पारित कराने के लिए सरकार को 352 वोट की जरूरत थी, लेकिन इसके पक्ष में 298 वोट ही पड़े। महिला आरक्षण बिल से जुड़े संविधान संशोधन बिल के विपक्ष में 230 वोट पड़े। यह बिल पारित कराने के लिए जरूरी 352 के आंकड़े से सरकार 54 वोट पीछे रह गई और यह बिल गिर गया।

इस बिल पर लोकसभा में गुरुवार को 14 घंटे चर्चा चली थी। सुबह 11 बजे से देर रात एक बजे के बाद तक लोकसभा की बैठक हुई। शुक्रवार को सुबह 11 बजे से लोकसभा में इस बिल पर चर्चा की शुरुआत हुई। शाम 6 बजे के बाद तक बिल पर चर्चा चली। इस तरह कुल 20 घंटे से ज्यादा समय तक संसद में इस महत्वपूर्ण बिल पर बहस होती रही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष को क्रेडिट का ब्लैंक चेक देते हुए यह बिल पारित कराने में सहयोग की अपील की थी। पीएम मोदी ने वोटिंग से पहले एक्स पर पोस्ट कर सांसदों से अंतरात्मा की आवाज पर वोट करने की अपील की। यह अपील भी बेअसर साबित हुई। गृह मंत्री अमित शाह ने इस बिल पर हुई चर्चा का जवाब दिया। अमित शाह की ओर से बिल पर चर्चा का जवाब दिए जाने के बाद कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इसे विचार करने के लिए पेश कर दिया। वोटिंग में यह दो तिहाई बहुमत के आंकड़े तक नहीं पहुंच सका और गिर गया। विपक्ष के सांसदों ने परिसीमन को विरोध का आधार बनाया। विपक्षी दलों के सदस्यों ने चर्चा के दौरान भी कहा कि हम महिला आरक्षण के पक्ष में हैं, लेकिन परिसीमन के विरोध में हैं। इस बिल के संसद में गिर जाने के बाद सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की महिला सांसदों ने मकर द्वार पर प्रोटेस्ट किया। पार्टी ने अब इसे लेकर 18 अप्रैल से राष्ट्रव्यापी प्रोटेस्ट का ऐलान कर दिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने यह बिल गिरने के लिए कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस ▶8पर

चक्रव्यूह में यूँ फंसा विपक्ष

17 अप्रैल को दोपहर करीब 2 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर दो पोस्ट किए। उनमें लिखा कि कुछ ही देर में मतदान होने वाला है। मैं सभी राजनीतिक दलों से आग्रह करता हूं कि महिला आरक्षण के पक्ष में मतदान करें। देश की आधी आबादी को उसका हक दें। पीएम मोदी की अपील और तमाम लामबंदियों के बावजूद केंद्र सरकार के लाए तीनों बिल लोकसभा में पास नहीं हो सके। पिछले 12 साल में ऐसा पहली बार है कि सरकार किसी बिल को वोटिंग के बाद पास नहीं करा पाई।

सरकार के बिल पास क्यों नहीं हो सके?

महिला आरक्षण कानून 2029 से पहले लागू करने के लिए केंद्र सरकार तीन काम करने की तैयारी में थी। लोकसभा सीटें बढ़ाकर 850 करना, देश का नया चुनावी नक्शा खींचना यानी परिसीमन और महिला आरक्षण कानून को असल में लागू करना। इसके लिए सरकार 2011 की जनगणना को आधार बना कर महिला आरक्षण और परिसीमन लागू करने के लिए लोकसभा में तीन बिल लाई थी।पहला, संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026। दूसरा, परिसीमन विधेयक, 2026। तीसरा, केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026। ▶8पर

महिलाओं से विजय का वादा

जीता तो 8 ग्राम सोना

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं। इस चुनाव में अभिनेता से नेता बने थलापति विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) भी मैदान में है। उन्होंने चुनावी घोषणापत्र जारी कर दिया है। इसमें उन्होंने जनता से कई वादे किए हैं। इनमें महिलाओं को 8 ग्राम सोना देने का भी वादा शामिल है।

फिल्मी दुनिया से राजनीति में आए थलापति विजय का असली नाम जोसफ विजय चंद्रशेखर है। विजय तमिलनाडु की पेरम्बूर और तिरुचि ईस्ट सीटों से चुनाव लड़कर अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने पेरम्बूर सीट के लिए नामांकन भी दाखिल कर दिया है। चुनावी हलफनामे के मुताबिक वह करोड़ों रुपये की संपत्ति के मालिक हैं।

नेटवर्थ 620 करोड़ रुपये से अधिक

चुनावी हलफनामे के अनुसार थलापति की नेटवर्थ 620 करोड़ रुपये से अधिक है। इसमें चल संपत्ति, सोना और अन्य संपत्तियां शामिल हैं। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 184.53 करोड़ रुपये की इनकम बताई है। जिसमें परिवार के सदस्यों को दिए गए लोन और ट्रस्टों में निवेश शामिल हैं।

विजय थलापति रियल एस्टेट के भी जीओएटी (ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम) हैं। इससे वह बड़ी कमाई करते हैं। साल 2024 में उनकी जीओएटी नाम से (द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम) मूवी भी आ चुकी है। जिसने जबरदस्त कमाई की थी। इसे हिंदी भाषा में भी रिलीज किया गया था। थलापति विजय का रियल एस्टेट पोर्टफोलियो इस प्रकार है। चेन्नई में टी नगर, नीलंकराई और आसपास के इलाकों सहित 10 रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी शामिल हैं। साथ ही इसमें करीब 82.8 करोड़ रुपये मूल्य की कई कमर्शियल प्रॉपर्टी भी हैं। कोडाईकनाल में जमीन और संपत्ति के मालिक हैं। इसमें खेती की जमीन भी शामिल है। चुनावी हलफनामे के मुताबिक करीब 404.58 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 39^0
न्यूनतम : 27^0

खुल गया होर्मुज..!

पूरी दुनिया ने ली राहत की साँस

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)।

ईरान और इजरायल के बीच 28 फरवरी से युद्ध शुरू हुआ था। अमेरिका भी इजरायल की तरफ से इस युद्ध में कूद पड़ा था। जिससे युद्ध ने भयावह रूप ले लिया था। इस युद्ध की वजह से सबसे ज्यादा तेल और गैस की सप्लाई बाधित हुई थी। क्योंकि तनाव का केंद्र होर्मुज बन गया था। पिछले करीब डेढ़ महीने से पूरी दुनिया की निगाहें होर्मुज पर टिकी थीं। क्योंकि दुनिया के लगभग 20 फीसदी तेल और गैस की सप्लाई होर्मुज रूट

से ही होती है। भारत के लिए भी ये फैसला बेहद अहम है। क्योंकि भारत अपनी जरूरत का सबसे ज्यादा तेल और गैस मिडिल-ईस्ट देशों खासकर सऊदी अरब, यूएई और कुवैत से खरीदता है। जो कि होर्मुज से होकर गुजरता है। इसलिए जैसे ही ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने होर्मुज पूरी तरह से खोलने का ऐलान किया। उसके बाद कच्चे तेल की कीमतों में अचानक बड़ी गिरावट आई है। भारत के लिए रणनीतिक और आर्थिक नजरिये से भी होर्मुज का खुलना और मिडिल-ईस्ट में तनाव कम होना अहम है। ईरान के विदेश मंत्री की घोषणा के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि ▶8पर

रास्ता हम तय करेंगे : ईरान

ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शुक्रवार को होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह से खोलने की घोषणा कर दी है। इस घोषणा के बाद एक सीनियर ईरानी अधिकारी ने कहा है कि सभी जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजर सकते हैं, लेकिन इसके लिए ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के साथ संपर्क में रहकर रास्ता पार करना जरूरी होगा। उन्होंने यह भी कहा कि होर्मुज खोलने के लिए रखी गई शर्तों में फ्रीज किए गए ईरानी फंड्स को आजाद करना शामिल था।

ईरान की शर्तें और अमेरिकी जहाजों पर रोक

विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक्स पर लिखा कि लेबनान में युद्धविराम समझौता होने के बाद स्ट्रेट खोल दिया गया है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि ईरान युद्ध खत्म करने का समझौता ▶8पर

2006 से अब तक : सत्ताधीशों के घर से काली कमाई निकालेगी नेपाल सरकार, होगी जांच

काठमांडु

नेपाल की राजनीति में एक ऐतिहासिक मोड़ आया जब प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की सरकार ने पिछले दो दशकों में सत्ता के गलियारों में रहे प्रमुख नेताओं और वरिष्ठ नौकरशाहों की संपत्ति की गहन जांच करने के लिए एक शक्तिशाली आयोग के गठन की घोषणा की। कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक में लिए गए इस निर्णय के तहत वर्ष 2006 से लेकर अब तक शासन करने वाले तमाम प्रभावशाली व्यक्तियों की चल-अचल संपत्ति को खंगाला जाएगा। यह वह कालखंड है जब नेपाल में राजशाही के अंत के बाद लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-यूएमएल और माओवादी केंद्र जैसी प्रमुख राजनीतिक पार्टियों ने देश की कमान संभाली थी।

सरकार के इस कड़े रुख का उद्देश्य उन आरोपों की सच्चाई सामने लाना है, जिनमें नेताओं पर सत्ता का दुरुपयोग कर अवैध तरीके से धन अर्जित करने और मनी लान्ड्रिंग के आरोप लगते रहे हैं। इस जांच के दायरे में पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और पुष्प कमल दहल प्रचंड जैसे कद्दावर नाम भी शामिल हैं। सरकार के आधिकारिक प्रवक्ता और शिक्षा मंत्री सस्मित पोखरेल ने स्पष्ट किया कि इस पांच सदस्यीय आयोग की कमान सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश राजेंद्र कुमार भंडारी को सौंपी गई है। आयोग का प्राथमिक कार्य 2006 से 2026 के बीच सत्तासीन रहे लोगों की संपत्ति का विवरण जुटाना और उसका सत्यापन करना होगा। प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह द्वारा लिया गया यह साहसिक फैसला उनके 100 सूत्रीय सुधार एजेंडे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। योजना के मुताबिक, भ्रष्टाचार विरोधी यह अभियान दो चरणों में चलेगा। पहले चरण में 2006 के बाद के मामलों को देखा जाएगा, जबकि दूसरे चरण में 1992 से 2006 तक के कार्यकाल की जांच की जाएगी। इस कदम को पिछले साल सितंबर में हुए जेन-जी विरोध प्रदर्शनों की प्रतिक्रिया के रूप में भी देखा जा रहा है, जिसमें युवाओं ने स्थापित राजनीतिक नेतृत्व के खिलाफ भ्रष्टाचार को लेकर जबरदस्त नाराजगी जाहिर की थी। इसी जन-आक्रोश के कारण केपी शर्मा ओली की सरकार का पतन हुआ और बाद में हुए चुनावों में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने भारी बहुमत के साथ सत्ता हासिल की। वर्तमान सरकार ने भरोसा दिलाया है कि जांच की प्रक्रिया पूरी तरह से निष्पक्ष और सबूतों पर आधारित होगी।

न्यूज ब्रीफ

ईरान में 48 दिन बाद गूगल सर्च बहाल, जीमेल अब भी बंद

तेहरान। ईरान में करीब 48 दिनों तक चले इंटरनेट प्रतिबंधों के बाद आंशिक राहत मिली है। देश में अब गूगल सर्च सेवा बहाल कर दी गई है, जिससे आम नागरिक फिक्स्ड लाइन और मोबाइल इंटरनेट के जरिए सर्च इंजन का उपयोग कर पा रहे हैं। हालांकि, इंटरनेट कनेक्टिविटी अब भी पूरी तरह स्थिर नहीं हो सकी है और कई जगहों पर उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जहां एक ओर गूगल सर्च की वापसी हुई है, वहीं जीमेल समेत कई अन्य महत्वपूर्ण सेवाएं अब भी बंद हैं। इससे स्पष्ट है कि देश में इंटरनेट सेवाएं अभी पूरी तरह सामान्य नहीं हुई हैं और डिजिटल गतिविधियों पर आंशिक प्रतिबंध जारी है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और सैन्य संघर्ष के बाद ईरानी सरकार ने देश में इंटरनेट पर सख्त पाबंदियां लगा दी थीं। इस दौरान आम नागरिकों के लिए इंटरनेट एक्सेस लगभग बंद कर दिया गया था। केवल कुछ सीमित यूजर्स—जैसे सरकारी नेटवर्क से जुड़े लोग या वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) का इस्तेमाल करने वाले—ही इंटरनेट का उपयोग कर पा रहे थे। लंबे समय तक इंटरनेट बंद रहने का देश की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ा है। रिपोर्ट्स में अनुमान लगाया गया है कि इन पाबंदियों के चलते ईरान को करीब 1.8 अरब डालर का आर्थिक नुकसान हुआ है। ई-कामर्स, डिजिटल सेवाओं और छोटे व्यवसायों पर इसका सबसे ज्यादा प्रभाव देखने को मिला। सरकार की ओर से इंटरनेट सेवाओं को धीरे-धीरे बहाल करने की प्रक्रिया जारी है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि सभी सेवाएं पूरी तरह कब तक सामान्य हो पाएंगी। फिलहाल, आंशिक बहाली को एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है, लेकिन पूर्ण डिजिटल सामान्य स्थिति बहाल होने में अभी समय लग सकता है।

कतर दौरे पर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की हवाई सलामी हुई वायरल, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ इन दिनों अपने कतर दौरे को लेकर सुर्खियों में हैं, लेकिन उनकी यह चर्चा कूटनीतिक समझौतों से ज्यादा एक वायरल वीडियो के कारण हो रही है। दरअसल, जब प्रधानमंत्री का विमान कतर के हवाई क्षेत्र में दाखिल हुआ, तो कतर एयरफोर्स के लड़ाकू विमानों ने उनके विमान को एस्कार्ट कर विशेष सम्मान दिया। इसी दौरान शहबाज शरीफ विमान की खिड़की से कतरी फाइटर जेट्स को सलामी देते नजर आए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आते ही वायरल हो गया। इस वीडियो को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स के बीच दो फाड़ देखने को मिल रहे हैं। बड़ी संख्या में यूजर्स ने इस वीडियो पर तंज कसते हुए इसे ओवरएक्टिंग करार दिया। कुछ लोगों ने मजाक उड़ाते हुए लिखा कि प्रधानमंत्री ने जमीन पर उतरने का इंतजार भी नहीं किया और हवा में ही सलामी देना शुरू कर दिया। वहीं, दूसरी ओर कूटनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह कोई असामान्य घटना नहीं है। अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकाल के तहत जब किसी देश के राष्ट्राध्यक्ष का दूसरे देश में इस तरह स्वागत किया जाता है, तो मेहमान नेता अक्सर हाथ हिलाकर या सलामी देकर उस देश की मेहमाननवाजी और सम्मान के प्रति अपना आभार व्यक्त करता है। यह एक स्थापित डिप्लोमैटिक जेस्चर है जो दुनिया के कई नेता अपनाते रहे हैं। अपनी इस यात्रा के दौरान शहबाज शरीफ का दोहा एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया गया, जहां उन्हें गार्ड आफ आनर भी दिया गया। प्रधानमंत्री शरीफ का यह दौरा मध्य पूर्व में क्षेत्रीय तनाव को कम करने और विशेष रूप से अमेरिका व ईरान के बीच संवाद की संभावनाओं को तलाशने के उद्देश्य से किया गया है।

खालिस्तानी समर्थकों पर लटकी तलवार, बड़ी संख्या में शरणार्थियों को डिपोर्ट करेगा कनाडा

टोरंटो। कनाडा सरकार ने अपनी आप्रवासन और शरणार्थी नीति में बड़ा बदलाव करते हुए देश में रह रहे अस्थायी निवासियों और शरण चाहने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ समय से उदार मानी जाने वाली ट्रूडो सरकार ने अब बड़ी संख्या में ऐसे लोगों को नोटिस जारी किए हैं, जो शरण के आधार पर कनाडा में टिके हुए थे। इन नोटिसों के जरिए संकेत दिया गया है कि वे अब देश में रहने के पात्र नहीं हो सकते और उन्हें जल्द ही अपने मूल देश लौटने की तैयारी करनी पड़ सकती है। कनाडा के आप्रवासन विभाग (आईआरसीसी) ने करीब 30,000 शरणार्थी आवेदकों को प्रोसीजरल फेयरनेस लेटर्स भेजे हैं। इन पत्रों में स्पष्ट किया गया है कि उनके द्वारा किए गए दावे शरण के तय मानकों पर खरे नहीं उतरते। हालांकि, सरकार ने इन्हें सीधे तौर पर डिपोर्टेशन आर्डर नहीं कहा है, लेकिन चेतावनी दी है कि यदि आवेदक अपनी योग्यता साबित करने के लिए अतिरिक्त साक्ष्य पेश नहीं कर पाते, तो उनके खिलाफ निर्वासन की कार्रवाई की जाएगी। इस कड़ी कार्रवाई के केंद्र में नया कानून बिल सी-12 (बिल सी-12) है, जिसने शरण आवेदन की प्रक्रिया को जटिल और सख्त बना दिया है। नए नियमों के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति कनाडा आने के एक साल के भीतर आवेदन नहीं करता है ।

इजराइल और ईरान समर्थक लेबनान के आतंकी संगठन हिज्बुल्लाह के बीच 10 दिन का संघर्ष विराम

वाशिंगटन/बेरूत/तेल अवीव

इजराइल और ईरान समर्थक लेबनान के बीच 10 दिन का संघर्ष विराम (सीज फायर) हो गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि लेबनान और इजराइल के राष्ट्राध्यक्षों ने इस पर अपनी सहमति जता दी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, मैंने लेबनान के राष्ट्रपति जनरल जोसेफ औन और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की। दोनों ही 10 दिन के सीज फायर पर सहमत हो गए हैं। दोनों नेताओं ने सहमति जताई है कि अपने देशों के बीच शांति स्थापित करने के लिए वे पूर्वी समय के अनुसार शाम पांच बजे (भारतीय समयानुसार रात ढाई बजे) औपचारिक रूप से हमले रोक देंगे। अमेरिका के सीबीएस न्यूज चैनल, लेबनान के लोरिएंट टुडे अखबार और इजराइल के द टाइम्स आफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्होंने उप राष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेशमंत्री मार्को रूबियो को निर्देश दिया है कि वे ज्वाइंट चीफ्स आफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन के साथ मिलकर काम करें, ताकि इजराइल और लेबनान को स्थायी शांति हासिल करने में मदद मिल सके।

राष्ट्रपति ने कहा कि वे नेतन्याहू और औन को बातचीत के लिए व्हाइट हाउस भी आमंत्रित करेंगे। उल्लेखनीय है कि लेबनान में चल रहा यह संघर्ष इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच है। हिज्बुल्लाह लेबनान में ईरान का छद्म आतंकी संगठन है।

लेबनान के राष्ट्रपति औन ने पश्चिम एशिया में संघर्ष-विराम कराने की कोशिशों के लिए ट्रंप का आभार जताया है। लेबनान के राष्ट्रपति कार्यालय के बयान के अनुसार, औन ने कहा कि ट्रंप के प्रयासों से इस क्षेत्र में शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हुआ है। बयान में कहा गया है कि ट्रंप ने लेबनान के प्रति अपना समर्थन भी व्यक्त किया है। इस बीच प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सुरक्षा कैबिनेट के मंत्रियों से कहा कि उन्होंने ट्रंप के कहने पर लेबनान के साथ युद्ध विराम पर सहमति दी। उन्होंने इस मामले पर औपचारिक वोट कराने की मांग को खारिज कर दिया। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप हमारे दोस्त हैं। इजराइल पूरी तरह उनके साथ है। उन्होंने मंत्रियों को आश्वासन दिया कि संघर्ष विराम के दौरान रणनीतिक जगहों तैनात हमारे सुरक्षा बल नहीं हटेंगे।

इजराइल के विपक्षी नेता यायर लापिड ने लेबनान में सीजफायर के लिए प्रधानमंत्री की कड़ी आलोचना की है। उनका तर्क है कि नेतन्याहू सरकार वादे से पीछे हट गई। हिज्बुल्लाह के सांसद इब्राहिम अल-मौसवी ने कहा कि अगर इजराइल हमले रोक देता है तो लेबनानी आतंकी संगठन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा का पालन करेगा। उन्होंने कहा कि वह लेबनान पर दबाव डालने के लिए ईरान का आभार व्यक्त करते हैं। अगर ईरान इस सीज फायर को होर्मुज को बंद करने के बराबर न मानता तो यह संभव नहीं हो पाता।

लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने हिज्बुल्लाह और इजराइल के बीच सीज फायर का स्वागत किया। उन्होंने एक्स पर इस कामयाबी के लिए लेबनान के लोगों को बधाई दी। उन्होंने लड़ाई खत्म करने की कोशिशों के लिए वैश्विक नेताओं का आभार जताया। इस संघर्ष विराम पर लेबनानी सेना के प्रवक्ता चार्ल्स जबूर ने कहा कि 10 दिन के संघर्ष विराम का उपयोग सरकार को हिज्बुल्लाह के निशस्त्रीकरण के लिए करना चाहिए। फ्रांस के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास और कार्यालय एलिसी ने संघर्ष विराम को बहुत अच्छी खबर बताया है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन ने भी संघर्ष विराम का स्वागत किया है।

इंडोनेशिया एयरस्पेस डील पर विवाद, रिपोर्ट लीक होने से अमेरिका की रणनीति को झटका

जकार्ता

अमेरिका और इंडोनेशिया के बीच प्रस्तावित रक्षा समझौता एक मीडिया रिपोर्ट के सामने आने के बाद विवादों में घिर गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि इस डील के तहत अमेरिकी सैन्य विमानों को इंडोनेशिया के हवाई क्षेत्र में व्यापक छूट दी जाने वाली थी, जिससे क्षेत्रीय रणनीतिक संतुलन प्रभावित हो सकता था। इस खुलासे के बाद इंडोनेशिया में राजनीतिक हलचल तेज हो गई। सांसदों और विपक्षी नेताओं ने सवाल उठाया कि किसी विदेशी सेना को देश के एयरस्पेस में इतनी बड़ी छूट कैसे दी जा सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह का कोई भी निर्णय संसद की मंजूरी के बिना स्वीकार्य नहीं होगा। विवाद बढ़ने पर इंडोनेशिया सरकार को सफाई देनी पड़ी। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि जो आधिकारिक समझौता हुआ है, उसमें अमेरिकी विमानों को विशेष ओवरफ्लाइट एक्सेस देने का कोई प्रावधान शामिल नहीं है। यानी, मूल डील तो बरकरार है, लेकिन उसका सबसे विवादास्पद हिस्सा हटा दिया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस प्रस्तावित व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य स्ट्रेट आफ मलक्का पर नजर रखना था, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। इस मार्ग से वैश्विक तेल आपूर्ति और व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है, जिससे इसकी रणनीतिक अहमियत और बढ़ जाती है। बताया जा रहा है कि इस योजना पर चर्चा पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबैन्तो के बीच हुई थी। हालांकि, औपचारिक रूप देने से पहले ही इस योजना के लीक होने से पूरा समीकरण बदल गया। विश्लेषकों का मानना है कि यह मामला केवल एक रक्षा समझौते तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से जुड़ा हुआ है। भारत और चीन जैसे देशों के लिए भी मलक्का स्ट्रेट अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनके व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग पर निर्भर करता है। बहरहाल रिपोर्ट सामने आने के बाद इंडोनेशिया के भीतर विरोध बढ़ा, जिससे सरकार को पीछे हटना पड़ा।

संसद में विरोध के बाद इंडोनेशिया ने बदला रुख

पालतू कुत्तों और बिल्लियों में भी तेजी से बढ रहे डायबिटीज के मामले

लंदन। अभी तक डायबिटीज मुख्य रूप से इंसानों की बीमारी माना जाता था, लेकिन मौजूदा समय में शहरों में पालतू कुत्तों और बिल्लियों में भी डायबिटीज के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। इन जानवरों का शुगर लेवल भी असामान्य रूप से बढ़ रहा है, जिससे उन्हें किडनी संबंधी समस्याओं से लेकर हृदय रोगों तक का गंभीर खतरा हो रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि पालतू जानवरों की बदलती जीवनशैली, अनियमित और गलत खानपान, और शारीरिक गतिविधियों की कमी इस गंभीर समस्या के पीछे प्रमुख कारक बन रहे हैं। डायबिटीज से बचाव के लिए उनके आहार और व्यायाम को नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाना अनिवार्य है। ऐसे में, यदि आप भी डाग लवर हैं या किसी भी पालतू जानवर के मालिक हैं, तो आपको सतर्क रहने की आवश्यकता है, क्योंकि आपकी एक छोटी सी लापरवाही आपके प्यारे पेट की सेहत पर भारी पड़ सकती है। विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया है कि बीते पांच वर्षों में कुत्तों और बिल्लियों में डायबिटीज के मामलों में आश्चर्यजनक रूप से वृद्धि हुई है।

पाक के खैबर पख्तूनख्वा में गैस पाइप लाइन में धमाका, आठ की मौत, 5 की हालत गंभीर

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के हरिपुर में गैस पाइप लाइन में हुए धमाके में आठ लोगों की मौत हो गई। धमाके की चपेट में आए अन्य पांच की हालत गंभीर है। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। सभी मृतक एक ही परिवार के हैं। यह सभी हत्तार इंडस्ट्रियल एस्टेट में गैस पाइपलाइन में लगी आग में फंस गए थे। आग बुझाने के लिए आसपास से दमकल विभाग की गाड़ियां बुलानी पड़ीं।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, हरिपुर के उपायुक्त (डिप्टी कमिश्नर) वसीम अहमद ने मृतकों और घायलों की संख्या की पुष्टि करते हुए बताया कि यह हादसा गुरुवार को हुआ। आग में फंसे छह लोगों को बचा लिया गया। मृतकों में तीन बच्चे, दो लड़कियां, दो बुजुर्ग महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सात-आठ घंटों की कोशिश के बाद आग पर काबू पा लिया गया और बचाव अभियान पूरा हो चुका है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हत्तार इंडस्ट्रियल एस्टेट में कालोनी मोड़ के पास कोट नजीबुल्लाह में एक गैस पाइप लाइन में अचानक आग भड़क उठी। इससे पास की एक फैक्टरी में अफरा-तफरी मच गई। फैक्टरी के कर्मचारी तो किसी तरह बचकर निकल गए, लेकिन पास के रिहायशी इलाके में कई लोग फंस गए। रेस्क्यू 1122 के एक प्रवक्ता ने बताया कि बचाव और दमकल की टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं। आग की तीव्रता को देखते हुए मनसेहरा, एबटाबाद, मरदान और स्वाबी से सात अतिरिक्त दमकल वाहन और दमकलकर्मी बुलाए गए।

बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय ब्रह्मचारी को एक और मामले में मिली जमानत

ढाका

बांग्लादेश में चट्टोग्राम (पुराना नाम चटगांव) की एक अदालत ने प्रख्यात हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को एक मामले में जमानत प्रदान कर दी। चिन्मय ब्रह्मचारी नवंबर 2024 से सलाखों के पीछे हैं। न्यायिक मजिस्ट्रेट शखावत हुसैन ने गुरुवार को जमानत आदेश जारी किया। हिंदू संत के खिलाफ अनेक मामले दर्ज हैं। इसलिए अभी उन्हें न्यायिक हिरासत में ही रहना होगा। उन्हें चट्टोग्राम जेल में रखा गया है। इससे पहले उन्हें ढाका उच्च न्यायालय से बहुचर्चित देशद्रोह मामले में जमानत प्राप्त हो चुकी है।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, जिस मामले में हिंदू संत को जमानत प्रदान की गई है, उसे बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) नेता और पूर्व मंत्री मीर मोहम्मद नासिर उद्दीन ने 2023 में दायर किया था। उन्होंने अपनी शिकायत में ब्रह्मचारी पर हाथजारी उपजिला के

मेखला इलाके में जमीन पर कब्जा करने, धमकाने और मारपीट करने का आरोप लगाया था। इस मामले में चिन्मय कृष्ण दास और पांच अन्य लोगों को आरोपी बनाया था। ब्रह्मचारी के खिलाफ वकील सैफ़ुल इस्लाम अलीफ की हत्या का मामला भी चल रहा है। उनपर कम से कम छह अन्य मामले भी विचाराधीन हैं। अदालत ने सात अप्रैल को बीएनपी नेता नासिर उद्दीन के मामले में हिंदू संत को औपचारिक रूप से गिरफ्तार करने याचिका को मंजूरी दी थी। उल्लेखनीय है कि 26 नवंबर, 2024 को राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान को लेकर राजद्रोह का मामला सामने आने के बाद हिंसा भड़क उठी थी। इस दौरान वकील सैफ़ुल इस्लाम अलिफ की भीड़ ने पीट-पीटकर और चाकू मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद उनके पिता जमाल उद्दीन ने 31 लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया था। वकील हत्याकांड में उनकी जमानत याचिका कई बार खारिज हो चुकी है। अन्य मामलों में उन पर हत्या, पुलिस पर हमला, तोड़फोड़ और न्याय में बाधा डालने जैसे आरोप शामिल हैं। एक जुलाई, 2025 को पुलिस ने वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की हत्या के सिलसिले में चिन्मय और 38 अन्य लोगों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। इससे पहले दो जनवरी को अदालत ने हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की वकील हत्या के मामले में जमानत याचिका खारिज कर दी थी। चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को ढाका मेट्रोपालिटन पुलिस की जासूसी शाखा ने 25 नवंबर, 2024 की शाम 4:30 बजे हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से हिरासत में लिया था। तब से ब्रह्मचारी जेल में बंद हैं। ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के विरोध में ढाका के शाहबाग और चटगांव में कई दिनों तक लोगों ने प्रदर्शन किया था। लगभग 40 वर्षीय हिंदू संत चिन्मय को देशद्रोह के गंभीर आरोप का सामना करना पड़ा रहा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज काफी सोच समझकर ही लोगों से बातचीत करनी चाहिए दिमाग को शान्त ही रखना पडेगा। आपके जीवनसाथी से तनाव कारण बन सकता हैं. आप–अपने परिचितों के साथ लेन–देन में सावधानी बरतें अन्यथा बाद में सम्बन्धों में गिरावट आ सकती है. किसी मित्र के सहयोग से आमदनी बढ सकती हैं धन की स्थिति में सुधार होगा. किसी अनुभवी की राय आपके लिए फायदेमंद रहेगी. स्वास्थ्य मे सुधार होगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज मन से दृढ होकर किसी भी काम को करेंगे वह अवश्य ही सफल होगा , परिणाम सार्थक और सकारात्मक होगा. जीवनसाथी के साथ थोड़ा समय बिताने, उसकी समस्याओं को ध्यान से सुनने और भावनाओं को बेहतर तरीके से समझने से संबंधों में मधुरता आएगी. आपके व्यक्तिगत जीवन में तनाव कम रहेगा , सामाजिक और राजनीति दोनो प्रकार का ही लाभ दिखेगा ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आपने घर के बडें बुजुर्गो के साथ धार्मिक यात्रा करनी पडेगी । माता–पिता की बातो को अनदेखा न करें । किसी काम को शुरू करने से पहले माता–पिता का आर्शीवाद लें, आपको फायदा जरूर होगा. अचानक धन लाभ का योग बन रहा है. आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिसके साथ बात करके आपकी दिनभर की थकान दूर हो जायेगी. परिस्थितियां भी आपके अनुकूल रहेगी. आपको दूसरो की मदद करते रहना चाहिए मित्रों को निराश नही करना चाहिए ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज परिवार के सदस्यों से वाद विवाद हो सकता हैं जिससे मन दुखी होगा । पिछले कुछ समय से जिन गलतफहमियों की वजह से आपके रिश्ते ठीक नहीं चल रहे थे आज वह दूर हो सकते हैं. यात्रा कष्टदायी हो सकती है. अचानक सामने आने वाले कामों के लिए खुद को पहले से तैयार कर लें. जमीन संबंधी कोई लेन–देन कर रहे हैं, तो पहले अच्छे से उस जगह की जांच–पड़ताल कर लें. आज यात्रा कष्टदायक रहेगी जरूरी होतो गुड का सेवन करके यात्रा का आरंभ करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज बुद्धि का जबर्दस्त परिचय आप समाज के सामने देंगे आप की प्रतिष्ठा बढेगी । प्रभावशाली वाणी होने के कारण लोगों से आप अपनी बात मनवा सकेंगे. इन कारणों से आप अपने व्यवसाय में अच्छा कर पाएंगे और प्रचुर लाभ कमा पाएंगे. यात्रा से भी लाभ मिलेगा. संतान या शिक्षा को लेकर यदि आप कोई प्रयास कर रहे थे, तो आपकी मेहनत का फल मिलने वाला है. परन्तु जीवनसाथी या मित्रों के साथ बिना वजह विवाद हो सकता है. स्वास्थ्य एकदम तंदुरुस्त रहेगा

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज हनुमान मंदिर मे गाय के घी का दीपक प्रज्वलित करें कार्य सिद्ध होंगे आज आप खुद को फिट महसूस करेंगे.नजदीकी लोगों के साथ समय बिताने से आपको ख़ुशी मिलेगी.कार्यालय में किसी काम को लेकर आपकी तारीफ होगी, जिससे आपका मन खुश रहेगा. जो लोग सरकारी काम से जुड़े हैं, उनको कोई बढ़िया ऑडर मिल सकता है. घर में शुभ–प्रसंगों का आयोजन हो सकता है. जीवन में खुशियां बरकरार रहेगी. नंदी को गेहूँ का भूसा खिलाए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज स्थान परिवर्तन का योग बनेगा आप स्थान परिवर्तन नही चाहते हैं तो नौ मंगलवार को हनुमानजी को सिन्दूर चढाए , घर मे सुख सुविधाओं की वृद्धि होगी परन्तु किसी बात को लेकर जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद होंगे. आत्मसम्मान मे कमी महसूस होगी . शाम को परिवार के साथ समय बितायेंगे. स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी चल रही है तो आज उससे राहत मिलेगी. आज कोई नजदीकी या प्रिय व्यक्ति मानसिक शांति बनाए रखने में मददगार होगा. मन उदास है तो शिव मंत्र का स्मरण करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का समय सफलताओं वाला हैं परन्तु पारिवारिक मामलों से संबंधित झगड़ा हो सकता है. यदि आप उनसे दूर रहेंगे तो आप प्रसन्न रहेंगे. सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्ति के लिए समय प्रतिकूल है नई परियोजनाएं अमल में लाएंगी. व्यवसाय में उन लोगों को अपने उद्यमों में बढ़ावा मिलेगा और नई व्यापार केन्द्र स्थापित करेंगे.बहुत बेचैनी हो तो किसी धार्मिक ग्रन्थों का आश्रय करें अथवा अपने ईष्टदेव का स्मरण करें

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज नक्षत्र बल आप को पूरा सहयोग देगा अपना व्यापार बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे. रिश्तों में आपसी प्रेम बढेगा उधार दिया हुआ पैसा अचानक ही वापस मिल जायेगा. कोई रिश्तेदार आपके घर पर अचानक से आ सकते हैं. इससे घर का वातावरण कुछ बदल सकता है. बच्चे काफी खुश नजर आयेंगे. बिजनेस के क्षेत्र में बड़े–बड़े लोगों से मिलने में मदद मिलेगी, आपकी तरक्की सुनिश्चित है. प्रातः मंदिर के दर्शन करके दिन का शुभ आरंभ करना चाहिए रिश्ते मजबूत होंगे.शाम के वक्त परिवार के साथ डिनर का प्रोग्राम बनेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

हनुमानजी को चमेली की पुष्प माला अर्पित करें जिससे पैसों का दबाव खत्म हो जाएगा. राहत मिल सकती है. पैसों के क्षेत्र में कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं. आज आप बड़ा फायदा दिलाने वाली डील कर सकते हैं. भूमि भवन आदि खरीदने के योग बन रहे हैं. आत्म–विश्वास बनाए रखें, आज आप किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति का सामना आसानी से कर पाएंगे. रात्रि मे गहरी निंद्रा के लिए हल्का सुपाच्य भोजन करना होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप के विरोधी आप पर पैनी नजर बनाए हुए हैं अतः कार्य आरंभ से पूर्व अन्तिम क्षणों मे अपनी कार्य शैली को तुरन्त ही बदल ले आप के विरोधी पस्त हो जांएगे । आज कुछ लोग बहुप्रतीक्षित सफलता प्राप्त करेंगे. आज आप वचनबद्धता से घिरे रह सकते हैं. किन्तु शुभ स्वास्थ्य हेतु तनाव मुक्त रहने की कोशिश करें. आपको परिवार और व्यापार में संतुलन बनाने की आवश्यकता पड सकती है. इसके साथ समाज ही आप को सामाजिक गतिविधियों मे सहयोगी बनना पडेगा

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप की पद प्रतिष्ठा में उन्नति हो सकती है. बिजनेस में अच्छी प्रगति के योग हैं. जीवनसाथी से भी मदद मिलती रहेगी. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा. आपको अपने काम में सफलता जरूर मिलेगी. पैसों से जुड़े किसी मामले को सुलझाने के लिहाज से आज का दिन अच्छा है. आपकी कुछ नए–पुराने दोस्तों से भी मुलाकात हो सकती है. आज आप को काम से फुर्सत मिल जाए तो परिवार के साथ कहीं घूमने का प्लान भी बनना चाहिए

आज का पंचांग

दिनांक : 18 अप्रैल 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा दोपहर 02:13 तक
नक्षत्र : अश्विनी प्रातः 09:43 तक
योग : प्रीति रात्रि 1155 तक
करण : बव दोपहर 02:13 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 06:32 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:23 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चन्द्र दर्शन , गण्डमूल प्रातः 09:43 तक , पाराशर ऋषि जयंती

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अग्रवाल समाज तेलंगाना की केंद्रीय समिति की बैठक में बड़ा बदलाव

सभी सदस्यों को मिलेगा मतदान का अधिकार

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की आगामी महत्वपूर्ण बैठक को लेकर एक नया शुद्धिपत्र जारी किया गया है। समाज की मानद सचिव डॉ. सीमा जैन द्वारा जारी इस सूचना के अनुसार, पूर्व में स्थगित की गई दूसरी केंद्रीय समिति की बैठक (दिनांक 24–01–2026) अब शनिवार, 18 अप्रैल 2026 को शाम 7:00 बजे आबिड्स स्थित आर.आर. टावर्स की 10वीं मंजिल पर आयोजित की जाएगी। इस बैठक के एजेंडे में एक अत्यंत महत्वपूर्ण बिंदु जोड़ा गया है जो समाज के भविष्य की लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित करेगा। बैठक की सूचना में विशेष रूप से आइटम नंबर 9 को जोड़ा गया है। इसके तहत आगामी चुनावों के लिए समाज के सभी सदस्यों को मतदान का अधिकार देने के स्वीकृत प्रस्ताव को तत्काल प्रभाव से लागू करने पर चर्चा की जाएगी। गौरतलब है कि यह प्रस्ताव श्री आर. एन. गुप्ता (पूर्व अध्यक्ष, वर्तमान अपीलीय प्राधिकारी और 2021–23 के तत्कालीन चुनाव अधिकारी) द्वारा प्रस्तुत और प्रस्तावित किया गया था। इस नए बिंदु के शामिल होने से अब बैठक के बाद के अन्य एजेंडा बिंदुओं को पुनः क्रमांकित किया जाएगा।

समाज के इस कदम को एक बड़े सुधार के रूप में देखा जा रहा है। सभी सदस्यों को मताधिकार देने के प्रस्ताव के कार्यान्वयन से संगठन के भीतर पारदर्शिता और समावेशिता बढ़ने की उम्मीद है। यह निर्णय आगामी चुनाव प्रक्रिया को और अधिक व्यापक और निष्पक्ष बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

आज होने वाली तथाकथित केंद्रीय समिति अवैध: केशान

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के मानद मंत्री श्री विकाश कुमार केशान ने 18–4–2026 को प्रस्तावित केंद्रीय समिति की बैठक के संबंध में कड़ा विरोध दर्ज करते हुए एक प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आज आयोजित की जा रही केंद्रीय समिति की बैठक का हम पूर्ण रूप से खंडन करते हैं। यह सभा समाज के नियमों, संविधान एवं वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप नहीं है, इसलिए इसे किसी भी परिस्थिति में मान्यता प्राप्त नहीं मानी जाएगी।

मानद मंत्री ने कहा कि यह सभा पूर्णतः अमान्य है शाखा द्वारा केंद्रीय समिति सदस्यता समाप्त करने के पश्चात भी निलंबित अध्यक्ष अपनी तानाशाही व्यवहार के कारण इस प्रकार यदि वे केंद्रीय समिति सभा बुलातें है तो उसकी कोई संविधानिक मान्यता नहीं रहती है शाखा द्वारा केन्द्रीय समिति सदस्य का पद निरस्त करने के पश्चात अनिरुद्ध गुप्ता केंद्रीय समिति सदस्य ही नहीं रहें और ज्ञातव्य है कि 12 अप्रैल को अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा संवैधानिक रूप से आयोजित साधारण वार्षिक सभा में तात्कालिक अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित किया गया था । जिसके परिणाम स्वरूप अब वे अध्यक्ष भी नहीं रहें ।

समाज के बंधुओं को मैं इस बात से अवगत करना चाहता हूँ के इस प्रकार स्वंयम घोषित अध्यक्ष द्वारा तथा कथित सभा की ना तो कोई संवैधानिक मान्यता रहेगी और नहीं उसमें लिए गए किसी भी प्रकार के निर्णय अग्रवाल समाज तेलंगाना में मान्य रहेंगे। इस सभा को पूरी तरह से अवैध माना जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार की बैठकें समाज में भ्रम और असमंजस की स्थिति उत्पन्न करती हैं, जिससे संगठन की एकता एवं गरिमा को ठेस पहुँचती है।बंटवारे और तानाशाही की यह राजनीति समाज के स्वस्थ के लिए घातक है। संविधान के अनुसार अग्रवाल समाज की कैसी भी प्रकार की सभा को बुलाने का कार्य केवल समाज द्वारा चुने हुए मानद मंत्री का होता है ना कि असंवैधानिक तरीके से नियुक्त व्यक्ति का होता है।

मानद मंत्री ने अग्रवाल समाज तेलंगाना के सभी केंद्रीय समिति सदस्यों से विनम्र निवेदन किया है कि वे स्वयं विचार करें कि क्या इस प्रकार की विवादित एवं अवैधानिक सभा में भाग लेना उचित है।

समाज के प्रत्येक सदस्य की यह जिम्मेदारी है कि वे सही और वैधानिक प्रक्रिया का समर्थन कर समाज के हित में निर्णय लें ।

अंत में उन्होंने पुनः दोहराया कि समाज की मर्यादा, पारदर्शिता एवं नियमों की रक्षा सर्वोपरि है और किसी भी प्रकार की अनियमितता को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का समापन

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम समाज कार्यालय राघव रत्ना के दसवें माले में आयोजित किए गए। एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से समाज की मीडिया एवं प्रेस कमिटी के चेयरमैन मुकुंद लाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम समाज की मंत्री डॉ. सीमा जैन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

मुकुंद लाल के अनुसार, कार्यक्रम में अबकस व मैथ्स (स्वयं डॉ. सीमा जैन), चॉकलेट पैकिंग (शीतल रुंगटा), मेकअप (उपासना गोयल), मेहंदी (मीनू अग्रवाल), डाइट फूड (रिंकू गर्ग), हेल्थ (सुनीता अग्रवाल), जार केक एंड कुकी मेकिंग (ऋषिका अग्रवाल), कैरियर गाइडेंस (सुनीता, वंदना), लीपन आर्ट वर्क (दीपिका गोयल), मसाला मेकिंग (वनिता मित्तल) सहित अन्य गतिविधियाँ शामिल रहीं। कार्यक्रम के अन्य सत्रों में वेजिटेबल कार्विंग भी आयोजित किया गया।

उन्होंने बताया कि न्यूमेरोलॉजी का कार्यक्रम अंकुर के सानिध्य में किया गया, जबकि तंजोर पेंटिंग का कार्यक्रम प्रेम लोहिया के सानिध्य में आयोजित किया गया।

इस प्रकार के कार्यक्रम पिछली 3 अप्रैल से डॉ. सीमा जी के मार्गदर्शन में प्रायः रोजाना किए जा रहे थे। इनका मुख्य उद्देश्य यह था कि हमारी अग्र बहनें विभिन्न विषयों में जानकारी प्राप्त कर अपना खुद का व्यवसाय चला सकें। कार्यक्रम के समापन पर समाज की मंत्री डॉ. सीमा जैन ने सभी प्रतिभागियों का आभार जताते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अपनी टीम के सदस्यों का सम्मान किया। साथ ही जिन्होंने महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया, उन सभी का आभार जताते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्ष प्रीति अग्रवाल, बेगमपेट शाखा थीं। अन्य प्रमुख उपस्थित/सहायक रेखा, रानी मित्तल, शीतल रुंगटा, आरती, शीतल एवं जया रहीं।

सड़क दुर्घटना के बाद पहला घंटा सबसे अहम

पुलिस ने स्वर्णिम समय बचाव उपाय बताए

मंचेरियाल, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेन्नूर नगर में सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुरक्षित पहुंचो, सुरक्षित रहो अभियान के तहत बायपास मार्ग पर आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने लोगों को यातायात नियमों और सड़क दुर्घटनाओं के समय अपनाए जाने वाले जरूरी उपायों की जानकारी दी।

जयपुर सहायक पुलिस आयुक्त आरे वेंकटेश्वर ने कहा कि सड़क दुर्घटना के बाद शुरुआती एक घंटा यानी स्वर्णिम समय सबसे महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान घायल व्यक्ति को समय पर प्राथमिक उपचार देकर अस्पताल पहुंचाने से उसकी जान बचाई जा सकती है।

चेन्नूर सरकारी अस्पताल की चिकित्सक डॉ. कीर्ति तथा एक सौ आठ एम्बुलेंस कर्मचारियों ने मौके पर प्राथमिक उपचार का प्रदर्शन कर लोगों को व्यावहारिक जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना पीड़ित की मदद कर उसे अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को केंद्र सरकार द्वारा 25 हजार रुपये तक प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

पुलिस अधिकारियों ने दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट पहनने, पीछे बैठने वाले व्यक्ति को भी हेलमेट लगाने, चारपहिया वाहन चालकों से सीट बेल्ट लगाने तथा शराब पीकर वाहन नहीं चलाने की अपील की।

कार्यक्रम में ऑटो चालकों की निःशुल्क नेत्र जांच कर चश्मे वितरित किए गए। वहीं कुछ पत्रकारों को हेलमेट देकर सड़क सुरक्षा का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर चेनूर निरीक्षक बंसीलाल, जयपुर निरीक्षक नवीन, उपनिरीक्षक सुब्बाराव, राजशेखर, पुलिस कर्मी, चिकित्सा कर्मचारी तथा स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज दोमलगुडा शाखा द्वारा अन्न प्रसाद एवं शीतल पेय वितरित

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा द्वारा प्रत्येक माह की भांति इस माह भी अमावस्या के अवसर पर शुक्रवार को सेवा कार्य आयोजित किया गया। इस अवसर पर शाखा द्वारा संचालित अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक परिसर के बाहर अन्न प्रसाद एवं शीतल पेय का वितरण किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा–अर्चना एवं प्रसाद भोग के साथ हुई। इसके पश्चात आयोजित प्रसाद वितरण कार्यक्रम में लगभग 550 लोगों ने अन्न प्रसाद के साथ शीतल पेय का लाभ प्राप्त किया।

इस सेवा कार्य में शाखा सचिव प्रतीक अग्रवाल, सह सचिव विजय कुंच्छल, कोषाध्यक्ष रोशन लाल मित्तल, केंद्रीय समिति सदस्य प्रदीप अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने सेवा भावना के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया।

रितेश झुनझुनवाला एवं अजय डालमिया के संयोजन में संपन्न इस कार्यक्रम में दिनेश–सुषमा पंसारी, राकेश–नीलम रासिवासिया, बालकिशन अग्रवाल, अनिता–प्रदीप अग्रवाल, गिरधारीलाल अग्रवाल, बाला–रोशन लाल मित्तल, श्रीनाथ अग्रवाल, जितेंद्र गोयल, छाया–अजय गुप्ता, अरुणा–राजेन्द्र गुप्ता, प्रेमलता पचेरिया सहित अनेक सहयोगकर्ताओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कार्यक्रम में दिलीप पंसारी, विजय कुंच्छल, अनिल गर्ग, सरला अग्रवाल, सीमा गर्ग, सीमा अग्रवाल, मधु गोयल, दीप्ति झुनझुनवाला, दीपा डालमिया, शालिनी केडिया सहित अन्य समाजजनों की उपस्थिति रही।

इस अवसर पर शाखा द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की गई तथा भविष्य में भी इसी प्रकार समाज सेवा के कार्यक्रम जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया गया।

महिला आरक्षण के विरोधियों के लिए राजनीतिक अहंकार एक रुकावट है! : अशोकराव चव्हाण

नांदेड़, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए केंद्र सरकार ने 2029 के चुनावों से लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का ऐतिहासिक प्रयास किया है। इस ऐतिहासिक कदम को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद अशोकराव चव्हाण ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि महिला आरक्षण से जुड़े इस विधायी प्रयास में राजनीतिक द्वेष के कारण बाधा आई है। वे उस संदर्भ में बोल रहे थे कि महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक दो–तिहाई बहुमत से पारित नहीं हो पाया। अशोकराव चव्हाण ने कहा कि केंद्र सरकार ने विपक्षी दलों द्वारा उठाए गए हर संदेह का वस्तुनिष्ठ और ठोस जवाब दिया था। अशोकराव चव्हाण ने आगे बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष की मांग के जवाब में सभी राज्यों में 50 प्रतिशत लोकसभा सीटें बढ़ाने की अपनी सकारात्मक तैयारी जताई थी। लेकिन विपक्षी पार्टियों की समग्र भूमिका देखने पर स्पष्ट होता है कि उनके लिए देश की लाखों महिलाओं के हितों से अधिक उनका अपना राजनीतिक अहंकार महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण को लागू करने में बाधा डालने को विपक्ष अपनी जीत मान सकता है, लेकिन असल में यह महिला शक्ति के हितों और अधिकारों की हार है। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाना उनके लिए सिर्फ राजनीतिक एजेंडा नहीं, बल्कि एक पक्का इरादा और सपना है। अशोकराव चव्हाण ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में आज का वादा जरूर पूरा होगा और भारतीय महिला शक्ति अपना अधिकार पाने से वंचित नहीं रहेगी।

उत्पाद शुल्क निरीक्षक को रिश्वत लेते एसीबी ने किया गिरफ्तार

मदनूर, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। एसीबी अधिकारी ने शुक्रवार को एक प्रेस मिट में बताया कि आरोपी अधिकारी दीनु सत्यनारायण, निषेध एवं उत्पाद शुल्क निरीक्षक, बिचकुंडा, कामारेड्डी जिला को शिकायतकर्ता से उसके किराए के मकान में 2,00,000 की रिश्वत मांगने और लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।

बताया गया कि यह रिश्वत शिकायतकर्ता को एक आधिकारिक सुविधा प्रदान करने के लिए दी गई थी। आरोपी के इरादे से कथित रूप से कहा/दबाव डाला गया था कि शिकायतकर्ता पर ताड़ी की दुकानें गांवों से स्थानांतरित करने के लिए दबाव न डाला जाए, और आगे कोई मामला दर्ज न किया जाए, जिससे ताड़ी की दुकानों को बिना किसी हस्तक्षेप के संचालित होने दिया जा सके।

बेहिसाब राशि भी मिली: 45,760/–। इसके अलावा, आरोपी के बैग से 45,760/– की एक

बेहिसाब राशि भी बरामद की गई।

जांच के अनुसार आरोपी ने 2,00,000 का अनुचित लाभ स्वीकार किया और अपने सार्वजनिक कर्तव्यों का निर्वाह बेईमानी और अनुचित तरीके से किया। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी गई है।

एसीबी अधिकारी के अनुसार, आरोपी को गिरफ्तार कर नामपल्ली, हैदराबाद स्थित एसपीई और एसीबी मामलों के माननीय द्वितीय अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जा रहा है।

मामले की जांच जारी है।

एसीबी ने आम जनता से अनुरोध किया कि यदि कोई लोक सेवक रिश्वत की मांग करे, तो कानून के अनुसार कार्रवाई के लिए एसीबी के टोल फ्री नंबर 1064 पर संपर्क करें। जिसमें व्हाट्सएप: 9440446106, फेसबुक: तेलंगाना एसीबी और ट्विटर: तेलंगाना एसीबी के माध्यम से भी संपर्क किया जा सकता है।

तेलंगाना एसीबी द्वारा सभी सरकारी कार्यालयों और प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर एसीबी का क्यूआर कोड प्रदर्शित किया गया है। पीड़ित/शिकायतकर्ता का नाम और विवरण गोपनीय रखा जाएगा।

उज्जैन का महाकालेश्वर मंदिर टाले अकाल मृत्यु और दिलाए मोक्ष

दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग- शंकर जी का यह अनोखा मंदिर अन्य प्रमुख 12 ज्योतिर्लिंगों में एक मात्र दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग है। शास्त्रों के अनुसार कहा गया है कि दक्षिण दिशा के स्वामी स्वयं भगवान यमराज हैं। तभी जो भी व्यक्ति इस मंदिर में आ कर भगवान शिव की सच्चे मन से प्रार्थना करता है, उसे मृत्यु उपरांत यमराज द्वारा दी जाने वाली यातनाओं से मुक्ति मिलती है।

अकाल मृत्यु टालते हैं शिव जी-देश-दुनिया से काफी लोग यहां पर इसलिये भी दर्शन करने आते हैं कि जिससे वे अपनी अकाल मृत्यु को टाल सकें और सीधे मोक्ष को प्राप्त कर सकें।

सारी इच्छा करते हैं पूरी- भगवान शिव अपने भक्त की सारी इच्छाएं पूरी करते हैं। अगर आपको अपनी मनोकामनाएं पूरी करनी है तो यहां आ कर एक बार दर्शन जरुर करें, जिससे आपको धन, धान्य, निरोगी शरीर, लंबी आयु, संतान आदि सब कुछ प्राप्त हो।

पृथ्वी का केंद्र हैं महाकाल- कुछ विद्वानों का यह भी मत है कि महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग ही संपूर्ण पृथ्वी का केंद्र बिंदु है और संपूर्ण पृथ्वी के राजा भगवान महाकाल यहीं से पृथ्वी का भरण-पोषण करते हैं।

गाय के कंडे से होती है भस्मार्ती-यहाँ पहले महाकाल की भस्म आरती में ताजा मुर्दे की भस्म का ही प्रयोग होता था, किन्तु महात्मा गांधी के आग्रह के पश्चात शास्त्रीय विधि से निर्मित उपल-भस्म से भस्मार्ती होने लगी।

दुर्योधन को भी दिए थे श्रीहरि ने विराट रूप में दर्शन

विश्वरूप या कहें भगवान विष्णु का विराट स्वरूप का उल्लेख भगवद्गीता के अध्याय 11 में है, जिसमें भगवान कृष्ण अर्जुन को कुरुक्षेत्र युद्ध में विश्वरूप दर्शन कराते हैं। लेकिन उन्होंने इस रूप में पहले भी अपने भक्तों को दर्शन दिए है।

पुराणों में उल्लेख मिलता है। भगवान विष्णु ने अपने इस रूप के दर्शन लक्ष्मी जी को करवाए थे। हालांकि कि इस बारे में अलग-अलग पुराणों में अलग-अलग जानकारी मिलती है। भगवान विष्णु के परम भक्त नारद जी को भी उन्होंने अपने विराट स्वरूप के दर्शन दिए हैं। भगवान विष्णु के भक्त प्रहाद के वंशज थे राजा बलि। जिनको भगवान विष्णु ने वामन अवतार में विराट स्वरूप के दर्शन दिए थे। द्वापर युग में जब भगवान श्रीकृष्ण के रूप में भगवान विष्णु ने अवतार लिया तब उन्होंने अपनी मां यशोदा को भी इसी विराट स्वरूप में दर्शन दिए थे। महाभारत में दुर्योधन और विश्वरूप दर्शन वर्णित है। कुरुक्षेत्र युद्ध के मैदान अर्जुन को विराट रूप के दर्शन दिए।

भगवान विष्णु के अन्य नाम :

उग्र, शर्व, भगवत, नारायण, कृष्ण, वैकुण्ठ, विष्टरश्रवस्, जिन, हषिकेश, केशव, माधव, स्वभू, दैत्यारि, पुण्डरीकाक्ष, गोविन्द, गरुडध्वज, पीताम्बर, अच्युत, शार्गिं, विष्वक्सेन, जनार्दन, दामोदर, इन्द्रावरज, चक्रपाणि, चतुर्भुज, पद्मनाभ, मधुरिपु, भीम, त्रिविक्रम, देवकीनन्दन, शौरि, श्रीपति, पुरुषोत्तम, वनमालिन्, बलिध्वंसिन, कंसाराति, अधोक्षज, विश्वम्भर, कैटभजित, विधु, श्रीवत्सलाञ्छन, पुराणपुरुष, यज्ञपुरुष,नरकान्तक, जलशायिन्, मुकुन्द, उपेन्द्र, मुरमर्दन, राम, वामन, नरसिंह, वराह और भविष्य में होने वाला अवतार कल्कि यह अवतार भगवान विष्णु का ही अवतार है।

हनुमान जी के गुणों से आलोकित करें जीवन

मनोजवं मारुत तुल्यवेगंए जितेन्द्रियं बुद्धिमना वरिष्ठम।
वातात्मजं वानरयूथ मुयंएश्रीरामदूतं शरणं प्रपद्ये॥

यदि हम खुद को हनुमान जी का सच्चा भक्त मानते हैं, तो हमें ऐसे महान चरित्र के चारित्रिक गुणों के प्रकाश से स्वयं को प्रकाशित करने का प्रयास करना चाहिए।

उक्त श्लोक द्वारा हमें सर्वतोमुखी शक्ति के प्रतीक हनुमान जी का यथार्थ चित्रण मिलता है की कैसे वे शरीर के साथ-साथ मन से भी अपार बलशाली थे एवं उन्होंने वासना को जीत लिया था। वे जितेन्द्रिय थे और बुद्धिमानों में भी श्रेष्ठतम थे। यह एक निर्विवाद तथ्य है कि भारत के लोगों के मन में हनुमान जी का चरित्र उनकी ईश्वर भक्ति, ईश्वर सेवा और ईश्वर के प्रति वफादारी के कारण बहुत ही प्रसिद्ध है। और इसलिए ही यहां के अधिकतर घरों में उनकी मूर्ति प्रतिदिन पूजी जाती है और देश के कोन-कोने में भी उनके अनगिनत मंदिर बने हुए हैं। जन के दिलों में स्थान पाने वाले हनुमान जी की पूजा-अर्चना करना उनके प्रति हमारी श्रद्धा का एक पहलू है, लेकिन उनके चारित्रिक गुणों से प्रेरणा लेना व उनके गुणों को जीवन में आत्मसात करना सर्वथा दूसरा पहलू है।

अत: यदि हम खुद को हनुमान जी का सच्चा भक्त मानते हैं, तो हमें ऐसे महान चरित्र के चारित्रिक गुणों के प्रकाश से स्वयं को प्रकाशित करने का प्रयास करना चाहिए। चैत्र पूर्णिमा के दिन जन्मे हनुमान जी के यूं तो अनेक नाम हैं, परन्तु सर्वाधिक प्रचलित हनुमान शद का अर्थ है, ऐसा व्यक्ति जो मान का हनन करने वाला हो। पौराणिक कथाकारों के अनुसार ज्ञानसूर्य परमात्मा के ज्ञान गुण शक्तियों को अपनी बुद्धि में समाहित करने वाले हनुमान जी अनेक आध्यात्मिक शक्तियों से सुसंपन्न रहे, लेकिन अपनी किसी भूल के कारण उन्हें यह शाप मिला कि समय आने पर वे अपनी शक्तियों को भूल जायेंगे और किसी के द्वारा याद दिलाये जाने पर वे शक्तियां जाग्रत हो उठेंगी। अब यह तो हम सब भलीभांति जानते ही हैं कि शाप देने का कार्य कोई श्रेष्ठ व्यक्ति तो कर नहीं सकता, क्योंकि क्योंकि शाप या बददुआ देने वाली तो माया है, अर्थात पांच विकार, तो इसका अर्थ यह हुआ की कलियुग के अंत में जब हम सभी आत्माएं माया द्वारा शापित होकर मूर्च्छित हो जाती हैं और अपनी समस्त शक्तियां खो देती हैं, तब सर्वशक्तिमान परमात्मा हमें ज्ञान संजीवनी द्वारा फिर से सुरजीत करते हैं और माया के शाप से हमें सदा के लिए मुक्त कर देते हैं, जिसके फलस्वरूप हम अपनी सर्व आध्यात्मिक शक्तियों को पुन: प्राप्त कर लेते हैं।

कहते हैं कि इष्ट का उज्जवल चरित्र ही साधकों के जीवन को इत्र समान खुशबूदार और गुणवान बनाता है। आत्मा अमर है और उसके द्वारा किए जाने वाले महान चरित्र भी चिरंजीव ही रहते हैं।

अत: हमें यह महसूस करना चाहिए कि वर्तमान समय वही युग परिवर्तन की वेला है, जब सर्व शक्तिमान परमात्मा माया रावण के चंगुल में फंसी आत्मा रूपी सीताओं की खोज में धरती पर अवतरित हो चुके हैं। ऐसे समय में भगवान श्री हनुमान जी की तरह त्याग, तपस्या और सेवा को जीवन में धारण करके ईश्वरीय सेवा में मददगार बनने वाली आत्माओं का भगवान आहान कर रहे हैं।

याचना की बजाय गुणों को धारण करें :

संसार की आत्माएं तो हनुमान जी को अष्ट सिद्धि और नवनिधि की पूर्ति की कामना हेतु स्वार्थवश याद करती हैं, परन्तु वर्तमान समय की मांग यह है कि हम समय की नाजुकता को पहचान कर हनुमान जी से याचना करने की बजाय उन जैसे गुणों को धारण करके अनेक याचक आत्माओं की कामना पूर्ति करें और श्री हनुमान जी के गुणों की रोशनी से अपने जीवन-पथ को आलोकित करें। उनके समान ईश्वर प्रेम में रम जाएं और उनके समान ईश्वर समर्पित होकर ईश्वर समान बन जाएं।

क्यों अपनी ही पुत्री की ओर आकर्षित हुए ब्रहमा

सरस्वती का अर्थ होता है बहाव। यह बहाव केवल पानी का नहीं बल्कि विद्या और कला का भी है। यही वजह है कि इन्हें विद्या और कला की देवी भी कहा जाता है। सरस्वती के द्वारा विज्ञान, संगीत और कविताओं की रचना की गई है। ऋग्वेद में सरस्वती को दैवीय नदी की भी संज्ञा दी गई है। साथ ही इन्हें पवित्रता और उर्वरता की देवी भी कहा गया है। सरस्वती को अन्य नामों से भी पुकारा जाता है, जिनमें भागेश्वरी, सतरूपा, ब्राहमी, पृथुदर, बकदेवी, बिरज, शारदा आदि प्रमुख हैं। हिन्दू धर्म से जुडे पौराणिक इतिहास पर नजर डालें तो कई ऐसी कहानियां सुनने को मिल जाएंगी जिनसे अभी तक आमजन वाकिफ नहीं हैं। विस्तृत इतिहास होने की वजह से कुछ घटनाएं छूट जाती हैं तो कुछ नजरअंदाज कर दी जाती हैं। इन्हीं कहानियों में से एक हैं सृष्टि के रचयिता ब्रहमा का अपनी ही बेटी के साथ विवाह करने की घटना।यह बात तो हम सभी जानते हैं कि त्रिदेव के हाथों में ही इस सृष्टि की बागडोर समाहित है। ब्रहमा के पास सृष्टि की रचना का दायित्व है तो विष्णु के पास संरक्षण का, वहीं देवों के देव कहे जाने वाले महादेव शिव को विनाश का जिम्मा सौंपा गया है। इसी विनाश के बाद फिर से शुरू होता है सृजन का चक्र। ब्रहमा का अपनी ही बेटी के साथ विवाह करने की इस घटना का उल्लेख सरस्वती पुराण में वर्णित है। सरस्वती पुराण के अनुसार सृष्टि की रचना करते समय ब्रहमा ने सीधे अपने वीर्य से सरस्वती को जन्म दिया था। इसलिए ऐसा कहा जाता है कि सरस्वती की कोई मां नहीं केवल पिता, ब्रहमा थे।

सरस्वती को विद्या की देवी कहा जाता है, लेकिन विद्या की यह देवी बेहद खूबसूरत और आकर्षक थीं कि स्वयं ब्रहमा भी सरस्वती के आकर्षण से खुद को बचाकर नहीं रख पाए और उन्हें अपनी अर्धांगिनी बनाने पर विचार करने लगे। सरस्वती ने अपने पिता की इस मनोभावना को भांपकर उनसे बचने के लिए चारो दिशाओं में छिपने का प्रयत्न किया लेकिन उनका हर प्रयत्न बेकार साबित हुआ। इसलिए विवश होकर उन्हें अपने पिता के साथ विवाह करना पडा। ब्रहमा और सरस्वती करीब 100 वर्षों तक एक जंगल में पति-पत्नी की तरह रहे। इन दोनों का एक पुत्र भी हुआ जिसका नाम रखा गया था स्वयंभु मनु। इसके उलट मत्स्य पुराण के अनुसार ब्रहमा के पांच सिर थे। कहा जाता है जब ब्रहमा ने सृष्टि की रचना की तो वह इस समस्त ब्रहमांड में अकेले थे। ऐसे में उन्होंने अपने मुख से सरस्वती, सान्ध्य, ब्राहमी को उत्पन्न किया। ब्रहमा अपनी ही बनाई हुई रचना, सरवस्ती के प्रति आकर्षित होने लगे और लगातार उन पर अपनी दृष्टि डाले रखते थे। ब्रहमा की दृष्टि से बचने के लिए सरस्वती चारो दिशाओं में छिपती रहीं लेकिन वह उनसे नहीं बच पाईं।इसलिए सरस्वती आकाश में जाकर छिप गईं लेकिन अपने पांचवें सिर से ब्रहमा ने उन्हें आकाश में भी खोज निकाला और उनसे सृष्टि की रचना में सहयोग करने का निवेदन किया। सरस्वती से विवाह करने के पश्चात सर्वप्रथम मनु का जन्म हुआ। ब्रहमा और सरस्वती की यह संतान मनु को पृथ्वी पर जन्म लेने वाला पहला मानव कहा जाता है। इसके अलावा मनु को वेदों, सनातन धर्म और संस्कृत समेत समस्त भाषाओं का जनक भी कहा जाता है।

प्रजापति ब्रहमा का अपनी ही पुत्री के प्रति आकर्षित होना और उसके साथ संभोग करना अन्य सभी देवताओं की नजरों में अपराध था। सभी ने मिलकर पापों का सर्वनाश करने वाले शिव से आग्रह किया कि ब्रहमा ने अपनी पुत्री के लिए यौनाकांक्षाएं रखीं, जोकि एक बडा पाप है, ब्रहमा को उनके किए का फल मिलना ही चाहिए। क्रोध में आकर शिव ने उनके पांचवें सिर को उनके धड से अलग कर दिया था। शिव पुराण के अनुसार ब्रहमा के सर्वप्रथम पांच सिर थे। लेकिन जब अपने पांचवें मुख से उन्होंने सरस्वती जोकि उनकी पुत्री थी, को उनके साथ संभोग करने के लिए कहा तो क्रोधावश सरस्वती ने उनसे कहा कि तुम्हारा यह मुंह हमेशा अपवित्र बातें ही करता है जिसकी वजह से आप भी विपरीत ही सोचते हैं। इसी घटना के बाद एक बार भगवान शिव, अपनी अर्धांगिनी पार्वती को ढूंढते हुए ब्रहमा के पास पहुंचे तो पांचवें सिर को छोडकर उनके अन्य सभी मुखों ने उनका अभिवादन किया, जबकि पांचवें मुख ने अमंगल आवाजें निकालनी शुरू कर दी। इसी कारणवश क्रोध में आकर शिव ने ब्रहमा के पांचवें सिर को उनके धड से अलग कर दिया।

घर में इसलिए रखते हैं हरे पौधे

घर में यदि आप हरे पौधों को रखते हैं, तो यह घर के वास्तु दोषों को दूर करने में सहायक होते हैं। इनमें सबसे ज्यादा तुलसी के पौधे को महत्व दिया जाता है। तुलसी के पौधे से जब हवा स्पर्श कर बहती है, तब वह घर के पर्यावरण को भी स्वस्थ्य रखती है। प्रदूषण और रोग निवारण में तुलसी का पौधा औषधि है। इस घर में अवश्य ही लगाएं। ठीक इसी तरह पृथ्वी के नीचे कहीं-कहीं निगेटिव स्ट्रीम(झिर) होती है। यदि यह स्ट्रीम दुकान या फैक्ट्री पर हो तो गंभीर रोगों से प्रभावित हो सकता है। यह गंभीर रोग जैसे हदय रोग, मधुमेह, लकवा और केंसर हो सकते हैं। तुलसी का पौधा यदि घर में है तो यह स्ट्रीम निष्क्रीय हो जाती है।

हरे पौधे विकास का प्रतीक भी माने जाते हैं। जो घर के अंदर रखने से मंगलमय यानी सकारात्मक ऊर्जा को प्रवाहित करते हैं। ठीक इसी तरह वास्तु शांति के लिए घर के अंदर हवन भी हर माह जरूर करवाना चाहिए। हवन का धुंआ घर में उपस्थित निगेटिव एनर्जी, वास्तु दोषों के साथ रोग फैलाने वाले कीटाणुओं का भी अंत कर देता है। जिससे कि आपकी जिंदगी खुशनुमा तरीके से व्यतीत होती है।

इन उपायों से होगी आपकी कई मनोकामनाएं पूरी

हमारे जीवन में सुख दुख तो लगा रहता है जिस कारण हम परेशान भी होते है । सभी चाहते हैं कि उसके जीवन में खुशहाली रहे और सुख-शांति बनी रहे पर हर व्यक्ति के साथ ऐसा नहीं होता। जीवन में सुख और शांति का बना रहना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में कुछ उपायों को अपनाकर शायद हम अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं। तुलसी के पौधे को प्रतिदिन जल चढाएं तथा गाय के घी का दीपक लगाएं। रविवार को पुष्य नक्षत्र में श्वेत आक की जड लाकर उससे श्रीगणेश की प्रतिमा बनाएं फिर उन्हें खीर का भोग लगाएं। लाल कनेर के फूल तथा चंदन आदि के उनकी पूजा करें। तत्पश्चात गणेशजी के बीज मंत्र (ऊँ गं) के अंत में नम: शब्द जोडकर 108 बार जप करें। सुबह गौरी-शंकर रुद्राक्ष शिवजी के मंदिर में चढाएं। सुबह बेल पत्र (बिल्ब) पर सफेद चंदन की बिंदी लगाकर मनोरथ बोलकर शिवलिंग पर अर्पित करें। बड के पत्ते पर मनोकामना लिखकर बहते जल में प्रवाहित करने से भी मनोरथ पूर्ति होती है। मनोकामना किसी भी भाषा में लिख सकते हैं। नए सूती लाल कपडे में जटावाला नारियल बांधकर बहते जल में प्रवाहित करने से भी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। इन प्रयोगों को करने से आपकी सभी मनोकामनाएं शीघ्र ही पूरी हो जाएंगी। सुबह घर से काम के लिए निकलने से पहले नियमित रूप से गाय को रोटी दें। एक पात्र में जल लेकर उसमें कुंकुम डालकर बरगद के वृक्ष पर नियमित रूप से चढाएं। सुबह घर से निकलने से पहले घर के सभी सदस्य अपने माथे पर चन्दन तिलक लगाएं। मछलियों की आटे की गोली बनाकर खिलाएं। चींटियों को खोपरे व शकर का बूरा मिलाकर खिलाएं। शुद्ध कस्तूरी को चमकीले पीले कपडे में लपेटकर अपनी तिजोरी में रखें।

लाइलाज बीमारियों को दूर करते हैं पपीते के बीज

पपीता स्वस्थ गुणों से भरपूर होता है। इसके स्वास्थ्य लाभ से हर कोई परिचित हैं, परन्तु पपीते के बीज के अनूठे स्वास्थ्य लाभ के विषय शायद ही कोई जानता हो बहुत सारे लोग यह नहीं जानते कि पपीते के बीज भी खाने-योग्य होते हैं और इसके अनेक स्वास्थ्य लाभ हैं। पपीते के बीज को उपयोग में लाने का सबसे बढ़ीया तरीका इन्हें सुखाकर फिर पीस कर, किसी कंटेनर में भविष्य में प्रयोग हेतु रखना है।

पपीते के बीज के बहुत प्रकार के लाभ है। पपीते के बीज प्रदाहनाशी एवं ऐंटीबैक्टीरियल होने के कारण पाचन तंत्र, गुर्दा एवं जिगर के स्वास्थ्य हेतु उत्तम माने जाते हैं।

पपीते के बीजों का फायदा

लीवर सिरोसिस का उपचार

पपीते के बीज सूत्रण रोग का प्राकृतिक उपचार है। नींबू के रस के साथ पपीते के बीज का लगातार 2 महीने सेवन करने से सूत्रण रोग ठीक हो जाता है।

वायरल इंफैक्शन

पपीते के बीज विषाणुरोधी होने के कारण छोटे-मोटे वायरल इंफैक्शन को आसानी से ठीक कर देते हैं।

कैंसर

इसके बीजों में मौजूद घटक कैंसर और एवं टयूमर जैसी बीमारियों के विकास को रोक देते हैं। पपीते के बीज मलाशय, लयूकेमिया, पौरुष ग्रंथि और कैंसर-उपचार में सक्षम हैं।

किडनी

गुर्दे की बीमारियों के उपचार में भी पपीते के बीज का प्रयोग किया जाता है। यह गुर्दे की कार्यप्रणाली को बाधित होने से रोकने में समर्थ हैं।

गठिया रोग में लाभदायक

पपीते के बीज के प्रदाह्नाशक गुण गठिया एवं जोड़ों के बीमारियों के उपचार के लिए भी अति उत्तम माने जाते हैं।

महिलाओं के लिए सहायक एप्स

स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वाली लड़कियां और महिलाएं अपने में काफी कुछ कर सकती हैं। खास महिलाओं के लिए कुछ एप्स भी मौजूद हैं। इन एप्स की मदद से महिलाएं अपने रोज के काम को और आसानी से पूरा कर सकती हैं। ये एप्स उनकी प्राइवेट लाइफ को प्राइवेट ही रहने देती हैं। बस आपको इन एप्स को अपने फोन में रखना है और ये एक अच्छे साथी की तरह आपकी मदद करेंगे।

महिलाएं चाहे कामकाजी हों या हाउस वाइफ हर दिन के टास्क से उन सभी को गुजरना होता है। जिसे वे अनदेखा नहीं कर सकती हैं। तो ऐसे में कुछ एप्स आपके लिए बेहतर विकल्प हैं जो उनको इन डेली टास्क में मदद करते हैं। अपनी सुरक्षा को लेकर हर कोई कंसर्न रहता है, खासकर जब महिलाएं पब्लिक ट्रांसपोर्ट या किराए पर लिए कैब आदि में ट्रेवल कर रहीं हों। इसलिए एक सेफ्टी एप बेहद जरूरी है। इस एप की मदद से वे अपनी लोकेशन और डेस्टिनेशन व अन्य डिटेल्स किसी भी कांटेक्ट के साथ शेयर कर सकती हैं। इससे पूरी जानकारी जिन भी लोगों से वे शेयर करें उन्हें मालूम हों।

एवर नोट

किसी के लिए भी यह मुमकिन नहीं है कि उन्हें हर चीज याद हो। इसलिए अब एवर नोट एप की मदद से महिलाएं अपने प्लान, टू-डू लिस्ट आदि को मैनेज कर सकती है। हर चीज को नोट किया जा सकता है।

बिग बास्केट

बिग बास्केट डाउनलोड करें। यह एक ऐसा एप है जो हर महिला के काम आता है। इस एप के जरिए महिलाएं किचन का सारा सामान घर बैठे बैठे ला सकती हैं। जो सामान चाहिए उसे आर्डर कर दीजिए। अब कभी महिलाएं घर पर हों, और उनको पता चले कि कोई जरुरी सामान खत्म हो गया है तो वे उसे मिनटों में बिना घर से बाहर निकलें आर्डर कर सकती हैं।

बुक माय शो

बुक माय शो डाउनलोड करने से महिलाओं को किसी की मदद लेने की जरुरत नहीं है। वे खुद ही अपने लिए मूवी टिकेट बुक कर सकती हैं, तो डाउनलोड कीजिए ये एप तुरंत!

रोपोसो

रोपोसो एप के साथ महिलाएं रहेंगी फैशन में भी अपडेट। साथ ही वे अपने फैशन आईडिया अन्य महिलाओं के साथ शेयर भी कर सकती हैं।

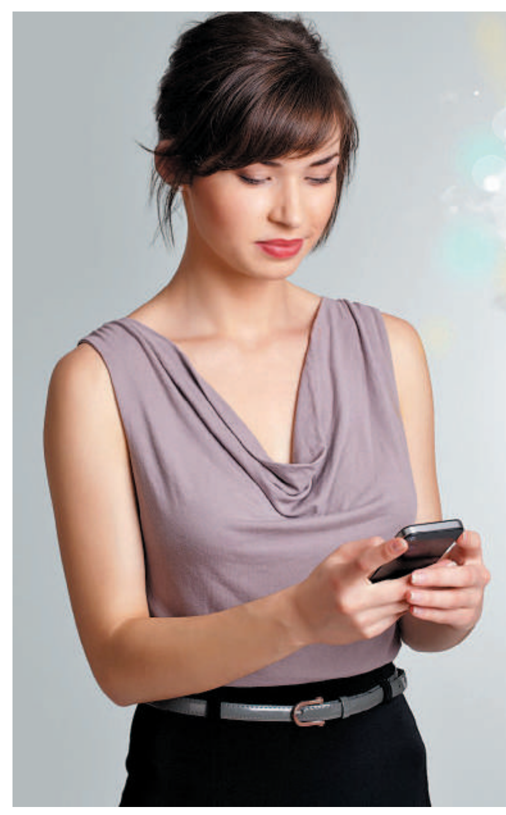

पीरियड ट्रैकर

पीरियड ट्रैकर हर महिला और लड़की के लिए यह इम्पोर्टेन्ट है। चाहे न चाहें ये बिन बुलाए मेहमान हर महीने दस्तक देते हैं। तो अच्छा है कि इसका एक ट्रैक रखें और यह एप उन्हें इसी काम में मदद करती है।

मायपिल

यदि महिलाएं पिल को समय पर लेना भूल जाएं तो! जाहिर है वे ऐसा नहीं चाहेंगी। यह एप उनको याद दिलाएगी कि उन्हें पिल कब किस समय पर लेनी है।

यम्मी रेसिपीज एंड शॉपिंग लिस्ट

हर दिन वही खाना बना बना कर महिलाएं बोर हो जाती है तो लीजिए यह एप उनके लिए लाता है नई और शानदार व्यंजनों की रेसिपीज।

टॉयलेट फाइंडर

जब महिलाएं घर से बहार हों तो ऐसा कई बार होता है कि वे नेचर कॉल इग्नोर नहीं कर सकती हैं। लेकिन पब्लिक टॉयलेट कहां है यह कैसे पता चलेगा! चलिए उनके लिए ले आया है एक नया एप जो अब जरुरत के समय पर उनके लिए टॉयलेट ढूंढेगा।

फॉलो करें फेसबुक के ये रूल्स...

फेसबुक एक कमाल का सोशल मीडिया है। इसके जरिए हम अपने दोस्तों व करीबियों से जुड़े रहते हैं। उन लोगों से भी कनेक्टेड रहते हैं जिनसे हम सालों मिल नहीं पाते हैं। स्कूल के पुराने दोस्त, साथियों सभी से हम फेसबुक पर जुड़ें रह सकते हैं। साथ ही जो ब्रांड्स हमें पसंद हैं उनके अपडेट्स भी हमें फेसबुक के जरिए मिलते रहते हैं। लेकिन इन सबके अलावा फेसबुक पर कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जो हर दो मिनट में कुछ न कुछ पोस्ट करते हैं, और उसमें हमें टैग भी करते हैं। इतना ही नहीं कुछ तो हर चीज फेसबुक पर अपडेट करते हैं, वो क्या खाते हैं, कहांजाते हैं, क्या कर रहे हैं, यह सब पूरी दुनिया को बताते हैं। कई बार तो हम फेसबुक को एक गलत कदम समझ लेते हैं, लेकिन इन सब की आदत डालना जरुरी नहीं। आइए नजर डालते हैं सोशल मीडिया के उन बातों पर जो आप बेशक नजरअंदाज करना चाहेंगे।

प्रमोशन के लिए इस्तेमाल

आपने हाल ही में कोई बिजेनस स्टार्ट किया है और आप उसे फेसबुक पर प्रमोट करते रहते हैं.? यदि हां, तो ऐसा बिल्कुल मत करिए। भले ही आपके दोस्त आपके लिए आपके नए काम के लिए खुश हों लेकिन हर दिन कोई भी आपके बिजनेस के बारे में जानना नहीं चाहता। इसके लिए आप एक अलग पेज बना सकते हैं। और फिर अपने दोस्तों को इनविटे भेज सकते हैं।

बच्चों के बारे में पोस्ट

अपने बच्चों के बारे में पोस्ट करना आप अपने बच्चों से प्यार करते हैं, सब करते हैं। आपके बच्चे जब भी कुछ नया करें तो वो आपके काफी खास होता होगा। लेकिन आपको समझना होगा कि आपसे ज्यादा प्यार उन्हें आपके फेसबुक फ्रेंड्स नहीं करते हैं। यही कारण है कि वो बार बार बच्चों के अपडेट नहीं देखना चाहते हैं, तो आप ऐसा करना अवॉयड करें।

दोस्तों को टैग करना

कई लोगों की आदत होती है कि वो अपनी फोटोज में दोस्तों को टैग कर देते हैं, जबकि दोस्तों का उससे कोई लेना-देना भी नहीं होता। साथ ही कुछ लोग केवल अपनी फोटो अच्छी आने पर उसे पोस्ट कर देते हैं भले ही उसमें बाकी दोस्त अच्छे नहीं दिख रहे हों और इसके बाद भी टैग कर देते हैं। यदि आप भी उन लोगों में से हैं तो यह आदत छोड़ दें।

निजी बातें अपडेट करना

कॉलेज में किसी दोस्त से बहस हो जाए या आपको जॉब का अच्छा ऑफर आया हो ये सभी आपके और आपके अपनों के लिए खास हो सकता है लेकिन फेसबुक पर हर कोई इसमें दिलचस्पी नहीं रखता है। इसलिए इससे बेहतर होगा कि आप फोन करके अपने घरवालों ये खुशी की बात बताएं।

मैसेंजर की तरह इस्तेमाल

यदि आपको अपने दोस्त से कुछ बात करनी है तो आप उसे पर्सनल मैसेज कर सकते हैं, उसे वाल पर पोस्ट करना सही तरीका नहीं है।

गेम रिक्वेस्ट

आपको भले ही फेसबुक पर कैंडी क्रश या अन्य गेम पसंद, लेकिन दूसरों को नहीं, तो प्लीज गेम की रिक्वेस्ट भेजना बंद करें।

हर दो मिनट में स्टेटस

आप मूवी जा रहे हैं, शॉपींग कर रहे हैं या जिम के लिए निकल रहे हैं ये सब अच्छा है लेकिन हर दो मिनट फेसबुक अपडेट करना, आपके दोस्तों को परेशान कर सकता है।

एप्पल का ग्लास फोन

क्या आपने कभी ग्लास वाले स्मार्टफोन के बारे में सोचा है। ऐसा स्मार्टफोन जो पूरी तरह से ग्लास से बना हो । अब तक जो स्मार्टफोन देखने को मिले हैं, वे मेटल और प्लास्टिक से मिलकर बने होते हैं। लेकिन आगे आने वाले तकनीक में कुछ नया होगा। अमेरिकी स्मार्टफोन निर्माता कंपनी एप्पल एक ऐसा स्मार्टफोन लेकर आने वाली है, जो पूरी तरह ग्लास से बना होगा। इस कांसेप्ट को सुनकर ही आपको हैरत हो रही होगी, लेकिन ये पूरी तरह सच है। एप्पल ने इस ग्लास फोन का डिजाइन बना लिया है, जो जल्द ही मार्केट में पेश होने वाला है।

फेसबुक का शानदार तोहफा...

फेसबुक ने हिंदी प्रेमियों को एक शानदार तोहफा दिया है। फेसबुक ने एक टूल लॉन्च किया है, जिसके जरिये हिंदी में टाइप करना आसान हो जाएगा। फेसबुक ने कहा कि हम अब एंड्रॉयड फोन्स के लिए फेसबुक एप के अंदर एक हल्के वजन का हिंदी एडिटर पेश कर रहे हैं। फेसबुक के मुताबिक- जब एप की सेटिंग ऑन कर दी जाएगी, तब आप बार में मौजूद एक बटन के जरिए अपनी ताजा सूचना और टिप्पणियां टाइप कर सकते हैं। यह रोमन अक्षरों को खुद ही देवनागरी लिपि में परिवर्तित कर देगा। बयान में आगे कहा गया है, जब लोग इसका प्रयोग करते हैं, तब अक्षर अंग्रेजी में टाइप होते हैं और वह देवनागरी लिपि में बदल जाता है।

वॉट्सएप के खुफिया फीचर्स

वॉट्सएप के कुछ खास खुफिया फीचर्स हैं जो आपको जरूर जानना चाहिए। यहां हम आपको इन्हीं फीचर्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

असली नंबर दिए बिना चैट

अगर आप किसी व्यक्ति को अपना असली नंबर दिए बिना चैट करना चाहते हैं तो यह भी मुमकिन है। वॉट्सऐप की सेटिंग्स में और अकाउंट में चेंज नंबर के ऑप्शन पर क्लिक करें। यहां नया नंबर डालकर वेरिफाई कर दीजिए। वेरिफिकेशन कोड आपके मौजूद नंबर पर भेजा जाएगा। दरअसल वॉट्सऐप का नंबर सिर्फ डिस्प्ले का नंबर है। आप चाहें तो वॉट्सऐप के लिए एक बंद नंबर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

ग्रुप को म्यूट करना

अगर किसी वॉट्सऐप ग्रुप के मैसेज आपको परेशान कर रहे हैं तो आप थोड़े समय के लिए उस ग्रुप के मैसेज के रिंगटोन को म्यूट कर सकते हैं। कितनी देर के लिए म्यूट करना है, वो आप तय कर सकते हैं। बस मेनू बटन पर क्लिक कीजिये और म्यूट चुन लीजिए। जितने समय के लिए आप ग्रुप को म्यूट करना चाहते हैं वो भी चुन लीजिए।

लास्ट सीन नोटिफिकेशन छिपाना

वॉट्सऐप इस्तेमाल करने वाले यूजर्स दूसरे यूजर को दिखने वाली लास्ट सीन नोटिफिकेशन छिपा सकते हैं यानी अब अगर यूजर चाहे तो किसी को पता नहीं चलेगा कि उसने पिछली बार वॉट्सऐप कब खोला था। ये फीचर नए अपडेट वॉट्सऐप में प्राइवेसी सेटिंग्स में मिलेगा।

चैट को आर्काइव करना

आप अपने चैट को आर्काइव कर सकते हैं और बाद में जब चाहें उसे पढ़ सकते हैं। जिस चैट को आप अर्काइव करना चाहते हैं उस पर टैप कीजिए और उसके बाद आर्काइव चैट को चुन लीजिए। अगर आप चाहें तो सभी चैट को भी आर्काइव कर सकते हैं। बस चैट सेटिंग्स पर टैप कीजिए और उसके बाद आर्काइव आल चैट्स चुन लीजिये। इसका इस्तेमाल करने से आपके एसडी कार्ड पर चैट बैकअप नहीं होता है और न ही डिलीट होता है।

चैट हेल्पर एंड्रायड

चैट हेल्पर एंड्रायड स्मार्टफोन के लिए एक विजेट है जो आपकी स्क्रीन पर वॉट्सऐप के स्क्रीन को फ्लोट करने में मदद करता है। यानी वॉट्सऐप मैसेज अब पूरी स्क्रीन पर नहीं दिखाई देगा पर एक विजेट, जिसे आप स्क्रीन पर किसी भी हिस्से में रख सकते हैं, उस पर दिखाई देगा। ऐप को इनेबल करने के बाद विजेट स्मार्टफोन की स्क्रीन पर आ जाएगा। गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करके इसे स्मार्टफोन पर इनस्टॉल कर लीजिए।

मैसेज पढ़ा कब

स्क्रीन पर जो ब्लू टिक आता है उसका मतलब है जिसको आपने मैसेज भेजा है उसने मैसेज पढ़ लिया। कई बार ऐसा होता है कि मैसेज डिलीवर हो जाता है लेकिन जिसे भेजा वह उसे पढ़ता नहीं है। अगर आप जानना चाहते हैं कि मैसेज कब पढ़ा गया तो जो मैसेज आपने भेजा है उसे थोड़ी देर के लिए प्रेस कीजिए। उससे आपको पता लग जाएगा कि मैसेज पढ़ा कब गया था।

यह जानना जरूरी

यह जानना हमेशा बढ़िया होता है कि मोबाइल डेटा को आटोमैटिक डाउनलोड पर नहीं रखना चाहिए। सेटिंग्स के बाद चैट सेटिंग्स और उसके बाद मीडिया ऑटो डाउनलोड में जाकर आप बॉक्स से टिक मार्क हटा दें तो ये बंद हो जाएगा। अगर आप चाहें तो ये सिर्फ वाई-फाई जोन में रहने पर ही डाउनलोड होगा।

लंबे समय तक अच्छी सेहत के लिए छोड़ें आलस

मेटाबॉलिज्म, यानी डाइजेशन प्रॉसेस। खाने को एनर्जी में बदलने का काम मेटाबॉलिज्म ही करता है। इसलिए इसका सही तरीके से काम करते रहना बहुत जरूरी है। लेकिन अक्सर हम कई ऐसी छोटी-बड़ी गलतियां कर देते हैं, जिससे इसके नेगेटिव इफेक्ट्स पड़ने लगते हैं। जानेंगे इनके बारे में ताकि इसमें सुधार किया जा सके..

नींद बिगाड़े काम

क्या गलती हो जाती है- रोजाना सुबह आप एक तय समय पर उठते हैं, लेकिन छुट्टी वाले दिन यह समय बदल जाता है।

समस्या क्या है- इसे ह्यस्लीप हायजीनह्व के नाम से जाना जाता है। न केवल समय में बदलाव, बल्कि बराबर नींद न ले पाने से भी डाइजेशन पर असर पड़ सकता है। मशहूर मेडिकल जर्नल में छपे एक स्टडी के मुताबिक - केवल एक दिन की खराब या कम नींद शरीर की ह्यसर्कािडयन रिदमह्व को इफेक्ट कर सकती है। सर्कािडयन रिदम हमारी नींद डिसाइड करती है और बॉडी के मेटाबॉलिज्म को भी सही रखने में मदद करती है। **समाधान-** हफ्ते भर रात 10 बजे सोने और सुबह 6 बजे जाग जाने, लेकिन छुट्टी के दिन रात 2-3 बजे तक जागने और सुबह देरी से उठने की आदत छोड़ दें। रोजाना एक ही टाइम पर सोइए और बिस्तर छोड़िए। छुट्टी वाले दिन पॉसिबल न हो, तो कम से कम रोज वाले समय को जरूर फॉलो करें।

पानी पीने का न रहा ध्यान

क्या गलती हो जाती है- आधा दिन बीत चुका है, लेकिन आपको खबर ही नहीं कि आपने अब तक कितना पानी पिया!

समस्या क्या है- बॉडी द्वारा किया गया कोई भी काम, जिसमें एनर्जी की खपत होती है, जैसे खाना पचाना, मसल्स का संकुचन, शरीर से मल व गंदगी को बाहर निकालना आदि में से कई जरूरी कामों में हाइड्रेशन भी एक अहम भूमिका निभाता है। हाइड्रेशन, यानी शरीर में पानी की संतुलित मात्रा का होना। यदि आप कम पानी पिएंगे, तो शरीर इन कामों को धीमी गति से करेगा या सही तरीके से नहीं कर पाएगा, जिसका सीधा-सीधा असर डाइजेशन पर पड़ेगा। **समाधान-**भरपूर पानी न पीने का संकेत शरीर कई तरह से देता है। जैसे- अचानक सिरदर्द होना, थकान महसूस होना, पेशाब गहरे पीले रंग की होना आदि। ऐसा हो तो समझ जाएं कि आप पानी उचित मात्रा में नहीं पी रहे हैं। इससे बचने के लिए अपने पास हर वक़्त एक पानी की बोतल रखें। बोतल पर तयशुदा अंतराल का ध्यान रखते हुए निशान लगा दें। पानी पीना भी याद रहेगा और मात्रा भी संतुलित रहेगी। चाहें तो इस काम के लिए फोन अलार्म/रिमाइंडर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

संपादकीय

महिला-शक्ति का समय

यह देश की संसदीय प्रणाली में 'महापरिवर्तन' का दौर है। संसद का विशेष सत्र 16, 17, 18 अप्रैल को महिला आरक्षण कानून को लागू करने और नए परिसीमन कानून को पारित करने पर विमर्श करेगा। लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में 33 फीसदी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हों, इस प्रावधान का बिल और कानून बीते 30 सालों से लटका पड़ा है। 1996 में देवगौड़ा सरकार के दौरान सबसे पहले महिला आरक्षण बिल पेश किया गया, तो संसद अगड़ी-पिछड़ी, फैशनेबल, दलित महिलाओं के खांचों में बंट गई थी। बिल को फाड़ दिया गया था। ऐसे भय और ऐसी आशंकाएं मुलायम सिंह यादव, शरद यादव, उमा भारती, लालू यादव सरीखे संसदीय नेताओं ने व्यक्त कीं कि बालकटी, फैशनपरस्त और ऊंचे घरानों की ही महिलाएं, आरक्षण के जरिए, संसद तक पहुंचेंगी। नतीजतन बिल को लटकाया और भटकाया जाता रहा। सितंबर, 2023 में यह बिल मोदी सरकार ने 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' के तौर पर पारित कराया। नवंबर, 2023 में राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद यह कानून बन गया, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया। सरकार 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले भी इसे लागू कर सकती थी, क्योंकि 2011 की जनगणना को आधार बनाया जाना था। लोकसभा की मौजूदा सीटों की संख्या 1971 की जनगणना पर आधारित थी। लंबे 55 साल के बाद परिवर्तन अनिवार्य है, क्योंकि जनसंख्या के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था भी बदल चुकी है। चूंकि यह मामला 2026 तक 'फ्रीज' रखा गया था, लिहाजा अब सरकार नया परिसीमन आयोग बना रही है और संसद से कानून पारित कराएगी। महिला आरक्षण कानून 2029 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद के विधानसभा चुनावों और उपचुनावों पर लागू किया जा सके, लिहाजा संसद में 131वां संविधान संशोधन लाया जाएगा। संविधान संशोधन बिल पारित कराने के लिए सरकार को 362 सांसदों का समर्थन चाहिए अथवा सदन में उपस्थित सांसदों का दो-तिहाई बहुमत होना चाहिए। विपक्ष के पाले में 233 सांसद हैं, लिहाजा सरकार के लिए चुनौती है।

संसद का विशेष सत्र 16, 17, 18 अप्रैल को महिला आरक्षण कानून को लागू करने और नए परिसीमन कानून को पारित करने पर विमर्श करेगा। लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में 33 फीसदी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हों, इस प्रावधान का बिल और कानून बीते 30 सालों से लटका पड़ा है। 1996 में देवगौड़ा सरकार के दौरान सबसे पहले महिला आरक्षण बिल पेश किया गया, तो संसद अगड़ी-पिछड़ी, फैशनेबल, दलित महिलाओं के खांचों में बंट गई थी। बिल को फाड़ दिया गया था। ऐसे भय और ऐसी आशंकाएं मुलायम सिंह यादव, शरद यादव, उमा भारती, लालू यादव सरीखे संसदीय नेताओं ने व्यक्त कीं कि बालकटी, फैशनपरस्त और ऊंचे घरानों की ही महिलाएं, आरक्षण के जरिए, संसद तक पहुंचेंगी। नतीजतन बिल को लटकाया और भटकाया जाता रहा। सितंबर, 2023 में यह बिल मोदी सरकार ने 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' के तौर पर पारित कराया। नवंबर, 2023 में राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद यह कानून बन गया, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया। सरकार 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले भी इसे लागू कर सकती थी, क्योंकि 2011 की जनगणना को आधार बनाया जाना था। लोकसभा की मौजूदा सीटों की संख्या 1971 की जनगणना पर आधारित थी। लंबे 55 साल के बाद परिवर्तन अनिवार्य है, क्योंकि जनसंख्या के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था भी बदल चुकी है। चूंकि यह मामला 2026 तक 'फ्रीज' रखा गया था, लिहाजा अब सरकार नया परिसीमन आयोग बना रही है और संसद से कानून पारित कराएगी। महिला आरक्षण कानून 2029 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद के विधानसभा चुनावों और उपचुनावों पर लागू किया जा सके, लिहाजा संसद में 131वां संविधान संशोधन लाया जाएगा।

विपक्ष इसे भी मुद्दा बना रहा है और परिसीमन कानून पर बिल के विरोध में मत-विभाजन मांग सकता है। परिसीमन कानून तो साधारण बहुमत से पारित किया जा सकता है, लेकिन महिला आरक्षण संविधान संशोधन का विषय है, लिहाजा दो-तिहाई बहुमत की दरकार है। बुधवार को विपक्ष की बैठक प्रस्तावित थी। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल में मतदान से सिर्फ एक सप्ताह पहले ही संसद का विशेष सत्र क्यों बुलाया गया और महिला आरक्षण तथा परिसीमन कानूनों पर संविधान संशोधन पारित कराने की योजना सरकार ने क्यों बनाई, विपक्ष इसी सवाल से चिपका है। कुछ विशेषज्ञ ऐसी व्याख्याएं भी कर रहे हैं कि महिला आरक्षण कानून 2039 के लोकसभा चुनाव से पहले लागू नहीं हो सकता, क्योंकि 2027 की जनगणना के बाद एक और परिसीमन की आवश्यकता हो सकती है या 2029 तक परिसीमन का काम सम्पन्न नहीं हो सकता। बहरहाल राजनीति तो इस देश की हरेक धडक़न में है, लेकिन यह देश के सामाजिक, राजनीतिक, लैंगिक और संसदीय परिदृश्य बदलने का समय है। जो प्रस्ताव संसद के विचाराधीन है, उसके मुताबिक, राज्यों से 815 सांसद चुन कर लोकसभा में आएंगे, जबकि संघशासित क्षेत्रों से 35 सांसद चुने जाएंगे, लिहाजा 2029 में लोकसभा में 850 सांसद दीख सकते हैं। अभी यह संख्या 543 है। आरक्षण 15 साल के लिए होगा।

कुछ अलग

असंवेदनशीलता

व्यक्तित्व में कुछ मानवीय गुणों का समावेश मनुष्य को महान बना सकता है। ईश्वरीय सत्ता में हमारा अस्तित्व एकल है क्योंकि वास्तव में यह जीवन यात्रा मनुष्य अकेले ही तय करता है। जीवन से मृत्यु के अंतराल में मनुष्य अकेला ही है। मनुष्य जीवन भर सांसारिक, पारिवारिक तथा सामाजिक बंधनों, सम्बन्धों तथा रिश्ते-नातों के मकडज़ाल में उलझा रहता है। माता-पिता, पुत्र-पुत्री, पति-पत्नी, भाई-बहन सभी सांसारिक, पारिवारिक तथा सामाजिक बंधन हैं। मनुष्य जीवन भर इन संबंधों के मोहपाश तथा मायाजाल में बंधा रहता है। सामाजिक एवं प्राकृतिक व्यवस्था चलाने के लिए यह आवश्यक भी है। लेकिन इन व्यक्तिगत सम्बन्धों के अतिरिक्त एक और भी सम्बन्ध है जो सभी संबंधों से श्रेष्ठ और उत्तम है। मानवीय सम्बन्ध कोई भी सम्बन्ध न होने पर भी सर्वोपरि है। यह सम्बन्ध ईश्वरीय सत्ता का सम्मान करते हुए सभी से प्रेम तथा संवेदना, शालीनता तथा विनम्रता पर आधारित है। जहां आप किसी व्यक्ति को जानते-पहचानते नहीं हैं, कोई रिश्ता नाता नहीं है, कोई धर्म, जात, मजहब, रंगभेद, लिंगभेद, छोटा-बड़ा तथा अमीर-गरीब का भेद नहीं, केवल ईश्वरीय सत्ता में आप अपनत्व तथा प्रेम भावनाओं के आधार पर किसी का सम्मान करते हैं। नम्रता, विनम्रता, शालीनता, सरलता, शिष्टता तथा संवेदनशीलता ऐसे सुंदर शब्द हैं जिन्हें परिभाषित करने से बेहतर महसूस करना तथा अपने व्यक्तित्व में ढालना है। इन शब्दों का आचरण एवं व्यवहार अमूल्य है। इन शब्दों की परिभाषा सभ्य, सुसंस्कृत तथा संवेदनशील परिवारों, सभ्य समाजों तथा महान गुरुओं के चरणों में रहकर ही समझी जा सकती है।

अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी यह मानते हैं कि वे यह सारी लड़ाई जीओडी की ओर से ही लड़ रहे हैं

युद्ध में पोप का दाखिला

अमरीका को घेरने के लिए उन्हें ईरान का बहाना मिल गया है, जिस प्रकार रूस को घेरने के लिए अमरीका को यूक्रेन का बहाना मिल गया था। ईरान ने इस लड़ाई में यह दावा जरूर किया हुआ है कि वह यह लड़ाई अल्लाह की ओर से लड़ रहा है। वैसे अरब देशों का भी यह मानना है कि वे भी अल्लाह की ओर से ही लड़ रहे हैं। इसलिए दोनों देश बीच-बीच में अल्लाह का नाम भी लेते हैं। लेकिन पहली बार इस लड़ाई में अमरीका ने जीओडी को दाखिल किया है। मैंने जीओडी शब्द का अनुवाद जानबूझ कर हिंदी में नहीं किया है, क्योंकि हिंदी में मुझे इसके बराबर कोई शब्द नहीं मिला। वैसे लोग इसका अनुवाद परमात्मा कर लेते हैं। लेकिन भारत में परमात्मा का अर्थ वह नहीं है जो अंग्रेजी के जीओडी का है। जीओडी तो सात आसमान के ऊपर रहता है। लेकिन परमात्मा तो हर जीव के अंदर ही है। परमात्मा से बात करने के लिए भारतीयों को बिचौलियों की जरूरत नहीं पड़ती। वह सीधी परमात्मा की आराधना कर सकता है।

ईरान का अमरीका-इजराइल से युद्ध पिछले कुछ महीनों से निरंतर जारी है। अब यह युद्ध मध्य एशिया के अरब देशों तक भी फैल चुका है। पाकिस्तान क्योंकि अमरीका के साथ है, इसलिए परोक्ष रूप से वह भी अब इस युद्ध में एक पक्ष बन चुका है। ऐसा नहीं कि ईरान इस मामले में अकेला है। परोक्ष रूप से चीन और रूस भी इसमें ईरान के पक्ष में खड़े नजर आते हैं। ऐसा नहीं कि उनको ईरान के लोगों की चिंता है या फिर वे अपनी दोस्ती का फर्ज निभा रहे हैं। बल्कि अमरीका को घेरने के लिए उन्हें ईरान का बहाना मिल गया है, जिस प्रकार रूस को घेरने के लिए अमरीका को यूक्रेन का बहाना मिल गया था। ईरान ने इस लड़ाई में यह दावा जरूर किया हुआ है कि वह यह लड़ाई अल्लाह की ओर से लड़ रहा है। वैसे अरब देशों का भी यह मानना है कि वे भी अल्लाह की ओर से ही लड़ रहे हैं। इसलिए दोनों देश बीच-बीच में अल्लाह का नाम भी लेते हैं। लेकिन पहली बार इस लड़ाई में अमरीका ने जीओडी को दाखिल किया है। मैंने जीओडी शब्द का अनुवाद जानबूझ कर हिंदी में नहीं किया है, क्योंकि हिंदी में मुझे इसके बराबर कोई शब्द नहीं मिला। वैसे लोग इसका अनुवाद परमात्मा कर लेते हैं। लेकिन भारत में परमात्मा का अर्थ वह नहीं है जो अंग्रेजी के जीओडी का है। जीओडी तो सात आसमान के ऊपर रहता है। लेकिन परमात्मा तो हर जीव के अंदर ही है। परमात्मा से बात करने के लिए भारतीयों को बिचौलियों की जरूरत नहीं पड़ती। वह सीधी परमात्मा की आराधना कर सकता है। कर्मकांड की भी जरूरत नहीं है। लेकिन जीओडी के मामले में ऐसा नहीं है। जिनको जीओडी से बात करनी है, उसे पोप के माध्यम से ही बात करनी होगी। पोप जीओडी का प्रतिनिधि है। ईसाई समाज के लोग ऐसा मानते भी हैं। इटली में रोम के नजदीक पोप का हेडक्वार्टर भी है। अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी यह मानते हैं कि वे यह सारी लड़ाई जीओडी की ओर से ही लड़ रहे हैं। इसलिए वे अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर जब लड़ाई के बारे में कोई सूचना भी देते हैं, तो कभी कभी जीओडी का धन्यवाद या फिर उसकी सहमति होने की घोषणा भी करते हैं। अब इस दुनिया में जीओडी के प्रतिनिधि तो पोप ही हैं। इसलिए ट्रंप ने मान लिया होगा कि पोप अमरीका के साथ ही हैं। वैसे भी इसे संयोग ही कहना चाहिए कि वर्तमान में जो पोप है, वह अमरीका का ही है। इसलिए ट्रंप को विश्वास होगा कि पोप अमरीका के साथ ही है। लेकिन पिछले दिनों पोप ने कुछ इस प्रकार की बात कह दी जिसका अर्थ निकलता था कि अमरीका को यह लड़ाई किसी तरीके से रोकनी चाहिए क्योंकि निर्दोष लोग मर रहे हैं। ट्रंप के लिए यह सचमुच हैरानी की बात थी। लेकिन ट्रंप ने एक झटके में पोप की सारी तथाकथित सत्ता और उसके जीओडी का प्रतिनिधि होने का पर्दाफाश कर दिया। इस समय लियो पोप के पद पर हैं। ट्रंप ने सबसे पहले कहा कि तुम्हें यह पद मेरे कारण ही मिला है। यदि

मैं अमरीका का राष्ट्रपति न होता तो तुम्हें पोप के पद पर कौन चुनता? मेरे कारण तुम पोप बने हो और अब मुझे ही आंखें दिखा रहे हो। पोप को भी उत्तर देना ही था। उसने कहा मैं तो गोस्पल यानी ईसा मसीह की शिक्षा का ही प्रचार कर रहा हूं। ट्रंप ने साफ-साफ पूछा क्या जीओडी चाहता है कि ईरान अपने पास परमाणु बम रखे? इसका पोप के पास कोई उत्तर नहीं था। वैसे ट्रंप से पूछा जा सकता था है कि जब अमरीका ने पहली बार परमाणु बम बनाया था, तब क्या जीओडी ने या उस समय जीओडी के पृथ्वी पर प्रतिनिधि पोप ने अमरीका को मौखिक या लिखित अनुमति दी थी कि वह परमाणु बम बना ले। इतना ही नहीं जब अमरीका ने जापान पर एक नहीं, दो परमाणु बम गिराए थे तो क्या जीओडी से अनुमति ली थी? इस्लाम पंथ और ईसाई पंथ को मानने वालों की समस्या ही यह है कि जब भी वे लड़ते हैं तो दोनों का दावा रहता है कि वे जीओडी या अल्लाह की ओर से लड़ रहे हैं। फिर पक्ष-विपक्ष की घोषणा पृथ्वी पर उनके प्रतिनिधि बताते हैं। बहुत कम लोगों को पता होगा कि ईरान का जो संविधान है उसमें स्पष्ट घोषणा है कि वर्तमान प्रशासन अस्थायी व्यवस्था है। अल्लाह के प्रतिनिधि खलीफा या इमाम फिलहाल कहीं गए हुए हैं। उनके वापस आने तक के कालखंड में हम यह व्यवस्था संभाले हुए हैं। उनके वापस आ जाने पर हम ईरान का प्रशासन उनके हवाले कर सुरखरु हो जाएंगे। लेकिन ट्रंप के सामने तो यह समस्या भी नहीं हैं। उनके जीओडी के प्रतिनिधि तो कहीं नहीं गए हुए। वे तो वेटिकन में बैठे हैं या फिर अपने भक्तों के बीच घूम रहे हैं। रहने वाले भी वे अमरीका के हैं। जीओडी के प्रतिनिधि होने का पद भी उन्हें पिछले साल ही मिला है। उससे पहले वह जीओडी के प्रतिनिधि नहीं थे। अमरीका के साधारण नागरिक थे। जीओडी के प्रतिनिधि बनने का अवसर भी उन्हें ट्रंप की कृपा से ही मिला। फिर भी अहसान फरामोशी! नाकाबिले बर्दाश्त। इसके बाद तो ट्रंप ने पोप को चिढ़ाने के लिए स्वयं को ही ईसा मसीह के रूप में सोशल मीडिया पर प्रस्तुत कर दिया। अब्राहमी मजहबों की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वे बराबर लड़ते हैं लेकिन उनका दावा यही रहता है कि वे अल्लाह या जीओडी के लिए लड़ रहे हैं। इजराइल का भी यही दावा है कि वे याहोबा की ओर से लड़ रहे हैं। इजराइल/यहूदी जिसको याहोबा कहता है, ईसाई पंथ उसको जीओडी कहता है और इस्लाम पंथ उसी को अल्लाह कहता है। कमाल की बात है कि तीनों जब लड़ते हैं, और ज्यादातर लड़ते ही रहते हैं, तो तीनों का दावा रहता है कि वे याहोबा या जीओडी या अल्लाह के सम्मान के लिए लड़ रहे हैं। फर्क केवल इतना है कि अरबों ने हजरत अली के बाद खलीफा का पद समाप्त करने की घोषणा कर दी थी, लेकिन तुर्कों ने उनके गले में अंगूठा देकर स्वयं खलीफा का पद संभाल कर अल्लाह का प्रतिनिधि होने की घोषणा कर दी थी। केवल घोषणा की होती तो भी किसी को कोई नुकसान नहीं था। तुर्कों ने तो आधे यूरोप और अरबों पर भी अल्लाह की ओर से कब्जा कर लिया। लेकिन उससे भी पहले ईरान ने शिया पंथ में दीक्षित होकर इमाम के रूप में अल्लाह के प्रतिनिधि होने का भार संभाल लिया। यह सिलसिला काफी देर तक चलता रहा। लेकिन बारहवें इमाम के बाद तेरहवें इमाम की अभी प्रतीक्षा हो रही है। वैसे इमाम को दाद देनी पड़ेगी कि इतने लंबे अरसे बाद भी ईरान उनका इंतजार ही नहीं कर रहा, बल्कि उनकी ओर से प्रशासन चला रहा है। इस सांविधानिक व्यवस्था के अनुसार कि उनके वापस आने पर उनको प्रशासन संभाल देगा। लेकिन इतना निश्चित है कि यहूदी पंथ, ईसाई पंथ, इस्लाम पंथ और शिया पंथ में सभी युद्ध उसी जीओडी के नाम पर हैं जिनका नाम और अवधारणा इन मजहबों में भिन्न भिन्न है। यह संयोग ही है कि इस समय जीओडी को छोड़ कर और किसी का प्रतिनिधि इस मृत्युलोक में सशरीर उपस्थित नहीं है। पीछे कुछ लोगों ने अल्लाह के प्रतिनिधि के रूप में स्वयं को खलीफा के रूप में स्थापित करने की कोशिश की, लेकिन उसे यीशु मसीह के भक्तों ने सफल नहीं होने दिया। उसे मार दिया। पोप की समस्या अमरीका नहीं है। उसकी समस्या दूसरी है। यूरोप इस लड़ाई में अमरीका का साथ देने को तैयार नहीं है। इस समय अमरीका और यूरोप के हित आपस में टकराते हैं। लेकिन पोप को यूरोप भी जीओडी का प्रतिनिधि मानता है और अमरीका भी। अब यदि पोप अमरीका के पक्ष में हो जाएं तो यूरोप नाराज होगा। यदि अमरीका का साथ नहीं देता तो ट्रंप नाराज होता है। जीओडी या उसके प्रतिनिधि की भी कभी मृत्युलोक में यह हालत हो जाएगी, यह किसने सोचा होगा? इटली ने तो तुरंत हल्ला बोल ही दिया है। इटली के प्रधानमंत्री ने कहा है कि पोप के साथ यह बदसलूकी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लेकिन अब ट्रंप के बाद उनके उपराष्ट्रपति जेडी बेंस ने भी जीओडी के प्रतिनिधि को कहा है कि या तो हमारे साथ खड़े हो जाओ, नहीं तो तुम्हारी तथाकथित सत्ता को बेनकाब करेंगे।

देश दुनिया से

बिहार में संभावनाएं विकास कीः अब सत्ता सम्राट की

बिहार की राजनीति लंबे समय से बदलाव, प्रयोग और नेतृत्व के उतार-चढ़ाव का साक्षी रही है। ऐसे परिदृश्य में जब लंबे इंतजार और जटिल कूटनीतिक समीकरणों के बाद पहली बार भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में शासन स्थापित होने की स्थिति बनती है और सम्राट चौधरी जैसे नेता मुख्यमंत्री के रूप में उभरते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि एक संभावित राजनीतिक और प्रशासनिक परिवर्तन का संकेत भी है। यह क्षण बिहार के लिए एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है, जहां अपेक्षाएं केवल शासन परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन की गुणवत्ता, दृष्टि और परिणामों की भी हैं। नये मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी के सामने न सिर्फ बिहार की जनता में एक कुशल प्रशासक की छाप छोड़ने की चुनौती है, बल्कि पार्टी की अपेक्षाओं एवं नीतीश कुमार द्वारा खींची रेखाओं से आगे निकलने के संघर्ष में भी उन्हें खरा उतरना होगा। सम्राट को उससे आगे ऐसा कुछ करना होगा, ताकि भाजपा उसके आधार पर भविष्य की दावेदारी पेश कर सके एवं अपने बल पर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की पात्रता विकसित कर सके। बिहार में भाजपा का एक नया अध्याय शुरु हो रहा है, सम्राट के भरोसे से। राजनीति सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री के रूप में चयन कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। वे कोई अप्रत्याशित या अपरिचित चेहरा नहीं हैं। बिहार की राजनीति में सक्रिय रहते हुए, उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए और विभिन्न राजनीतिक धाराओं से गुजरते हुए उन्होंने राज्य की जटिलताओं को निकट से समझा है। उनकी राजनीतिक यात्रा उन्हें एक व्यावहारिक नेता के रूप में स्थापित करती है, जो केवल सिद्धांतों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन की वास्तविकताओं से भी जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि उनके नेतृत्व से बिहार की जनता को एक ऐसे प्रशासन की उम्मीद है जो नीतिगत स्पष्टता के साथ-साथ क्रियान्वयन की क्षमता भी रखता हो। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि बिहार में नेतृत्व का मूल्यांकन केवल व्यक्ति के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी नीतियों, प्राथमिकताओं और परिणामों के आधार पर होता है। पिछले वर्षों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से सामने आई है कि शासन की सफलता का निर्धारण केवल मुख्यमंत्री के व्यक्तित्व से नहीं, बल्कि उस व्यापक नीति-ढांचे से होता है जो केंद्र और राज्य के बीच समन्वय स्थापित करता है। भारतीय राजनीति

में यह एक नया आयाम है, जहां केंद्र सरकार की नीतियां राज्यों के विकास की दिशा को काफी हद तक प्रभावित करती हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों के उदाहरण इस बात को पुष्ट करते हैं कि अपेक्षाकृत कम चर्चित चेहरों के बावजूद विकास की गति तेज रह सकती है, यदि नीतिगत समर्थन और प्रशासनिक इच्छाशक्ति मजबूत हो। बिहार के संदर्भ में यह पहलू और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह राज्य लंबे समय तक अवसंरचनात्मक पिछड़ेपन, बेरोजगारी, पलायन और सामाजिक विषमताओं से जूझता रहा है। ऐसे में सम्राट चौधरी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वे इन जटिल समस्याओं के समाधान के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करें। केवल राजनीतिक स्थिरता पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि उसे विकासात्मक स्थिरता में परिवर्तित करना होगा। सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत क्षेत्रों में निरंतर सुधार के साथ-साथ रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देना होगा, ताकि बिहार के युवाओं को अपने ही राज्य में अवसर मिल सकें। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि बिहार के हालिया इतिहास में यदि किसी नेता ने प्रशासनिक सुधार और सुशासन की एक स्पष्ट छवि प्रस्तुत की है, तो वह नीतीश कुमार हैं। उन्होंने जिस समय सत्ता संभाली, उस समय बिहार 'जंगलराज' की छवि से जूझ रहा था। कानून-व्यवस्था की स्थिति दयनीय थी, अवसंरचना लगभग ध्वस्त थी और राज्य की छवि राष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक थी। ऐसे समय में नीतीश कुमार ने सड़क, बिजली और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार किए। विशेष रूप से बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए साइकिल योजना जैसी पहलें सामाजिक परिवर्तन का आधार बनीं। उन्होंने प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही को भी बढ़ाने का प्रयास किया, जिससे शासन के प्रति जनता का विश्वास पुनः स्थापित हुआ। नीतीश कुमार का व्यक्तित्व एक संतुलित, संयमित और व्यावहारिक नेता के रूप में उभरता है। वे आक्रामक राजनीति के बजाय संवाद और सहमति की राजनीति के पक्षधर रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठाकर विकास के एजेंडे से जोड़ने का प्रयास किया। हालांकि समय के साथ उनकी राजनीतिक रणनीतियों और गठबंधनों में बदलाव ने उनकी छवि को कुछ हद तक प्रभावित भी किया, लेकिन उनके द्वारा स्थापित प्रशासनिक मानक आज भी बिहार के लिए एक संदर्भ बिंदु बने हुए हैं। सम्राट चौधरी के लिए यह एक बड़ी चुनौती और अवसर दोनों है कि वे इन स्थापित मानकों को न केवल बनाए रखें, बल्कि उन्हें और आगे बढ़ाएं। उन्हें यह समझना होगा कि बिहार की जनता अब केवल वादों से संतुष्ट नहीं होती, बल्कि परिणाम चाहती है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभी भी सुधार की व्यापक संभावनाएं हैं।

आप का नज़रिया

आशा की सुरंगें

देश ने आशाओं के कई समुद्र बनाए हैं और जब इनकी लहरें हिमाचल के करीब आती हैं, तो आत्मसम्मान के शगुन से पर्वतीय प्रदेश भी गौरवान्वित होता है। बल्क ड्रग पार्क की परिकल्पना भी कुछ इसी महत्त्व की गाथा है, जहां ढाई सौ करोड़ की लागत से साइट विकास एवं आधारभूत संरचना का निर्माण होगा। कुछ इसी तरह फोरलेन के निर्माण ने बिलासपुर को आर्थिक गतिविधियों के आंगन तक पहुंचा दिया। एक छोटा सा गांव बघेड़ अब पर्यटन की छावं में विकसित हो रहा है, तो कल जब मटौर-हमीरपुर, पठानकोट-मंडी और रानीताल-ऊना या जालंधर नादौन-जालंधर-धर्मशाला जैसे मार्ग फोरलेन की परिधि में मुकम्मल होंगे, तो प्रदेश का एक नया आर्थिक भूमंडल बनेगा। बेशक इन मार्गों के फैलते आकार में निजी क्षेत्र अपना व्यापार बदल रहा है, तो क्या सरकार भी विकास की गतिविधियां बदलेगी। फोरलेन के साथ पर्यटन परिसर, नए निवेश केंद्र, ट्रांसपोर्ट नगर, सेटेलाइट टाउन और सांस्कृतिक एवं स्पोट्र्स सेंटरों पर निवेश किया जाए, तो विकास की हवाएं आर्थिक संपन्नता का आधार पैदा करेंगी। इसके लिए राजनीति का स्तर पूर्वाग्रही न होकर पूरे प्रदेश की समग्रता में कार्य करे, तो परिवर्तन आएगा, वरना सत्ता के प्रभावशाली चेहरे विकास की मिट्टी को ही खराब कर देंगे। देश ने मंगलवार को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे की सौगात में 212 किलोमीटर का सफर ढाई घंटे में सुनिश्चित किया, तो कल चंडीगढ़ से धर्मशाला तक भी तीन घंटे में पहुंचा जा सकता है। जालंधर से कांगड़ा अगर डेढ़-दो घंटे में पहुंचा जाए, तो विकास के फेरे-विकास के घेरे बढ़ जाएंगे। हम पठानकोट की ट्रेन को बड़ी पटरियों का सपना दिखाते हैं, लेकिन यह नहीं सोचते कि अंब-अंदौरा के रास्ते सारे मंदिर जुड़ जाएंगे। अंब-अंदौरा से चिंतपूर्णी और फिर ज्वालाजी अगर पहला चरण हो जाए, तो दूसरे चरण में कांगड़ा-चामुंडा, बैजनाथ जुड़ सकता है। उधर बिलासपुर तक पहुंच रही ट्रेन अगर हमीरपुर से ज्वालाजी को जोड़ दे, तो हिमाचल बदल जाएगा। हिमाचल कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार से अगली सदी में छलांग लगाने के योग्य हो जाएगा। इसी बीच जिस तरह अटल टनल ने प्रदेश की पर्यटन आबो हवा में अपनी क्षमता खोल दी है, उसे देखते हुए तमाम सुरंग परियोजनाओं का श्री गणेश हो जाना चाहिए। जलोड़ी सुरंग की डी पी आर पर सैद्धांतिक मंजूरी के संदेश एहसास दिलाते हैं कि मंजिलें नजदीक आ रही हैं। इसी के साथ होली-उतराला सुरंग के सपने भी इसी सदी के सूरज को बुला रहे हैं। अगर इस सुरंग को आगे बढ़ाएं, तो एक अनूठे हिमाचल के दर्शन होंगे। सुरंग रास्तों के जरिए पर्यटन परिदृश्य और कबाइली इलाकों के संसर्ग नजदीक आएंगे। एक आशा की सुरंग विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप पठानिया भी दिखा रहे है। उनके अनुसार चुवाड़ी-चंबा सुरंग का कार्य इसी वर्ष शुरू होने जा रहा है। करीब 2600 करोड़ की लागत से अगर चंबा से चुवाड़ी तक सुरंग मार्ग बिछता है, तो इस जिला की आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ जाएंगी और शिमला से चंबा की दूरी कई घंटे कम हो जाएगी। पर्वतीय दुरुहता के आलम के बीच सुरंग मार्गों के अलावा दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे की तर्ज पर एलिवेटिड रोड बनाने चाहिएं। बड़े जलाशयों पर पुलों के माध्यम से आर पार के दुनिया नजदीक लानी होगी। हिमाचल को अब चंडीगढ़, लुधियाना व जालंधर से सीधे फोरलेन से रास्ता मिलता है, तो जयपुर-उदयपुर, नैनीताल, कुरुक्षेत्र, देहरादून व हरिद्वार तक की परिधि में पर्यटन के कई पैकेज मजबूत हो जाएंगे।

एक छोटा सा गांव बघेड़ अब पर्यटन की छावं में विकसित हो रहा है, तो कल जब मटौर-हमीरपुर, पठानकोट-मंडी और रानीताल-ऊना या जालंधर नादौन-जालंधर-धर्मशाला जैसे मार्ग फोरलेन की परिधि में मुकम्मल होंगे, तो प्रदेश का एक नया आर्थिक भूमंडल बनेगा। बेशक इन मार्गों के फैलते आकार में निजी क्षेत्र अपना व्यापार बदल रहा है, तो क्या सरकार भी विकास की गतिविधियां बदलेगी। फोरलेन के साथ पर्यटन परिसर, नए निवेश केंद्र, ट्रांसपोर्ट नगर, सेटेलाइट टाउन और सांस्कृतिक एवं स्पोट्र्स सेंटरों पर निवेश किया जाए, तो विकास की हवाएं आर्थिक संपन्नता का आधार पैदा करेंगी। इसके लिए राजनीति का स्तर पूर्वाग्रही न होकर पूरे प्रदेश की समग्रता में कार्य करे, तो परिवर्तन आएगा, वरना सत्ता के प्रभावशाली चेहरे विकास की मिट्टी को ही खराब कर देंगे। देश ने मंगलवार को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे की सौगात में 212 किलोमीटर का सफर ढाई घंटे में सुनिश्चित किया, तो कल चंडीगढ़ से धर्मशाला तक भी तीन घंटे में पहुंचा जा सकता है। जालंधर से कांगड़ा अगर डेढ़-दो घंटे में पहुंचा जाए, तो विकास के फेरे-विकास के घेरे बढ़ जाएंगे। हम पठानकोट की ट्रेन को बड़ी पटरियों का सपना दिखाते हैं, लेकिन यह नहीं सोचते कि अंब-अंदौरा के रास्ते सारे मंदिर जुड़ जाएंगे। अंब-अंदौरा से चिंतपूर्णी और फिर ज्वालाजी अगर पहला चरण हो जाए, तो दूसरे चरण में कांगड़ा-चामुंडा, बैजनाथ जुड़ सकता है। उधर बिलासपुर तक पहुंच रही ट्रेन अगर हमीरपुर से ज्वालाजी को जोड़ दे, तो हिमाचल बदल जाएगा। हिमाचल कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार से अगली सदी में छलांग लगाने के योग्य हो जाएगा।

दृष्टि कोण

योग है संपूर्ण फिटनेस कार्यक्रम

किसी ने सच ही तो कहा है कि स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। बिना अच्छे स्वास्थ्य के धन दौलत, पद प्रतिष्ठा व अन्य भौतिक सुख सुविधाएं सब बेमानी लगते हैं। जनमानस का स्वास्थ्य उत्तम हो, इस सबके लिए इस कॉलम के माध्यम से समय समय पर योग के बारे में जानकारी देकर योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है। दौड़ती-भागती जीवन शैली के कारण मनुष्य के पास अपने लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है जो उनके स्वास्थ्य को सुधार कर व्यवस्थित रख सके। आज मानव ने विज्ञान में नए-नए शोध कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा क्षेत्र में इतनी प्रगति कर ली है कि इसके कारण जीवन काफी आसान तो हो गया है, मगर शारीरिक श्रम जो पहले यूं ही दिनचर्या में आसानी से हो जाता था, अब उसके लिए आज अलग से फिटनेस कार्यक्रम चाहिए होता है। समय बचाती दुनिया के लिए योग मुख्य विकल्प है जो कम श्रम कर अधिक फिटनेस दे सकता है। अब आम जनमानस के लिए योग के बारे में जानना जरूरी हो जाता है। पहले भी कई बार इस कॉलम के माध्यम से योग के बारे में लिखा जाता रहा है, ताकि आम जनमानस इसे अपना कर स्वास्थ्य लाभ कर सकें। सैकड़ों वर्ष पूर्व महर्षि पतंजलि ने योग को लिखित रूप में संग्रहित किया और योग सूत्र की रचना की। योग सूत्र की रचना के कारण पतंजलि को योग का जनक कहा जाता है। योग के महान ग्रंथ में योग के बारे में कहा गया है कि मन की वृत्तियों में नियंत्रण करना ही योग है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि यह अष्टांग योग के आठ सूत्र हैं। आठों अंगों में प्रथम दो यम व नियम को नैतिक अनुशासन, आसन, प्राणायाम व प्रत्याहार को शारीरिक अनुशासन व धारणा, ध्यान, समाधि को मानसिक अनुशासन बताया गया है। योग हमें यम एवं नियम द्वारा व्यक्ति के मन और मस्तिष्क को ठीक करने की सलाह देता है। आसन और प्राणायाम करने से पूर्व यदि व्यक्ति यम एवं नियमों का पालन नहीं करता है तो उसे योग से पूर्ण स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल सकता है। यम और नियम की विस्तार से

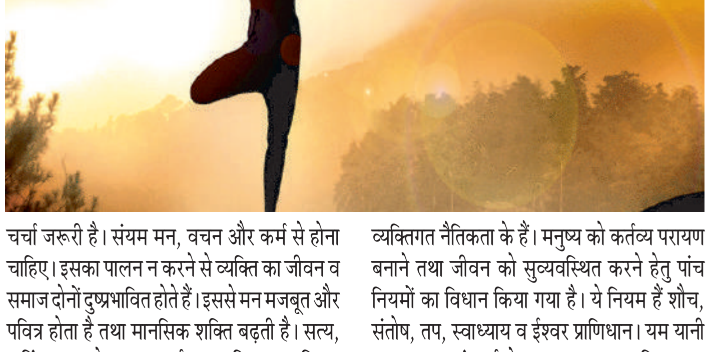

चर्चा जरूरी है। संयम मन, वचन और कर्म से होना चाहिए। इसका पालन न करने से व्यक्ति का जीवन व समाज दोनों दुष्प्रभावित होते हैं। इससे मन मजबूत और पवित्र होता है तथा मानसिक शक्ति बढ़ती है। सत्य, अहिंसा, असतेय, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह यह नियम व्यक्तिगत नैतिकता के हैं। मनुष्य को कर्तव्य परायण बनाने तथा जीवन को सुव्यवस्थित करने हेतु पांच नियमों का विधान किया गया है। ये नियम हैं शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय व ईश्वर प्राणिधान। यम यानी मन, वचन एवं कर्म से सत्य का पालन व मिथ्या का त्याग। जिस रूप में देखा, सुना एवं अनुभव किया हो उसी रूप में उसे बतलाना सत्य है। अहिंसा दूसरा सूत्र है, इसमें किसी को मारना ही केवल हिंसा का रूप नहीं है, बल्कि किसी भी प्राणी को कभी भी किसी प्रकार का दुख न पहुंचाना अहिंसा है। असतेय अर्थात चोरी न करना। छल से, धोखे से, झूठ बोलकर, बेईमानी से किसी चीज को प्राप्त करना भी चोरी है। जिस पर अपना अधिकार नहीं उसे लेना भी इसी श्रेणी में आता है। ब्रह्मचर्य मन, वचन एवं कर्म से यौन संयम अथवा मैथुन का सर्वथा त्याग करना ब्रह्मचर्य है। सभी इंद्रिय जनित सुखों में संयम बरतना। अपरिग्रह अपने स्वार्थ के लिए धन, संपत्ति एवं भोग की सामग्री में संयम न बरतना परिग्रह है। इसका अभाव अपरिग्रह है। आवश्यकता से अधिक संचय करना अपरिग्रह है। दूसरों की वस्तुओं की इच्छा न करना। मन, वचन एवं कर्म से इस प्रवृत्ति को त्यागना ही अपरिग्रह है। नियमों में शौच के अंतर्गत पानी मिट्टी आदि के द्वारा शरीर, वस्त्र, भोजन, मकान आदि के मल को दूर करना बाह्य शुद्धि माना जाता है।

विनोद कांबली की तबीयत में हल्का सुधार सचिन सहित पूर्व क्रिकेटर सहायता कर रहे

मुम्बई

गंभीर रुप से बीमार चल रहे भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली की तबियत में हल्की सुधार आया है। इस मुश्किल घड़ी में बचपन के दोस्त सचिन तेंदुलकर सहित कई लोग उनकी सहायता के लिए सामने आये हैं। तेंदुलकर अब एक व्हाट्सएप ग्रुप का हिस्सा बन गए हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य कांबली को आर्थिक और भावनात्मक रुप से सहारा देना है।

इसमें कांबली के पुराने दोस्त मार्कस कूटो भी शामिल हैं। इसके अलावा कई अन्य पूर्व क्रिकेटर भी इससे जुड़े हुए हैं। कूटो ने कहा कि इस व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सदस्य नियमित रूप से कांबली की सहायता कर रहे हैं जिससे उन्हें किसी प्रकार की वित्तीय परेशानी का सामना न करना पड़े।

कूटो ने कांबली की याददाश्त की स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उनके अनुसार, कांबली की याददाश्त कमजोर है, हालांकि यह संतोषजनक बात है कि पिछले छह महीनों में उनकी हालात स्थिर बनी हुई है। उन्हें बहुत सी बातें याद नहीं रहतीं, लेकिन जब कभी कोई विशेष बात उनके दिमाग में आ जाती है, तो वे उसे याद कर लेते हैं। अन्यथा, उनके लिए चीजें याद रखना काफी कठिन हो जाता है। कुल मिलाकर, कांबली की शारीरिक स्थिति अब भी नाजुक बनी हुई है। हालांकि, उनके चलने-फिरने की क्षमता में धीरे-धीरे सुधार देखा जा रहा है, जो एक सकारात्मक संकेत है।

इन सुधारों के बावजूद, डाक्टरों ने कहा है कि अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है। कांबली जिस हालत में है, जिसमें ब्रेन स्ट्रोक का खतरा भी शामिल है। कूटो ने कहा कि कांबली ने शराब पीना छोड़ दिया है हालांकि वह अभी-कभी सिगरेट पी लेते हैं। जो चिंता का विषय बनी हुई है। कूटो ने बताया, वे कभी-कभी बाहर निकलते हैं तो लोगों से सिगरेट मांग लेते हैं। कई लोग खुशी-खुशी उन्हें सिगरेट दे देते हैं, यह सोचकर कि वे कांबली जैसे पूर्व खिलाड़ी की मदद कर रहे हैं, लेकिन उन्हें इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं होता कि अनजाने में वे कांबली के स्वास्थ्य को कितना नुकसान पहुंचा रहे हैं।

इसके बावजूद, कांबली के जीवन में कुछ अच्छे और उम्मीद भरे संकेत भी मिले हैं। वे अब पहले से अधिक आराम से चल पा रहे हैं, और उन्होंने थोड़ा-बहुत पेशेवर काम भी शुरू कर दिया है, जिसमें हाल ही में एक विज्ञापन की शूटिंग शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

स्टटगार्ट ओपन 2026: रयबाकिना और गाफ क्वार्टरफाइनल में मुचोवा भी आगे बढ़ीं

स्टटगार्ट। जर्मनी में खेले जा रहे स्टटगार्ट ओपन 2026 में शीर्ष वरीयता प्राप्त एलेना

रयबाकिना और मौजूदा फ्रेंच ओपन चैंपियन कोको गाफ ने शानदार जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है।

शीर्ष वरीय कजाखिस्तान की एलेना रयबाकिना ने रूस की डायना श्नाइडर को सीधे सेटों में 6-2, 6-4 से हराया। 26 वर्षीय रयबाकिना ने अपने मजबूत सर्विस गेम के दम पर 1 घंटे 12 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। दूसरे सेट में श्नाइडर ने बेहतर खेल दिखाया, लेकिन अहम मौकों पर की गई डबल फाल्ट्स ने उन्हें पीछे कर दिया, जिसका फायदा रयबाकिना ने उठाया। उन्होंने मैच का अंत अपने नौवें ऐस के साथ किया। अब क्वार्टरफाइनल में उनका मुकाबला लेयला फर्नांडीज या जेनेप सोनमेज में से किसी एक से होगा। दूसरी ओर, दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी अमेरिका की कोको गाफ ने ल्यूडमिला सैमसोनोवा को 7-5, 6-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा से होगा। गाफ ने कहा कि उन्होंने क्ले कोर्ट पर अपने खेल को 14 बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन राफेल नडाल से प्रेरित किया है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, क्ले कोर्ट के सबसे महान खिलाड़ी राफा हैं। मैं पूरी तरह उनकी तरह नहीं खेलती, लेकिन उनकी तरह फोरहैंड मारने की कोशिश करती हूं।

मनोज तिवारी ने कहा हार्दिक की जगह पर रोहित को फिर कप्तान बनाये मुम्बई इंडियंस

कोलकाता। पूर्व क्रिकेटर और बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले मनोज तिवारी ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लगातार खराब प्रदर्शन के लिए कप्तान हार्दिक पांड्या को जिम्मेदार बताते हुए कहा है कि उन्हें कप्तानी स्वयं छोड़ देनी चाहिये जिससे एक बार फिर रोहित शर्मा को कप्तानी दी जा सके। आईपीएल के इस सत्र में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और उसे पांच में से चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इसी के बाद से ही पांड्या प्रशंसकों के निशाने पर हैं। ऐसे में तिवारी का मानना है कि पांड्या को कप्तानी छोड़ देनी चाहिए जिससे रोहित को एक बार फिर टीम की कमान दी जा सके। रोहित की कप्तानी मे टीम ने पांच बार खिताब जीता है। वहीं जब से उन्हें कप्तानी से हटाकर हार्दिक को कप्तानी दी गयी है टीम लगातार हारी है। इस सत्र में भी खराब प्रदर्शन के कारण मुंबई अंक तालिका में नौवें स्थान पर खिसक गयी है। इन चार हार में से तीन मैचों में हार्दिक ने कप्तानी की है, जबकि एक मैच में सूर्यकुमार यादव कप्तान थे। टीम के इस खराब प्रदर्शन और हार्दिक की कप्तानी के लिए मनोज तिवारी ने उनकी आलोचना भी की है।

पंजाब किंग्स के गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने की प्रभसिमरन सिंह की तारीफ, कहा-वो शानदार खिलाड़ी हैं

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मैच नंबर 24 में पंजाब किंग्स ने वानखेड़े स्टेडियम में

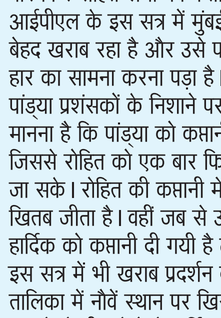

मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 196 रन बनाए, लेकिन पंजाब किंग्स ने 16.3 ओवर में 198/3 बनाकर लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। इस जीत के साथ टीम ने पांच मैचों में नौ अंक लेकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान मजबूत कर लिया है। पंजाब किंग्स के गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने टीम के सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह की जमकर तारीफ की। प्रभसिमरन ने 39 गेंदों में 80 रनों की नाबाद पारी खेली, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 200 से अधिक रहा। बहुतुले ने कहा, प्रभसिमरन एक शानदार खिलाड़ी हैं। उनकी निरंतरता ही उन्हें खास बनाती है। वह हर परिस्थिति के अनुसार खुद को ढालते हैं और टीम को मजबूत शुरुआत दिलाते हैं। पिछले कुछ वर्षों में हमारी लगातार रन बनाने की क्षमता में उनका बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने प्रभसिमरन की सफलता का श्रेय मुख्य कोच रिकी पोंटिंग को भी दिया। बहुतुले ने कहा, ड्रेसिंग रूम में रिकी पोंटिंग की मौजूदगी का सकारात्मक असर हर खिलाड़ी पर दिखता है। श्रेयस अय्यर और प्रभसिमरन ने इसका बेहतरीन फायदा उठाया है। रिकी और श्रेयस की जोड़ी टीम के लिए शानदार है।

तेज गेंदबाजों के कमाल के बाद शुभमन गिल का बल्ला बोला, केकेआर को छठे मैच में भी नहीं मिली जीत

अहमदाबाद: आईपीएल 2026 के 25वां मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स को गुजरात टाइटंस 5 विकेट से हार दिया। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर 180 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। कप्तान शुभमन गिल की विस्फोटक बैटिंग से एक समय गुजरात आसानी से जीत हासिल करती नजर आ रही थी। हालांकि अंत के ओवर में टीम की बैटिंग स्ट्रगल करने लगी। आखिरी ओवर की 5वीं गेंद पर गुजरात की टीम लक्ष्य तक पहुंच गई।

केकेआर का यह छठा मैच था और टीम अभी तक जीत हासिल नहीं कर पाई है। टीम का एक मैच बेनतीजा रहा और इसी वजह से उसके एक पॉइंट है। टेबल में केकेआर आखिरी नंबर पर है। वहीं 5 मैचों में 6 पॉइंट के साथ गुजरात टाइटंस चौथे नंबर पर आ गई है। टीम की यह लगातार तीसरी जीत है।

पावरप्ले में ही केकेआर के तीन विकेट गिरे

टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अजिंक्य रहाणे को मोहम्मद सिराज ने बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। अंगकृष रघुवंशी 4 गेंदों में सिर्फ 8 रन बनाकर आउट हुए। टिम सीफर्ट भी 14 गेंदों का सामना करने के बाद 19 रन बनाकर आउट हुए। 32 के स्कोर पर 3 विकेट गंवाकर मुश्किल में दिख रही केकेआर की पारी को रोवमैन पॉवेल और कैमरून ग्रीन ने संभाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 55 रन जोड़े। पॉवेल 20 गेंदों में 27 रन बनाकर आउट हुए।

सीजन में पहली बार बोला ग्रीन का बल्ला

अनुकूल रॉय 7 गेंदों में 9 रन बनाकर प्रसिद्ध कृष्णा का शिकार बने। रिंकू सिंह भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह महज एक रन बनाकर आउट हुए। कैमरून ग्रीन ने एक छोर संभाले रखा और 55 गेंदों में 79 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में ग्रीन ने 7 चौके और 4 छक्के लगाए। कगिसो रबाडा ने 4 ओवर के स्पेल में सिर्फ 29 रन देकर 3 विकेट चटकाए। वहीं, सिराज और अशोक शर्मा ने दो-दो विकेट निकाले।

गुजरात टाइटंस को शुभमन गिल और साई सुदर्शन की जोड़ी ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। 5.1 ओवर में दोनों ने पहले विकेट के लिए 57 रन जोड़े। 16 गेंद पर 22 रन बनाकर साई सुदर्शन सुनील नरेन की गेंद पर आउट हुए। बटलर ने आते ही शुरुआत 5 गेंद पर दो चौके और एक छक्का लगाया। इससे गुजरात ने पावरप्ले में 71 रन ठोक दिए। वरुण चक्रवर्ती ने जोस बटलर (25) को आउट करके साझेदारी तोड़ी। यह सीजन में वरुण का पहला विकेट भी था।

शुभमन गिल शतक लगाने से चूक गए

शुभमन गिल ने इस बीच अपना अर्धशतक पूरा किया। वह एक छोर से आसानी से रन बना रहे थे। उन्होंने इस दौरान विराट कोहली को पीछे छोड़कर ऑरेंज कैप भी हासिल कर लिया। 13 गेंद पर 13 रन बनाकर सुंदर पवेलियन लौटे। शुभमन गिल शतक की तरफ बढ़ रहे थे लेकिन वैभव अरोड़ा की गेंद पर आउट हो गए। 50 गेंद पर 8 चौके और 4 छक्कों की मदद से गिल ने 86 रन बनाए। गिल के आउट होने के बाद गुजरात के बल्लेबाज जूझते नजर आए। हालांकि आखिरी ओवर के 5वें गेंद पर टीम ने जीत हासिल कर ली।

यूरोपा लीग 2026: एस्टन विला सेमीफाइनल में, नाटिंघम फारेस्ट से होगा आल-इंग्लिश मुकाबला

बर्मिंघम

यूरोपा लीग 2026 में एस्टन विला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बोलोनिया को 4-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ अब उसका सामना नाटिंघम फारेस्ट से होगा, जिससे टूर्नामेंट में एक आल-इंग्लिश सेमीफाइनल तय हो गया है। कोच उनाई एमरी की टीम ने दो मैचों के आधार पर 7-1 से बड़ी जीत दर्ज करते हुए लगातार तीन सीजन में दूसरी बार यूरोपीय सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

मैच में ओली वाटकिंस ने 16वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। यह उनका क्लब के लिए 100वां गोल भी रहा। इसके बाद एमिलियानो बुएंदिया, मार्गन रोजर्स और एजरी कान्सा ने गोल कर जीत को एकतरफा बना दिया।

फारेस्ट भी अंतिम चार में नाटिंघम फारेस्ट ने पोर्टो को 1-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। टीम ने कुल स्कोर 2-1 से जीत दर्ज की। मार्गन गिब्स-व्हाइट ने 12वें मिनट में निर्णायक गोल किया। मैच में पोर्टो के जान बेडनारेक को रेड कार्ड दिखाया गया, जिससे टीम को बड़ा नुकसान हुआ। फ्रीबर्ग और ब्रागा भी सेमीफाइनल में फ्रीबर्ग ने सेल्टा विगो को 3-1 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। कुल स्कोर 6-1 रहा। इगोर मातानोविच और युइतो सुजुकी ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अब फ्रीबर्ग का सामना ब्रागा से होगा, जिसने रियल बेटिस को 4-2 से हराकर शानदार वापसी की। कान्फ्रेंस लीग में क्रिस्टल पैलेस आगे कान्फ्रेंस लीग में क्रिस्टल पैलेस ने फियोरेंटिना से 1-2 से हारने के बावजूद कुल 4-2 से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। अब उसका मुकाबला शख्तर दोनेत्स्क से होगा। इटली के क्लबों का खराब प्रदर्शन इस सीजन में इटली के क्लबों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। बोलोनिया और फियोरेंटिना के बाहर होने के बाद सात साल में पहली बार कोई भी इतालवी क्लब यूरोपीय प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में नहीं पहुंचा।

मेसी पर इवेंट प्रमोटर ने 70 लाख डालर का मुकदमा दायर किया

मियामी। अर्जेटीन के स्टार फुटबालर लियोनेल मेसी कानूनी शिकंजे में फंस गये हैं। एक इवेंट प्रमोटर ने अनुबंध को तोड़ने के लिएए मेसी पर मुकदमा दायर किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार मियामी स्थित एक इवेंट प्रमोटर ने उन पर पिछले साल एक प्रदर्शनी मैच में अपनी उपस्थिति दर्ज न कराकर 70 लाख डालर (लगभग 58 करोड़ रुपये) के अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया है। इससे मैसी विवादों में फंस गये हैं। विड म्यूजिक ग्रुप नामक इस प्रमोटर ने पिछले महीने मियामी-डेड सर्किट कोर्ट में मेसी और अर्जेंटीना फुटबाल संघ (एएफए) दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी और अनुबंध के उल्लंघन का गंभीर आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया था। इस मामले में मेसी या एएफए की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या टिप्पणी सामने नहीं आई है, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। मेसी को विश्व के महानतम फुटबाल खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। अपनी असाधारण प्रतिभा और अद्वितीय खेल कौशल के कारण, वह मेजर लीग साकर क्लब इंटर मियामी और अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम दोनों के लिए एक अमूल्य खिलाड़ी हैं।

ईरानी महिला फुटबाल खिलाड़ियों ने आस्ट्रेलिया सरकार का जताया आभार, सुरक्षित माहौल में करियर फिर शुरू करने की जताई इच्छा

मेलबर्न

ईरान की महिला फुटबाल खिलाड़ी फातेमेह पसांदीदेह और अतेफेह रमेजानिसादेह ने आस्ट्रेलिया सरकार का आभार जताते हुए कहा है कि उन्हें यहां सुरक्षित ठिकाना' मिला है और वे अपने जीवन को फिर से व्यवस्थित करने के बाद खेल करियर दोबारा शुरू करना चाहती हैं।

मानवीय वीजा मिलने के बाद अपनी पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया में दोनों खिलाड़ियों ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि उन्हें मिली सहानुभूति और समर्थन ने सुरक्षित भविष्य की उम्मीद जगाई है, जहां वे बिना डर के रह और खेल सकें।

उन्होंने कहा, हम आस्ट्रेलिया सरकार, विशेष रूप से गृह मामलों के मंत्री टोनी बर्क का तहे दिल से धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने हमें मानवीय सुरक्षा और इस खूबसूरत देश में सुरक्षित स्थान प्रदान किया।

दरअसल, आस्ट्रेलिया ने एशियन कप के दौरान ईरानी टीम के छह खिलाड़ियों और एक सपोर्ट स्टाफ को मानवीय वीजा देने का निर्णय लिया था। यह कदम उस समय उठाया गया जब संयुक्त राज्य अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हवाई हमले किए गए थे, जिससे खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई थी।

हालांकि, इस समूह के पांच सदस्य बाद में अपना निर्णय बदलकर ईरान लौट गए, जबकि फातेमेह पसांदीदेह और अतेफेह रमेजानिसादेह आस्ट्रेलिया में ही रुक गईं।

दोनों खिलाड़ी पिछले महीने से ए-लीग महिला टीम ब्रिस्बेन रोअर के साथ प्रशिक्षण ले रही हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल उनका ध्यान अपनी सुरक्षा, स्वास्थ्य और जीवन को फिर से पटरी पर लाने पर है।

उन्होंने आगे कहा, हम पेशेवर खिलाड़ी हैं और आस्ट्रेलिया में अपने खेल करियर को जारी रखना हमारा सपना है।

ईरानी खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता तब बढ़ी थी, जब एशियन कप के एक मैच के दौरान कुछ खिलाड़ियों ने राष्ट्रगान नहीं गाया था, जिसके बाद ईरानी सरकारी टीवी ने उन्हें युद्धकालीन गद्दार' तक करार दिया था।

गौरतलब है कि टीम के अन्य खिलाड़ी पिछले महीने तुर्की सीमा के रास्ते कठिन यात्रा के बाद ईरान लौट गए थे।

डी काक आईपीएल में तीन अलग-अलग टीमों से शतक लगाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बने

मुम्बई

इंडियान प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसे अब तक केवल एक पांच में से एक ही मैच में जीत मिली है। गत दिवस पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी उसे हार का सामना करना पड़ा था हालांकि इस मैच में टीम के सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे क्विंटन डी काक ने शानदार शतक लगाया था। डी काक के नाम इस शतक के साथ ही एक अनौखा रिकार्ड दर्ज हो गया है। वह तीन अलग-अलग टीमों से शतक लगाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बन गये हैं।

मुंबई इंडियंस से पहले, उन्होंने लखनऊ सुपर जाएंट्स और दिल्ली डेयरडेविल्स (जो अब दिल्ली कैपिटल्स है) के लिए भी शतक बनाए थे। उनकी यह हैट्रिक दिखाती है कि कि वह अलग-अलग आईपीएल टीमों से भी बेहतर प्रदर्शन करते आये हैं।

इसके अलावा डी काक आईपीएल में बतौर विकेटकीपर भी तीन शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी बने हैं। ये उपलब्धि उन्हें लीग के सबसे मूल्यवान खिलाड़ियों में से एक बनाती है। डी काक से संजू सैमसन ने ये रिकार्ड बनाया था। सैमसन ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए इस सत्र में जबकि इससे पहले राजस्थान रायल्स और दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए भी शतक लगाये थे। वहीं, केएल राहुल आईपीएल में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने पंजाब किंग्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हुए शतक लगाये हैं।

आईपीएल के बाहर भी डी काक ने अपने टी20 क्रिकेट करियर में भी एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पंजाब किंग्स के खिलाफ लगाया गया यह शतक उनके टी20 करियर का नौवां शतक था, जिसके साथ ही वह विराट कोहली के शतकों की बराबरी पर आ गये हैं।

जयवर्धने ने माना मुम्बई को गेंदबाजी में सुधार की जरुरत पर, बुमराह का बचाव किया

मुम्बई। मुंबई इंडियंस क्रिकेट टीम के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली करारी हार के बाद माना है कि उनकी टीम के गेंदबाजी उम्मीद के अनुरुप नहीं रही है। ऐसे में उसे सुधार की जरुर है। इस सत्र में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी खराब प्रदर्शन के कारण निशाने पर हैं पर कोच ने उनपर अपना पूरा भरोसा जताया है। जयवर्धने ने किा कि यह किसी एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि पूरी गेंदबाजी इकाई की जिम्मेदारी है कि वे अपने प्रदर्शन में सुधार करें। उन्होंने माना है कि टीम का गेंदबाजी आक्रमण एक इकाई के तौर पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है, जिससे विरोधी टीमें बड़े स्कोर बनाने में सफल रही हैं। बुमराह, जो इस आईपीएल सीजन में लगातार पांच मैचों में विकेट लेने में असफल रहे हैं, पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में भी बुमराह ने चार ओवर में 41 रन दिये जिससे मुंबई 196 रनों के लक्ष्य का बचावा नहीं कर पायी। मैच के बाद जयवर्धने ने कहा कि बुमराह अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं पर टीम पावरप्ले में विरोधी बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना पा रही जिससे उन्हें विकेट नहीं मिल रहे। उन्होंने यह भी माना कि विपक्षी टीमें यह जानती हैं कि बुमराह के खिलाफ अधिक जोखिम लेने की आवश्यकता नहीं है कोच ने ये भी कहा कि आईपीएल की शुरुआत में बुमराह को हल्की चोट लगी थी, लेकिन अब वह पूरी तरह ठीक हैं और पिछले कुछ मैचों में उनकी गति में भी सुधार हुआ है। उन्होंने का कि इसमें किस्मत की भी बात रहती है। जयवर्धने ने इस बात पर जोर दिया कि असली मुद्दा टीम की गेंदबाजी इकाई का एक साथ मिलकर प्रदर्शन न कर पाना है।

सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च हुआ सिटियस ट्रांसनेट का आईपीओ, 21 अप्रैल तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली

इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के सिटियस ट्रांसनेट इनवेस्टमेंट ट्रस्ट का 1,105 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 21 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 24 अप्रैल को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 27 अप्रैल को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 29 अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 99 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। इस आईपीओ के तहत 1,105 करोड़ रुपये के कुल 11.05 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं। सिटियस ट्रांसनेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट इस आईपीओ के जरिये मिलने वाली राशि का इस्तेमाल एसआरपीएल रोड्स प्राइवेट लिमिटेड और त्रिशूर एक्सप्रेसवे लिमिटेड, जोराबट शिलांग एक्सप्रेसवे लिमिटेड, धोला इंफ्रा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और दिबांग इंफ्रा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड जैसे कुछ चिन्हित प्रोजेक्ट्स की सिक्योरिटीज के आंशिक या पूर्ण अधिग्रहण के लिए करेगी। इसके अलावा इस राशि का इस्तेमाल सामान्य कारपोरेट उद्देश्यों के लिए भी किया जाएगा। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए न्यूनतम 25 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए एक्सिस कैपिटल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलाजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। सिटियस ट्रांसनेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार-चढ़ाव होता रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

बुजुर्गों के उपयोग के लिए ये 5 कारें है बेस्ट!

नई दिल्ली। घर के बुजुर्गों के उपयोग के लिए चढ़ना-उतरना आसान हो, भरपूर जगह हो और खराब रास्तों पर कमर में झटके न लगें, ऐसी कारें सुविधाजनक होती है। ऐसे में कार खरीदने से पहले एक्सपर्ट ने सभी बातों को ध्यान में रखते हुए 5 कारों का परीक्षण किया है, जो सीनियर सिटीजन्स के लिए बेहतरीन मानी जाती हैं। एक्सपर्ट की माने तो टोयोटा इनोवा हाईक्रास फैमिली के साथ सफर के लिए लाजवाब है। इसकी पीछे की सीटों पर ओटोमन सपोर्ट मिलता है, जिससे बुजुर्ग आराम से पैर फैलाकर बैठ सकते हैं। इसका हाइब्रिड इंजन बेहद शांत है और पीछे के शीशों पर पर्दे धूप से बचाव करते हैं। वहीं महिंद्रा एक्सयूवी 7 कार का सस्पेंशन शानदार है, जो सड़क के गड्ढों को महसूस नहीं होने देता। इसके बड़े खुलने वाले दरवाजे और साफ्ट कुशनिंग वाली सीटें बुजुर्गों को अंदर आने-जाने में आसानी देती हैं। गाड़ी की अच्छी ऊंचाई से बाहर का नजारा भी साफ दिखता है। एमजी विंडसर प्रो (इलेक्ट्रिक) इलेक्ट्रिक गाड़ी होने के नाते, यह बेहद शांत है। इसका सफेद और क्रीम कलर का इंटीरियर गाड़ी को खुला-खुला महसूस कराता है। इसमें हाई-टेक सेफ्टी फीचर्स और एक स्मूथ राइड मिलती है, जिससे लंबी दूरी की यात्राएं भी आरामदायक हो जाती हैं। सिट्रोएन बसाल्ट जो लोग कम बजट में लग्जरी आराम चाहते हैं, उनके लिए यह बेस्ट है। इसकी राइड क्वालिटी इतनी शानदार है कि यह चलते हुए सोफे जैसी लगती है। पीछे की तरफ एसी वेंट्स, वेंटिलेटेड सीटें और एक्स्ट्रा लेगरूम इसे बुजुर्गों की लंबी यात्राओं के लिए पसंदीदा कार बनाते हैं। इसी कडी में टाटा कंपनी की नई टाटा सिएरा को विशेष रूप से आराम के लिए बनाया गया है।

कच्चे तेल में फिर लगी आग, पेट्रोल-डीजल के दाम में उतार-चढ़ाव, वैश्विक बाजार में क्रूड 4 डालर प्रति बैरल उछला, कई शहरों में ईंधन महंगा

नई दिल्ली

ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध पर सुलह की कवायद में आई निराशा ने वैश्विक कच्चे तेल बाजार में हलचल मचा दी है। बातचीत विफल होती देख शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड का भाव लगभग 4 डालर प्रति बैरल बढ़कर 98 डालर के पार पहुंच गया। इस वैश्विक उछाल का सीधा असर भारत में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिख रहा है, जहां कई शहरों में ईंधन के दाम बढ़ गए हैं, जबकि महानगरों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बीते 24 घंटों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

ब्रेंट क्रूड 98.03 डालर प्रति बैरल तक पहुंच गया है, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआइ) भी 93.06 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। दरअसल, ईरान और अमेरिका के बीच संभावित शांति वार्ता की उम्मीदों ने पहले कीमतों में कुछ गिरावट लाई थी, लेकिन अब इन वार्ताओं पर अनिश्चितता के बादल मंडराने से बाजार में एक बार फिर तेजी आ गई है। इसका दबाव भारतीय सरकारी तेल कंपनियों पर भी पड़ा है। इस वैश्विक उतार-चढ़ाव के बावजूद, देश के कुछ शहरों में पेट्रोल और डीजल के दाम में बदलाव देखने को मिला है। नोएडा में शुक्रवार सुबह पेट्रोल 22 पैसे महंगा होकर 95.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 28 पैसे बढ़कर 88.29 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं गाजियाबाद में उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली है, जहां पेट्रोल 11 पैसे सस्ता होकर 94.64 रुपये और डीजल 12 पैसे गिरकर 87.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में कीमतें अपरिवर्तित रही हैं, जहां पेट्रोल 105.23 रुपये और डीजल 91.49 रुपये प्रति लीटर पर टिका हुआ है। देश की आर्थिक राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर बरकरार है।

रूसी-ईरानी तेल पर अमेरिकी छूट खत्म, भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर असर, भारत की ऊर्जा आपूर्ति रणनीतियों में खड़ी हो सकती हैं नई चुनौतियां

नई दिल्ली। अमेरिका ने रूस और ईरान से कच्चे तेल तथा पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद पर दी गई एक महीने की विशेष छूट को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्काट बेसंट ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह छूट, जो भारत के लिए पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण बढ़ी आपूर्ति की कमी को पूरा करने में सहायक थी, अब समाप्त हो गई है। इस निर्णय से भारत की ऊर्जा आपूर्ति रणनीतियों में नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। अमेरिका के वित्त मंत्री स्काट बेसंट ने स्पष्ट किया कि रूसी और ईरानी तेल के लिए सामान्य लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं किया जाएगा, क्योंकि 11 मार्च से पहले समुद्र में मौजूद सारा तेल अब इस्तेमाल हो चुका है। रूसी तेल पर यह छूट 11 अप्रैल को समाप्त हुई, जबकि ईरानी तेल पर इसी तरह की छूट 19 अप्रैल को खत्म हो रही है। इस अवधि के दौरान, पश्चिम एशिया में तनाव के चलते आपूर्ति में आई कमी को पूरा करने के लिए भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि की थी। आंकड़ों के अनुसार, मार्च में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात बढ़कर नौ महीने के उच्चतम स्तर 20.6 लाख बैरल प्रतिदिन पर पहुंच गया था, जो फरवरी में 10.6 लाख बैरल प्रतिदिन था। हालांकि, अमेरिकी छूट खत्म होने के बावजूद, भारतीय रिफाइनरियों ने संकेत दिया है कि वे उन रूसी आपूर्तिकर्ताओं और जहाजों से कच्चे तेल की खरीद जारी रखेंगी जिन पर कोई अमेरिकी प्रतिबंध नहीं है। गौरतलब है कि भारत ने 2019 से अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन करने से बचने के लिए ईरान से ऊर्जा उत्पादों की खरीद रोक दी थी, जबकि प्रतिबंध से पहले ईरानी तेल भारत के कुल कच्चे तेल आयात का 11.5 फीसदी था।

स्पेसएक्स का रिकार्ड आईपीओ, मस्क अंतरिक्ष के बाद अब शेयर बाजार में रचेंगे इतिहास

वाशिंगटन

एलन मस्क की एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स ने अमेरिकी शेयर बाजार नेस्डेक में लिस्टिंग की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने अपने बहुप्रतीक्षित आईपीओ के लिए गोपनीय दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं, जिसका लक्ष्य लगभग 2 ट्रिलियन डालर के अभूतपूर्व मूल्यांकन के साथ बाजार में उतरना है। यदि यह सौदा सफल रहा, तो यह इतिहास का सबसे बड़ा प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बन सकता है। स्पेसएक्स अपनी कुल हिस्सेदारी का एक छोटा सा भाग बेचकर लगभग 75 अरब डालर जुटाने की योजना बना रही है। 2002 में स्थापित, इस कंपनी का मूल उद्देश्य मानवता को बहुग्रह बनाना है। उसने राकेट के दोबारा उपयोग की तकनीक विकसित कर अंतरिक्ष प्रक्षेपण की लागत को नाटकीय रूप से 5 फीसदी तक कम कर दिया है, जिससे 600 से अधिक सफल राकेट लैंडिंग हुई हैं। कंपनी की आय का बड़ा हिस्सा उसके सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक से आता है, जिसके दुनिया भर में एक करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। विस्तार और रणनीतिक विलय: फरवरी 2026 में ग्रोक का डेवलपर

2 ट्रिलियन डालर के लक्ष्य के साथ नेस्डेक में गोपनीय दस्तावेज दाखिल, कंपनी के लिए नियमों में भी मिली ढील

के साथ हुए 1.25 ट्रिलियन डालर के विलय ने इस आईपीओ की नींव तैयार की है। मस्क के मुताबिक आईपीओ से जुटाई गई रकम का उपयोग अंतरिक्ष में बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा संचालित डेटा सेंटर सैटेलाइट स्थापित करने के लिए किया जाएगा, ताकि पृथ्वी की ऊर्जा सीमाओं को पार किया जा सके। नेस्डेक के नियमों में बदलाव: स्पेसएक्स की संभावित लिस्टिंग को देखते हुए, नेस्डेक ने अपने कुछ नियमों में ढील दी है। इसमें आमतौर पर आवश्यक 10 फीसदी सार्वजनिक हिस्सेदारी की शर्त और इंडेक्स में शामिल होने की समय-सीमा को तीन महीने से घटाकर 15 ट्रेडिंग दिन करना शामिल है। इससे स्पेसएक्स तेजी से नेस्डेक 100 जैसे प्रमुख इंडेक्स का हिस्सा बन सकेगी, जिससे इंडेक्स फंड्स से स्वत: निवेश आकर्षित होगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अबला...

और अन्य विपक्षी दलों को जिम्मेदार ठहराया है। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि बिल गिर जाने पर जयनाद करना निंदनीय है। गौरतलब है कि यह बिल एक दिन पहले ही कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा में पेश किया था।

बजट सत्र का विस्तार और विपक्ष की मांग

बता दें कि बजट सत्र 2 अप्रैल को समाप्त होना था। बजट सत्र के अंतिम दिन सरकार की ओर से लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन से लिखित अनुरोध किया था कि अनिश्चित काल के लिए कार्यवाही स्थगित नहीं कर 16 से 18 अप्रैल तक सदन की बैठक बुलाएं। विपक्षी दल पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों में चुनाव संपन्न होने के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाने और फिर किसी भी दिन संसद की बैठक बुलाने की अपील की थी। सरकार ने विपक्ष का यह अनुरोध ठुकरा दिया था। अब बिल के गिर जाने के बाद राजनीतिक गलियारों में इसे लेकर नई बहस छिड़ गई है और सरकार व विपक्ष एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं।

चक्रव्यूह में...

परिसीमन और केंद्र शासित कानून (संशोधन) विधेयक सामान्य बहुमत से पास होने वाले बिल थे। यानी इसके लिए वोटिंग करने वाले सांसदों का आधे से एक ज्यादा समर्थन चाहिए था। वहीं संविधान (131वां संशोधन) विधेयक के लिए विशेष बहुमत की जरूरत थी। क्योंकि इसमें लोकसभा की अधिकतम सीटें 550 से बढ़ाकर 850 करने, अनुच्छेद 81 और 82 में बदलाव और महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ने का प्रावधान है।

दरअसल, संविधान के अनुच्छेद 368 के मुताबिक संविधान में संशोधन के लिए संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत जरूरी होता है। यानी आधे से ज्यादा सदस्य सदन में मौजूद रहें और जितने सदस्य उपस्थित हैं उनका दो-तिहाई बहुमत। कुल मिलाकर बिल पास कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत चाहिए था। वोटिंग के दौरान लोकसभा में 528 सांसद मौजूद थे। इस हिसाब से बिल को पास कराने के लिए 352 वोट चाहिए थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

दरअसल, बीजेपी के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस यानी एनडीए के पास 293 सांसद हैं। यानी सदन का महज 54.2 प्रतिशत हिस्सा। जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया के पास 233 सांसद हैं और 14 सांसद ऐसे हैं जो किसी गठबंधन के साथ नहीं हैं। यहीं स्पष्ट हो गया था कि बिल पास नहीं हो पाएंगे। जब वोटिंग हुई तो बिल के समर्थन में 298 वोट और विरोध में 230 वोट पड़े।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने खुलकर सरकार के विधेयकों का विरोध किया। उन्होंने कहा कि हम महिला आरक्षण के पक्ष में हैं, लेकिन जिस तरीके से सरकार बिल ला रही है उसका विरोध करते हैं। यह राजनीतिक मंशा से किया जा रहा है। हम परिसीमन बिल का विरोध करेंगे और पूरा विपक्ष एकजुट है।

वहीं सरकार ने बाकी के दो बिल परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक पर वोटिंग कराने से इनकार कर दिया। कहा कि ये बिल एक-दूसरे से लिंक हैं, इसलिए वोटिंग की जरूरत नहीं है।

...तो फिर बीजेपी इसे क्यों लेकर आई?

सरकार जानती थी कि उसके पक्ष में लोकसभा में नंबर नहीं है। इसीलिए सरकार बार-बार सभी सांसदों से समर्थन की मांग कर रही थी। पीएम नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू समेत बीजेपी और एनडीए के तमाम सांसदों और नेताओं ने विपक्ष से बिल को समर्थन करने की अपील की।

एनडीए के साथी तेदेपा सुप्रीमो और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने तो राज्य की तमाम राजनीतिक पार्टियों को खत लिखकर विधेयकों को समर्थन देने की अपील की। संसद के विशेष सत्र के पहले दिन यानी 16 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विपक्षी सांसदों से बिल को समर्थन देने की अपील की। उन्होंने कहा कि हमें क्रेडिट नहीं चाहिए। जैसे ही पारित हो जाए तो मैं विज्ञापन देकर सबको धन्यवाद देने को तैयार हूं। सामने से क्रेडिट का ब्लैंक चेक आपको दे रहा हूं।

पीएम मोदी ने कहा कि देशभर की महिलाएं न केवल सांसदों के निर्णय पर नजर रखेंगी, बल्कि उनकी मंशा को भी देखेंगी और किसी भी तरह की बुरी मंशा को महिलाएं माफ नहीं करेंगी। 17 अप्रैल को जब लोकसभा में इन विधेयकों पर चर्चा हो रही थी, तब पीएम मोदी ने दो सोशल मीडिया पोस्ट किए और सभी सांसदों से बिल के पक्ष में वोट देने की अपील की।हालांकि कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष का कहना है कि नई जन-गणना और पिछड़े तबके को नजरअंदाज करके सरकार परिसीमन और महिला आरक्षण लागू करना चाहती थी। विशेष सत्र के दूसरे दिन लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि यह महिला आरक्षण बिल नहीं है। यह उन्हें सशक्त नहीं बनाएगा। यह सिर्फ भारत के निर्वाचन क्षेत्र के नक्शे को बदलने के लिए है। यह ओबीसी, दलित वर्गों के लिए क्रूरता वाला बिल है।राजनीतिक विशेषज्ञ मिन्हाज मर्चेंट भी मानते हैं कि सरकार और विपक्ष दोनों ही अपने-अपने तरीके से इसे नैरेटिव बनाने की कोशिश कर सकते हैं। हालांकि इससे होने वाले चुनावी फायदे का आकलन करना अभी जल्दबाजी होगी।

अब सरकार के पास क्या विकल्प हैं?-

सरकार के पास तीन विकल्प हैं। पहला, सरकार बिल में कुछ बदलाव कर सकती है। जैसे दक्षिणी राज्यों की सीटों की हिस्सेदारी बढ़ाने या फ्रीज रखने का प्रावधान, 2011 की बजाय 2027 की जनगणना का आधार। इसके बाद नए सिरे से बिल पेश कर सकती है।

दूसरा, सरकार विपक्ष के साथ आम सहमति बना सकती है और उसके कहे बदलावों को शामिल कर सकती है। इसके बाद विपक्ष के समर्थन से बिल पास करा सकती है।तीसरा, सरकार सामान्य तरीके से 2027 की जनगणना पूरी होने के बाद परिसीमन करवा सकती है। फिर इसी परिसीमन के हिसाब से महिला आरक्षण लागू कर सकती है।

अगर बिल पास हो जाता, तो...

लोकसभा में चर्चा के दौरान सरकार ने बार-बार कहा कि सभी राज्यों की 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाई जाएंगी। किसी भी राज्य की सीटें नहीं घटेंगी। गृहमंत्री अमित शाह ने 850 सीटें करने का फॉर्मूला भी बताया। उन्होंने कहा कि मान लीजिए कि 100 सीटें हैं जिसमें 33 प्रतिशत आरक्षण देना है, तो इसमें 50 सीटें बढ़ाएंगे। इस हिसाब से 150 सीट होती हैं। लोकसभा में ये राउंड ऑफ फिगर 850 है।जबकि दक्षिण के राज्यों को चिंता है कि अगर 2011 की जनगणना के आधार पर हुआ तो सबसे ज्यादा नुकसान उन्हीं को होगा। तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश सबसे ज्यादा घाटे में होंगे। इसी के विरोध में तमिलनाडु मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बिल की कॉपी जलाई। स्टालिन ने चेतावनी भी दी कि अगर बिल पास हो गया तो 1960 के दशक में जैसा आंदोलन करेंगे। वहीं तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को चिट्ठी लिखकर इस बिल का विरोध करने की अपील की।

सीटें 815 होने से क्या असर पड़ता

लोकसभा में 543 से बढ़कर 815 सीटें होने से देश की राजनीति पर तीन बड़े असर पड़ेंगे। पहला, लोकसभा राज्यसभा से ज्यादा ताकतवर हो जाएगी। बिल के तहत लोकसभा में तो सीटें बढ़ रही हैं, लेकिन राज्यसभा की सीटों में बदलाव का कोई प्रस्ताव नहीं है। इससे लोकसभा के मुकाबले राज्यसभा की ताकत कम होगी।उदाहरण के लिए अगर दोनों सदनों में किसी बिल पर विवाद हो, तो राष्ट्रपति को संयुक्त बैठक बुलाने का अधिकार है। इसमें हर सांसद का एक वोट होता है। अभी लोकसभा में 543 जबकि राज्यसभा में 245 सीटें हैं। यानी संयुक्त वोटिंग के मामले में लोकसभा राज्यसभा से 2.2 गुना ताकतवर है। अब अगर लोकसभा की सीटें बढ़कर 815 हो जाएं, तो संयुक्त वोटिंग में राज्यसभा की 245 सीटों के मुकाबले लोकसभा की ताकत 3.3 गुना हो जाएगी। इससे सरकार का सीधा फायदा होगा, क्योंकि लोकसभा में ज्यादा सीटों के चलते उसे संयुक्त वोटिंग में अभी के मुकाबले ज्यादा आसानी से बहुमत हासिल हो जाएगा और सरकार अपने बिल पास करा लेगी।

जीता तो ...

इसमें बैंक बैलेंस, लग्जरी कारें और आभूषण शामिल हैं। करीब 220.15 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। जिसमें कई प्रॉपर्टी भी शामिल हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में उनकी इनकम 184.53 करोड़ रुपये रही। यह इनकम बिजनेस, ब्याज और किराये से प्राप्त हुई।उनके पास बीएमडब्ल्यू 530, टोयोटा लेक्सस, टोयोटा वेलफायर और बीएमडब्ल्यू आई7 जैसी महंगी गाड़ियां हैं। विजय के पास 883 ग्राम सोना और चांदी के आभूषण हैं। जिनकी कीमत करीब 15 लाख रुपये है। परिवार के सदस्यों को लोन दिया है। पिता को 3.02 करोड़ रुपये और पत्नी को 12.6 करोड़ रुपये का लोन भी शामिल है।चुनावी हलफनामे के अनुसार विजय पर कोई कर्ज नहीं है। फिल्मों के अलावा ब्याज और संपत्तियों से मिलने वाला किराया उनकी कमाई का मुख्य जरिया है। साथ ही वह ब्रांड एंडोर्समेंट से भी कमाई करते हैं। विजय थलापति ने अब सिनेमा को बाय-बाय बोल दिया है और राजनीति में पूरी तरह सक्रिय हैं।

खुल...

होर्मुज अब पूरी तरह से खुल गया है और व्यापार के लिए तैयार है। उन्होंने इसके लिए ईरान का धन्यवाद भी किया है।

भारत के लिए 3 गुड न्यूज

होर्मुज के खुलने से भारत के लिए 3 गुड न्यूज है। सबसे पहले आर्थिक तौर पर भारत के लिए ये फैसला अहम है। शुक्रवार की रात 8 बजे अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल का भाव करीब 12 फीसदी टूटकर 83 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। जबकि ब्रेंट क्रूड में 11 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी जा रही है। भाव फिसलकर 87 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। यानी अब कच्चे तेल का भाव फरवरी के लो से कुछ ही दूरी पर है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भारत की आयात बिल में अब सुधार देखने को मिलेगा। कच्चा तेल महंगा होने से हर दिन भारत पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा था। भारत अपनी तेल जरूरतों का 85% आयात करता है। कच्चे तेल के सस्ता होने से देश का करेंट अकाउंट डेफिसिट भी कम होगा और सरकारी खजाने पर बोझ घटेगा।

होर्मुज मार्ग के खुलते ही सप्लाई चेन की बाधाएं दूर हो गई हैं। होर्मुज खुलने से ग्लोबल बाजारों में जोरदार तेजी के संकेत मिल रहे हैं। शुक्रवार को भारतीय बाजार बंद होने के बाद ये खबर आई है। लेकिन खबर आते ही गिफ्ट निफ्टी में जोश भर गया है। गिफ्ट निफ्टी में 2 फीसदी यानी 400 अंकों से ज्यादा बढ़त देखी जा रही है। ये सोमवार को भारतीय शेयर बाजार के लिए बंपर ओपनिंग का साफ संकेत है। खासकर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने से सोमवार को एचपीसीएल, बीपीसीएल, आईओसी, पेंट, टायर और एविएशन जैसे सेक्टर्स के शेयरों में जोरदार खरीदारी देखी जा सकती है। ग्लोबल टेंशन कम होने से विदेशी निवेशक का भी रुख भारतीय बाजारों को लेकर और सकारात्मक हो सकता है।

आमतौर पर तनाव कम होने पर सोने के दाम गिरते हैं। लेकिन मिडिल-ईस्ट में तनाव से निवेशक घबराए हुए थे। वो सोने-चांदी में भी निवेश से बच रहे थे। लेकिन होर्मुज खुलने और युद्ध टलने की खबर से अचानक सोने-चांदी के प्रति निवेशकों का रुझान बढ़ गया है। ग्लोबल मार्केट में सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी तेजी देखी जा रही है। अगर भारत की बात करें तो एमसीएक्स पर चांदी 5 फीसदी की तेजी के साथ 2.61 लाख रुपये प्रति किलो पर ट्रेंड कर रही है। जबकि सोने में 1.50 फीसदी तेजी है। फिलहाल 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर 1.55 लाख रुपये हो गई है। होर्मुज का खुलना केवल एक कूटनीतिक जीत नहीं है। बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा बूस्टर डोज है।

रास्ता हम...

जल्द हो जाएगा, हालांकि इसकी समयसीमा अभी स्पष्ट नहीं है। ईरानी अधिकारी ने कहा कि जहाजों की आवाजाही केवल उन मार्गों तक सीमित रहेगी जिन्हें ईरान सुरक्षित मानेगा। उन्होंने कहा कि सैन्य जहाजों को अब भी स्ट्रेट पार करने की इजाजत नहीं होगी। उन्होंने कहा, अमेरिकी जहाजों को भी होर्मुज से गुजरने की इजाजत होगी, लेकिन सैन्य जहाजों को नहीं। अधिकारी ने बताया कि होर्मुज के कुछ रास्ते खुले रहेंगे, लेकिन कौन से रास्ते सुरक्षित हैं, इसका फैसला ईरान करेगा। उन्होंने कहा, जहाजों की आवाजाही ईरान के साथ समन्वय में होगी, शिपिंग की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रिवोल्यूशनरी गाड्र्स और ईरान के पोर्ट्स एंड मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन से इजाजत लेनी होगी। शिपिंग उद्योग संगठनों ने कहा कि वे होर्मुज खोलने की घोषणा के बाद से स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की शिपिंग एजेंसी इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन के महासचिव आर्सेनियो डोमिंगुएज ने कहा, हम होर्मुज स्ट्रेट दोबारा खोलने की हालिया घोषणा की पुष्टि कर रहे हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 18 अप्रैल, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

चारधाम यात्रा को लेकर धामी को पत्र

सुरक्षा-शुचिता सुनिश्चित हो: राजा सिंह

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह लोध ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी को एक औपचारिक पत्र लिखकर आगामी चारधाम यात्रा के दौरान सुरक्षा, अनुशासन और धार्मिक शुचिता बनाए रखने के लिए कड़े कदम उठाने का आग्रह किया । उन्होंने करोड़ों भक्तों की आस्था का हवाला देते हुए यात्रा मार्ग पर सख्त निगरानी और सत्यापन की मांग भी की। विधायक ने अपने पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि यात्रा से जुड़े सभी व्यक्तियों, जिनमें ड्राइवर, हेल्पर, विक्रेता और सेवा प्रदाता शामिल हैं, का अनिवार्य पुलिस सत्यापन (बैकग्राउंड चेक) किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि इस पवित्र यात्रा में किसी भी मुस्लिम को अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इसके साथ ही, उन्होंने यात्रा क्षेत्रों में काम करने वाले सभी कर्मियों के लिए आईडी-आधारित प्रविष्टि के साथ एक अस्थायी पंजीकरण प्रणाली लागू करने का सुझाव दिया।

ट्रैवल जिहाद पर रोक और सुरक्षा घेरा

मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए उन्होंने लिखा कि वर्तमान समय में हमने लव जिहाद, लैंड जिहाद, कॉर्पोरेट जिहाद और डॉक्टर जिहाद जैसी घटनाएं देखी हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, हम ट्रैवल जिहाद नहीं देखना चाहते। उन्होंने आग्रह किया कि भक्तों की सुरक्षा और शुचिता बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि मंदिर परिसर के आसपास केवल अधिकृत और सत्यापित हिंदू विक्रेताओं को ही अनुमति दी जाए। इसके अलावा, उन्होंने पूरे मार्ग और मंदिर क्षेत्रों में बढ़ी हुई सुरक्षा बल की तैनाती और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से रीयल-टाइम निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया। पत्र में यह भी सुझाव दिया गया है कि भीड़भाड़ वाले महीनों के दौरान संवेदनशील तीर्थ क्षेत्रों के लिए एक अस्थायी नियंत्रित पहुंच प्रणाली विकसित की जाए। विधायक ने मांग की है कि किसी भी संदिग्ध, धोखाधड़ी या गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ तत्काल और कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में इन उपायों को लागू कर चारधाम यात्रा की आध्यात्मिक पवित्रता और श्रद्धालुओं की गरिमा को सुरक्षित रखा जाएगा।

तेजस्वी सूर्या की टिप्पणियों को लेकर भाजपा कार्यालय का घेराव

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति विद्यार्थी (बीआरएसवी) शाखा के नेताओं ने शुक्रवार को नामपल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यालय का घेराव किया और तेलंगाना के गठन को लेकर सांसद तेजस्वी सूर्या द्वारा की गई टिप्पणियों की निंदा की। प्रदर्शनकारियों ने श्री सूर्या से तेलंगाना की जनता से तत्काल माफी मांगने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी टिप्पणियों से जनता की भावनाएं आहत हुई हैं। विरोध-प्रदर्शन के दौरान बीआरएसवी कार्यकर्ताओं और भारतीय जनता युवा मोर्चा (बीजेवाईएम) के सदस्यों के बीच तीखी बहस हो गई, जिससे भाजपा कार्यालय परिसर में तनावपूर्ण स्थिति बन गई। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस ने हस्तक्षेप किया। स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए बीआरएसवी के कई नेताओं को हिरासत में ले लिया गया और पास के एक पुलिस थाने में भेज दिया गया।

पोषण पखवाड़ा 2026 : बच्चों के विकास पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद ने सरकारी प्री प्राइमरी स्कूल, मलकपेट, हैदराबाद में पोषण पखवाड़ा 2026 के अंतर्गत एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम बच्चों में जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क के विकास को अधिकतम करने पर केंद्रित रहा।

कार्यक्रम का नेतृत्व सहायक निदेशक डॉ. गोविंद रेड्डी ने किया। टीम में डॉ. अक्षय टांडले, डॉ. ज्ञान श्री, के. श्रीनिवास, टी. शेखर और सुश्री फरहीन शामिल थे।

माता-पिता को मातृ पोषण, सक्रिय खेलों की भूमिका और बचपन के विकास को बढ़ावा देने के लिए स्क्रीन समय को कम करने की आवश्यकता पर जानकारी दी गई। इस पहल में आई.ई.सी. सामग्री का वितरण किया गया तथा बच्चों को मुगफली चिक्की और बिस्किट भी प्रदान किए गए। उद्देश्य सामुदायिक जुड़ाव के माध्यम से पोषण संबंधी परिणामों को सुदृढ़ करना रहा।

यह कार्यक्रम बच्चों में डिजिटल खपत को कम करने और विकासात्मक देरी को रोकने के लिए उत्तरदायी देखभाल को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालता है। विशेषज्ञों ने बताया कि शुरुआती वर्षों में अत्यधिक स्क्रीन समय बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

उद्घाटन समारोह में एनआईआईएमएच और गवर्नमेंट प्री प्राइमरी स्कूल, मलकपेट के अधिकारियों ने बच्चों के पोषण और विकास की स्थिति की दीर्घकालिक निगरानी के लिए एक समिति का गठन किया। यह समिति नियमित रूप से बच्चों की प्रगति का आकलन करेगी और पोषण संबंधी सुधारात्मक कदम उठाएगी।

श्री राणी सती दादी मंदिर में मंगल पाठ और जोत कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिटी कॉलेज के समीप झूला स्थित सुप्रसिद्ध श्री राणी सती दादी मंदिर में वैशाख अमावस्या के पावन अवसर पर भव्य मंगल पाठ एवं जोत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर दादीजी का आशीर्वाद प्राप्त किया। विशेष कार्यक्रम की शुरुआत मध्यान्ह पूजा-अर्चना से हुई। मंगल पाठ के दौरान सुप्रसिद्ध भजन गायक विपिन महाराज और ममता अग्रवाल ने दादीजी के जीवन चरित्र और उनकी महिमा का गुणगान किया। चंग की थाप और भजनों की मधुर प्रस्तुति पर भक्त भावविभोर होकर झूम उठे। मंदिर परिसर दादीजी के जयकारों से गूंज उठा।

मंगल पाठ के दौरान मंदिर प्रांगण में विशेष जोत का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यजमानों ने आहुतियां दीं। मंदिर कमेटी के अनुसार यह हवन लोककल्याण, सुख-समृद्धि और विश्व शांति की कामना के साथ किया गया। अमावस्या के दिन जोत का विशेष महत्व होने के कारण भक्तों का तांता लगा रहा।

इस अवसर पर दादीजी का अलौकिक शृंगार किया गया। फूलों और विशेष वस्त्रों से सजी प्रतिमा के दर्शन कर भक्त निहाल हो गए। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया।

मंदिर के पुजारी चिकेश महाराज ने बताया कि वैशाख अमावस्या हमारे समाज के लिए अत्यंत शुभ दिन है। हर वर्ष की भांति इस बार भी भक्तों के सहयोग से मंगल पाठ और जोत का सफल आयोजन हुआ।

कार्यक्रम को सफल बनाने में महेश अग्रवाल, सुनीता शर्मा, रिंकू महाराज, भरत सहित अनेक श्रद्धालुओं का सहयोग रहा।

नरसिंग दास आत्माराम बड़ागाँव वाला परिवार द्वारा अन्नप्रसाद कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। नरसिंग दास आत्माराम, बड़ागाँव वाला परिवार द्वारा बंजारा हिल्स स्थित गोल्डन टेंपल में अप्रैल माह की अमावस्या के अवसर पर अन्नप्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 400 स्थानीय निवासियों को प्रसाद वितरित किया गया।

परिवार के वरिष्ठ सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 31 माह से गोल्डन टेंपल में नियमित रूप से अन्नप्रसाद वितरण किया जा रहा है, जो सेवा भावना का एक निरंतर प्रयास है।

कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम हरे कृष्ण मंत्र के साथ अन्नप्रसाद की प्रार्थना की गई, तत्पश्चात श्रद्धालुओं एवं स्थानीय निवासियों में प्रसाद वितरित किया गया। आज के प्रसाद में चावल, सांभर, चटनी, सब्जी एवं बटरमिल्क शामिल थे।

इस सेवा कार्य में परिवार के सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल, ईश्वर लाल अग्रवाल, अश्विन अग्रवाल, नयन अग्रवाल, श्रीमती संतोष अग्रवाल एवं श्रद्धा अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर सेवा प्रदान की।

कार्यक्रम के माध्यम से समाज में सेवा, सहयोग एवं मानवता के प्रति समर्पण का संदेश दिया गया।

स्वतन्त्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच द्वारा हिन्दी पत्रकार एवं लेखक सम्मान की घोषणा

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। यह सर्वविदित है कि 30 मई हिन्दी पत्रकारिता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी उपलक्ष्य में स्वतन्त्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच द्वारा एक हिन्दी समाचार पत्र एवं एक हिन्दी लेखक (जिनकी कृति पुस्तकाकार के रूप में प्रकाशित हो चुकी हो) को प्रतिवर्ष नगद राशि, शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जाएगा। स्वतन्त्रता सेनानी क्रान्तिवीर पंडित गंगाराम वानप्रस्थी जी दक्षिण भारत के आर्य जगत के प्रसिद्ध लेखक एवं पत्रकार रहे हैं। उन्होंने वर्ष 1945 में ऋषि चरित्र प्रकाश के नाम से महर्षि दयानन्द सरस्वती की जीवनी लिखी, जिसे आर्य प्रतिनिधि सभा, हैदराबाद स्टेट द्वारा आर्य विद्यालयों में पढ़ाने के लिए स्वीकृत किया गया था।

हालांकि, तत्कालीन निज़ाम शासन द्वारा इस पुस्तक को जप्त कर लिया गया था। पंडित गंगाराम जी ने देश के अनेक ज्वलंत मुद्दों पर लेखन किया, कई पुस्तकों का प्रकाशन कराया तथा लगभग 40 वर्षों तक 'वर्णाश्रम' पत्रिका का सफल संचालन एवं संपादन किया। इस पत्रिका के लिए पाठकों में विशेष उत्सुकता रहती थी।

ऐसी महान विभूति की पुण्य स्मृति में मंच द्वारा पुराने हैदराबाद राज्य (निज़ाम कालीन क्षेत्र, जिसमें वर्तमान तेलंगाना सहित महाराष्ट्र एवं कर्नाटक के कुछ जिले सम्मिलित थे) के लेखकों से निवेदन किया गया है कि वे अपनी वर्ष 2025 में हिन्दी में प्रकाशित पुस्तकें चयन हेतु प्रेषित करें।

निर्णायक समिति द्वारा चयनित कृति के लेखक को सम्मानित किया जाएगा।

प्रविष्टि हेतु आवश्यक निर्देश :- हिन्दी लेखक अपनी प्रकाशित पुस्तक की दो प्रतियां भेजें। सामग्री की विधा स्पष्ट रूप से लिखें। प्रकाशन वर्ष का उल्लेख करें। पुस्तकें 15 मई 2026 तक निर्धारित पते पर प्राप्त हो जानी चाहिए। लेखक अपने आधार कार्ड की छायाप्रति संलग्न करें। पिन कोड सहित पूर्ण पता एवं मोबाइल नम्बर अवश्य लिखें। अपनी प्रविष्टियाँ- श्रुतिकान्त भारती, 3-4-383, कावेरी अपार्टमेंट्स बसंत कॉलोनी, हैदराबाद – 500027 पर भेजी जा सकती हैं।

ब्रिक्स उद्यमी गठबंधन के उपाध्यक्ष महेश जी शर्मा का ताज कृष्णा में भव्य स्वागत

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रमुख व्यवसायियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने ब्रिक्स एंटरप्रेन्योर अलायंस के उपाध्यक्ष महेश शर्मा का होटल ताज कृष्णा में गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस अवसर पर आयोजित बैठक में वैश्विक व्यापार के नए अवसरों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही तेलंगाना के उद्यमियों और ब्रिक्स देशों के बीच आपसी सहयोग को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति दी जा सके।

बैठक में उपस्थित उद्योगपतियों एवं व्यापारिक प्रतिनिधियों ने अपने विचार साझा करते हुए अंतरराष्ट्रीय बाजार में संभावनाओं, निवेश के अवसरों तथा नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में ठोस कदम उठाने पर बल दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य तेलंगाना को वैश्विक व्यापार के मानचित्र पर और अधिक सशक्त बनाना तथा ब्रिक्स देशों के साथ मजबूत व्यावसायिक संबंध स्थापित करना रहा।

जियागुडा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गोशाला में अमावस्या पर गौसेवा करते गोशाला के प्रभु दत्त महाराज, हरिकिशन मायच्छ, महावीर प्रशाद कड़ेल, माणकचंद देवाल, नारायण कड़ेल, सत्यनारायण मौसूण (पहलवान), शरद वर्मा, हंसराज बेवाल एवं अन्य।

केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय एवं तेलंगाना हिन्दी साहित्य भारती के तत्वावधान में विदाई समारोह संपन्न

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, हैदराबाद केंद्र में हिन्दी साहित्य भारती (तेलंगाना इकाई) के तत्वावधान में क्षेत्रीय निदेशक डॉ. फत्ताराम नायक के सम्मान में 14 अप्रैल को गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आगरा से हैदराबाद केंद्र पर आए डॉ. भास्कर कृष्णाजी ठुबे का स्वागत भी किया गया। कार्यक्रम में अनेक साहित्यकारों, शिक्षकों एवं साहित्यप्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समारोह की अध्यक्षता डॉ. राजीव सिंह ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. ऋषभदेव शर्मा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में नवनियुक्त निदेशक डॉ. भास्कर ठुबे, तेलंगाना इकाई प्रभारी डॉ. सुरभि दत्त, महामंत्री डॉ. दयाशंकर तथा आंध्र इकाई से लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक दीक्षित उपस्थित रहे। श्रीमती शिल्पी भटनागर के संचालन में कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं श्रीमती मोहिनी गुप्ता द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। इसके पश्चात स्वागत भाषण डॉ. सुरभि दत्त ने प्रस्तुत किया, जबकि अतिथियों का परिचय क्रमशः रेखा अग्रवाल, सी.पी. सिंह एवं डॉ. राधा सगिली ने दिया।

कार्यक्रम में अतिथियों ने डॉ. फत्ताराम नायक के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके योगदानों की सराहना की। उनके कार्यकाल में आयोजित साहित्यिक एवं शैक्षिक गतिविधियों को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। वक्ताओं ने उनके नेतृत्व, समर्पण, संस्कृति, साहित्य और हिन्दी भाषा के प्रति योगदान को उल्लेखनीय बताया तथा उनके स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रोफेसर माणिक्यंबा मणि ने उनके सरल व्यक्तित्व और कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए शुभकामनाएँ दीं। ऑनलाइन संदेश के माध्यम से पूर्व निदेशक डॉ. गंगाधर वानोडे ने उनके शिक्षण-प्रशिक्षण कौशल एवं लोक साहित्य पर किए गए शोध कार्यों की सराहना की। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रताप सिंह राठौड़ ने भी डॉ. नायक पर गर्व व्यक्त करते हुए उनके ग्रामीण छात्रों के प्रति समर्पण को सराहा।

इस अवसर पर हिन्दी सेवा में संलग्न प्रमुख साहित्यिक संस्थाओंकादंबनी क्लब, युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच एवं साहित्य सेवा समितिके पदाधिकारियों डॉ. रमा द्विवेदी, डॉ. आशा मिश्रा, श्रीमती सुनीता लुल्ला, ममता जायसवाल आदि ने डॉ. नायक का सम्मान किया।

इसके अतिरिक्त डॉ. राधाकृष्णन टीचर्स सेल्फ हेल्प ग्रुप के पदाधिकारी प्रमोद पाल, भोला सिंह, धनंजय एवं डॉ. इंद्रजीत सिंह ने भी उपस्थित होकर उनका सम्मान किया। अन्य सभी उपस्थित जनों ने भावभीनी विदाई दी।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता डॉ. आशा मिश्रा ने की तथा संचालन डॉ. दयाशंकर ने किया।

इस अवसर पर वरिष्ठ कवि प्रो. ऋषभदेव शर्मा, डॉ. रमा द्विवेदी, दर्शन सिंह, सुनीता लुल्ला, सुहास भटनागर, लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक दीक्षित, डॉ. फत्ताराम नायक, डॉ. राधा सगिली, मोहिनी गुप्ता, शिल्पी भटनागर, डॉ. सुरभि दत्त, डॉ. राजीव सिंह नयन, डॉ. इंद्रजीत सिंह, सी.पी. सिंह, तृप्ति मिश्रा, प्रियंका शर्मा, प्रमोद पाल सिंह, रेखा शर्मा, ममता जायसवाल, श्रीमती दामिनी एवं श्री मिश्रा सहित अनेक कवियों ने अपनी सतरंगी रचनाएँ प्रस्तुत कर सभा को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अपने उद्बोधन में डॉ. फत्ताराम नायक ने केन्द्रीय हिन्दी संस्थान में अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग और अनुभवों को साझा करते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

अंत में तृप्ति मिश्रा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया, जिसके साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर केन्द्रीय हिन्दी संस्थान से सजग तिवारी, डॉ. संदीप, इंदिरा एवं लक्ष्मण सहित अनेक साहित्यप्रेमियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

ज्ञानशाला प्रशिक्षिका टीम ने किया सेवा दर्शन

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री दीपकुमार जी आदि ठाणा-2 का हैदराबाद में पावस प्रवास 2026 हेतु नगर में पदार्पण हुआ। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में नगर विचरण के क्रम में आज मुनि श्री का प्रवास महावीर ग्रेनाइट में रहा, जहाँ क्षेत्रीय संयोजक संगीता जी गोलछा के नेतृत्व में लगभग 25 प्रशिक्षिकाओं ने दर्शन-सेवा का लाभ लिया।

प्रशिक्षिकाओं ने गीतिका दोनूं हाथ जोड़कर करूं साधु र चरणां में परणाम के साथ मुनिद्वय की अभिवंदना की। क्षेत्रीय संयोजक संगीता जी ने मुनि श्री को हैदराबाद ज्ञानशाला की कार्यप्रणाली और संचालन की संक्षिप्त जानकारी दी तथा चातुर्मास काल में विशेष दिवसों पर मार्गदर्शन देने का निवेदन किया।

मुनि श्री दीपकुमार जी ने प्रशिक्षिकाओं को प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा कि बच्चों की नन्हीं उम्र को ध्यान में रखकर मृदु और स्नेहिल व्यवहार से उनका चरित्र निर्माण और धार्मिक संस्कार दान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ज्ञानशाला की शिक्षा प्रणाली स्कूल-कॉलेजों से अलग है, यहाँ जैनत्व और तेरापंथ के संस्कारों का बीजारोपण किया जाता है।मुनि श्री ने आगे कहा कि प्रत्येक प्रशिक्षिका संकल्प करे कि ज्ञानशाला में पढ़ाते समय कषाय मुक्त रहे। ज्ञानशाला में निस्वार्थ सेवा निर्जरा की साधना है और इसका लक्ष्य आत्मा को कर्मों से हल्का करने की यात्रा में संलग्न होना है।

परामर्शक अंजू जी बैद ने ज्ञानार्थियों की घटती संख्या पर चिंता व्यक्त की और नगर विचरण के दौरान परिवारों को ज्ञानशाला उपक्रम से जोड़ने का निवेदन किया। परिचय सत्र में सभी प्रशिक्षिकाओं ने स्वयं और अपनी इकाई का नामोल्लेख किया।

आज का प्रवास प्रशिक्षिका श्रीमती रेखा ललित जी संकलेचा के कार्यस्थल पर रहा। इस अवसर पर क्षेत्रीय संयोजक संगीता जी के साथ आंचलिक संयोजक सरोज जी लोढ़ा, सहआंचलिक संयोजक यशोदा जी कोठारी, क्षेत्रीय सहसंयोजक दीपमाला डागा, परामर्शदाता अंजू जी बैद, परीक्षा व्यवस्थापक सरिता नखत, मीडिया प्रभारी मीनाक्षी सुराणा, डिजिटल कॉऑरिनेटर प्रमिला पोकरणा व श्वेता घोषल, एप डेवलपर स्वाति सुराणा, ई-ज्ञानशाला कॉऑरिनेटर माधुरी लुणावत सहित 25 प्रशिक्षिकाएं उपस्थित हुईं।

सभा के समय निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमान नोरतन जी सेठिया व ललित जी सकलेचा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सरिता नखत के आभार ज्ञापन के साथ हुआ।

फ्रेंड्स ग्रुप, कमाटीपुरा मंगलहाट द्वारा अमावस्या के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों के बीच ठंडी छाछ (बटर मिल्क) का वितरण किया गया। इस सेवा कार्यक्रम में मनोज अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, यश अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, महेश अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

दिल्ली स्थित संसद भवन में महत्वपूर्ण महिला विधयक पेश होने के समय विशेष सत्र के अवसर पर संसद में उपस्थित लव फॉर कोऊ फाउंडेशन के चेयरमेन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार, बीजेपी नेता स्वामी एवं अन्य।

अमावस्या के अवसर पर रेणुका एलम्मा गौशाला, वनस्थलीपुरम में गौ सेवा करते हुए कांग्रेस नेता एनके सिंह एवं पी. सुरेश।

गौतम अडानी बने एशिया के सबसे अमीर इंसान

नयी दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां) अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी एशिया के सबसे अमीर इंसान बन गये हैं।

ब्लूमबर्ग के दुनिया के 500 सबसे अमीर अरबपतियों के दैनिक सूचकांक में श्री अडानी की संपत्ति का शुद्ध मूल्य 92.6 अरब डॉलर आंका गया है। पिछली सूची के बाद उनकी संपत्ति 3.56 अरब डॉलर बढ़ी है और वह दुनिया में 19वें स्थान पर पहुंच गये हैं। साथ ही वह एशिया के सबसे धनाढ्य व्यक्ति भी बन गये हैं। श्री अडानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी को पछाड़कर यह उपलब्धि हासिल की है। पिछली सूची के बाद श्री अंबानी की संपत्ति में 7.67 करोड़ डॉलर का इजाफा हुआ है और यह 90.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। वह वैश्विक सूची में अब 20वें स्थान पर हैं।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद सेंटर द्वारा

सार्वजनिक सुविधा के लिए सीमेंट बेंचों की स्थापना

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। महावीर इंटरनेशनल – हैदराबाद सेंटर द्वारा सिकंदराबाद कैंटोनमेंट स्थित जेबीएस बस स्टॉप के पास पार्क में आमजन की सुविधा के लिए रंगीन सीमेंट बेंचों की सफलतापूर्वक स्थापना की गई। एमआई मीडिया पब्लिसिटी कन्वीनर शीतल बरलोटा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम का उद्घाटन रीजन-10 के सचिव शील कुमार जैन, मेंबरशिप सेंटर डेवलपमेंट इंटरनेशनल डायरेक्टर सीमा शील कुमार जैन, हैदराबाद चेयरमैन एवं गवर्निंग काउंसिल सदस्य विनोद संचेती, सेक्रेटरी कल्पना बरलोटा एवं प्रभा दुग्गर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अरविंद कुमार द्विवेदी (आईडीईएस) तथा गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में कैंटोनमेंट बोर्ड के सुपरिंटेंडेंट महेंद्र ए. उपस्थित रहे। इस अवसर पर अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर 120 कपड़े की थैलियाँ एवं 50 जीवन रक्षक किट भी वितरित की गईं, जिससे आमजन को लाभ मिला और सामाजिक सेवा का संदेश प्रसारित हुआ।

बेंच प्रायोजकों में कानमल जी, विनोद संचेती, सुरेश संचेती, रमेश संचेती, आनंद स्वरूप जी, कमला बाई बोहरा, श्रीमती शांति देवी, दिलीप-लीना सेठिया, गुप्त दानदाता एवं रेज़स्टोन्स हैदराबाद शामिल रहे।कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष अनिल बोहरा, अशोक खीचा, गौतम आंचलिया, दीपा आंचलिया, साधना सिसोदिया सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर सेक्रेटरी कल्पना बरलोटा ने सभी समर्पित सदस्यों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से यह आयोजन अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक रहा।

जन सेवा संघ के नए कार्यालय का इस्नापुर में उद्घाटन

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ के कार्यकारी महासचिव श्री सुशील श्रीवास्तव द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दिनांक 16 अप्रैल 2026 को सायं 6:00 बजे इस्नापुर, जिला संगारेड्डी में जन सेवा संघ के नए कार्यालय का उद्घाटन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री एल. एम. चौधरी (संयोजक – डेलिगेशन कमेटी) एवं श्री के. डी. चौबे (मार्गदर्शक समिति, जन सेवा संघ) द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सुरेश पंडित (मेदक ज़ोन अध्यक्ष एवं केंद्रीय समिति सदस्य) ने की। इस अवसर पर वक्ताओं ने जन सेवा संघ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पूर्व में किए गए सामाजिक कार्यों का उल्लेख किया तथा भविष्य में सेवा कार्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। श्री एल. एम. चौधरी एवं श्री के. डी. चौबे ने युवा पीढ़ी से समाज सेवा, सहयोग, समन्वय एवं जन सुविधा हेतु आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान श्री ए. शंकर, डॉ. पी. साईं राम, डॉ. संतोष कुमार शर्मा एवं के. मल्लिका अर्जुन (स्वयंसेवक) ने जन सेवा संघ की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर श्री बिनीत सिंह (क्षेत्रीय अध्यक्ष) एवं श्री हरि कृष्ण चौबे ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में श्री सुरेश पंडित, श्री बिनीत सिंह, श्री एल. एम. चौधरी, श्री के. डी. चौबे, श्री हरि कृष्ण चौबे, श्री ए. शंकर दास, डॉ. पी. साई राम, डॉ. मनीषा, श्रीमती गायत्री देवी, श्री के. मल्लिकार्जुन सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री बिनीत सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। इस आयोजन को समाज सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना गया।

द प्रेमिया एकेडमी : मेधावी छात्रों के लिए स्कॉलरशिप टेस्ट की घोषणा

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): अंतरराष्ट्रीय स्कूल, द प्रेमिया एकेडमी ने सीबीएसई 10वीं कक्षा के बोर्ड परिणामों में लगातार तीसरे वर्ष 100 प्रतिशत उत्तीर्ण दर हासिल कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस वर्ष परीक्षा में बैठने वाले सभी 36 छात्रों ने संस्थान का मान बढ़ाया है। स्कूल का कुल औसत परिणाम भी 82 प्रतिशत के उच्च स्तर पर रहा।

परीक्षा परिणामों में शेख रिदा ने 97.4 प्रतिशत अंकों के साथ सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। इस बैच के छात्रों ने शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय दिया, जिसमें 7 छात्रों ने 90% से 100% के बीच अंक प्राप्त किए, जबकि 14 छात्र 80% से 90% की श्रेणी में रहे। शानदार प्रदर्शन करने वाले अन्य छात्रों में एम. अनिरुद्ध (95%) और हिमांशु गोयल (94%) प्रमुख हैं। इनके अलावा हरिणी अलवाला, उजैर मलिक, अब्दुल मन्नान और रियांका येदवाडकर ने भी 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर स्कूल का नाम रोशन किया है।

अपनी इस ऐतिहासिक सफलता के साथ ही द प्रेमिया एकेडमी ने 10वीं कक्षा के उत्तीर्ण होने वाले छात्रों के लिए स्कॉलरशिप टेस्ट की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य प्रतिभाशाली छात्रों को उनकी उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें बेहतर शैक्षणिक अवसर प्रदान करना है।

एकेडमी की इस उपलब्धि पर प्रबंधन ने हर्ष व्यक्त किया है। लगातार तीन वर्षों तक 100 प्रतिशत परिणाम देना स्कूल की शिक्षण पद्धति और छात्रों की कड़ी मेहनत का प्रमाण है। प्रधानाचार्या और शिक्षकों ने सभी सफल छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों को इस गौरवशाली उपलब्धि पर बधाई दी है। स्कूल प्रशासन का कहना है कि वे छात्रों के सर्वांगीण विकास और भविष्य की चुनौतियों के लिए उन्हें तैयार करने के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

मोदी, खरगे ने हरिवंश को तीसरी बार राज्यसभा का उपसभापति बनने पर दी बधाई

नयी दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और अन्य दलों के नेताओं ने सदन में लगातार तीसरी बार उपसभापति चुने जाने पर श्री हरिवंश को बधाई दी।श्री मोदी ने कहा, ''राज्य सभा के उपसभापति के रूप में लगातार तीसरी बार निर्वाचित होना, इस सदन का आपके प्रति गहरे विश्वास और बीते समय में सबको साथ लेकर चलने के आपके प्रयास पर एक तरह से सदन की मुहर है।''

श्री खरगे ने उम्मीद जताई कि उपसभापति विपक्ष के सदस्यों का विशेष ध्यान रखेंगे, उन्हें उचित महत्व देंगे। उन्होंने तीसरे कार्यकाल के लिए समूचे विपक्ष और पूरे सदन की तरफ से उन्हें बधाई दी।

प्रधानमंत्री से पहले अपनी बात रखते हुए उन्होंने लोकसभा में उपाध्यक्ष का पद रिक्त होने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि संवैधानिक भावना के विपरीत लोकसभा में 2019 से उपाध्यक्ष का पद खाली है। अच्छा होता कि लोकसभा में भी राज्यसभा की तरह उपाध्यक्ष का चयन हो जाता।

श्री खरगे ने कहा, ''आप लोकतंत्र की बात करते हैं लेकिन सात साल से उपाध्यक्ष उस सदन में नहीं है, तो इसे क्या कहेंगे? एक संवैधानिक पद को आपने सात साल से खाली रखा है।''

चार दिवसीय मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं शिव-विष्णु महिमा कथा बैनर का विमोचन

बीकानेर, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानीय गजनेर रोड स्थित श्रीगंगा जुबली गोशाला में श्री नवलेश्वर सिद्ध पीठ शंकरेश्वर महादेव मंदिर गोशाला आश्रम में आयोजित होने वाले चार दिवसीय मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा एवं श्री शिव विष्णु महिमा एवं गौभक्ति ज्ञान यज्ञ कथा के बैनर का विधिवत विमोचन किया गया।

उल्लेखनीय है कि योगी महंत शिवसत्यनाथजी महाराज के पावन सान्निध्य में बालसंत डॉ. श्री छैलविहारीजी महाराज के मुखारविंद से यहां कथा वाचन होगा। आगामी 26 से 28 अप्रैल तक प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक श्री शिव विष्णु महिमा एवं गौभक्ति ज्ञान यज्ञ कथा का आयोजन किया जाएगा।

छोटीकाशी के नाम से प्रसिद्ध बीकानेर नगरी में श्री नवलेश्वर सिद्ध पीठ एवं श्री विवेकनाथजी बगेची के तत्वाधान में श्री नवलेश्वर मठ शंकरेश्वर महादेव मंदिर गौशाला आश्रम (बच्छासर बाईपास, गैमना पीर नाल रोड) में योगी शिवसत्यनाथ महाराज के सान्निध्य में 4 दिवसीय शिव पंचायत मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित किया जा रहा है।गोशाला के मनु महाराज ने बताया कि उक्त चार दिवसीय शिव पंचायत मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत 26 से 28 अप्रैल तक प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक श्री नवलेश्वर सिद्ध पीठ मठ के महंत योगी शिवसत्यनाथ महाराज के सान्निध्य में श्री शिव विष्णु महिमा एवं गौभक्ति ज्ञान यज्ञ कथा का वाचन बालसंत डॉ. श्री छैलविहारीजी महाराज के मुख-रविंद से किया जाएगा।

इसी क्रम में शुक्रवार को गोशाला में नित्य गो सेवा प्रसादी एवं महा गोआरती के अवसर पर उपरोक्त चार दिवसीय मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं कथा के बैनर का विमोचन गजनेर रोड स्थित श्री गंगा जुबली पिंजरा पिरोल गौशाला में किया गया।

इस दौरान श्री विवेकनाथजी बगेची के योगी विलासनाथजी महाराज, गोसेवी देवकिशन चांडक (देवश्री), समाजसेवी द्वारका प्रसाद लड्ढा, नंदकिशोर चांडक, भूपेंद्र शर्मा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मनु महाराज ने बताया कि गो सेवा प्रसादी के साथ कथा बैनर विमोचन के अंतर्गत वैशाख माह की पावन अमावस्या तिथि पर विभिन्न श्रद्धालु परिवारों द्वारा गो सेवा प्रसादी अर्पित की गई।

इनमें राजकुमार दीपक कुमार मोदी परिवार, सुखदेव सोनी पुत्र स्व. जगन्नाथ राम सोनी, मुंबई से कामिनी रंगा धर्मपत्नी अल्केश रंगा, श्रीमती श्यामा भंवरलाल रंगा परिवार, हरिराम सारस्वत (समता नगर), दुर्गादत्त पंवार, स्व. उमराव सिंह भाटी की पुण्यतिथि पर भवानीसिंह-प्रेमसिंह भाटी (पलाना), स्व. जेठमल सांखला की प्रथम पुण्यतिथि पर सुशील ओमप्रकाश सांखला, स्व. अमरसिंह राजप-रोहित (जिला पाली) परिवार, कालू सिंह-किशन सिंह तथा श्रीमती सुमन भंवर सिंह राठौड़ की वैवाहिक वर्षगांठ पर पुत्री कोमल राठौड़ द्वारा गो प्रसादी अर्पित की गई। मनु महाराज ने बताया कि कथा श्रवण हेतु आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रतिदिन सुबह 10 बजे नवलेश्वर मठ बगीची के पास से बस सेवा भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे श्रद्धालु आसानी से कथा स्थल तक पहुंच सकेंगे।

राधे-राधे ग्रुप एक परिवार, सेवा ही पहचान है : अर्चना शास्त्री

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने शुक्रवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का श्रद्धा, समर्पण और सेवा भाव के साथ आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंदों को स्नेहपूर्वक भोजन वितरित किया गया, जिससे वातावरण में मानवीयता और करुणा की सुंदर अनुभूति हुई। इस अवसर पर अर्चना शास्त्री ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक सशक्त परिवार है, जहां हर सदस्य सेवा को अपना धर्म मानकर कार्य करता है। उन्होंने कहा कि इस परिवार का निस्वार्थ सेवा का संकल्प आज समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बनता जा रहा है। सेवा के माध्यम से ही सच्चे अर्थों में मानवता की सेवा संभव है और यही राधे-राधे ग्रुप की पहचान बन चुकी है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ सेवा कार्य को सफल बनाया और समाज में सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, राज कुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, गोविंद राम पचेरीया, शिव भगवान अग्रवाल, महेश गोयल, अरुण विजयवर्गी, पन्ना लाल जी, नीलम विजयवर्गी, लता गोयल, अर्चना शास्त्री, शर्मिला अग्रवाल, रेनू गुप्ता, रेनू शर्मा एवं मीना अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

इब्राहीमपट्टणम स्थित गोपाल गौशाला में अमावस्या के अवसर पर भक्तों ने सपरिवार सेवा की। गायों को चारा, कुट्टी, घास, फल, गुड, चना, सब्जियां आदि अर्पित किए गए।

लू से बचाव को लेकर लोगों को करें जागरूक व्यवस्थाओं में लापरवाही न हो : कुमार दीपक

मंचेरियाल, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए आम जनता को लू से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक करना जरूरी है। शुक्रवार को उन्होंने जिले के लक्षेट्टिपेट मंडल केंद्र स्थित 30 बिस्तरों वाले सरकारी अस्पताल का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बाह्य रोगी पंजिका, दवाइयों के भंडारण, अस्पताल के वार्डों तथा परिसर की साफ-सफाई का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

कलेक्टर ने कहा कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए लोगों को लू से बचने के उपाय, पर्याप्त पानी पीने, धूप में अनावश्यक बाहर न निकलने तथा सावधानी बरतने के बारे में जानकारी दी जाए। चिकित्सकों और कर्मचारियों को समय पालन करते हुए जिम्मेदारी से कार्य करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने अस्पताल परिसर में चल रहे शव परीक्षण कक्ष के निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया और उसे जल्द पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

इसके बाद उन्होंने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का दौरा कर भोजनशाला और अतिरिक्त कमरों के निर्माण कार्यों की समीक्षा की।

गोदावरी पुष्कर 2027 की तैयारियां तेज श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाओं के निर्देश

मंचेरियाल, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोदावरी पुष्कर 2027 को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएं) पी. चंद्रैया ने दिए। शुक्रवार को उन्होंने चेन्नूर नगर स्थित पुष्कर घाट का निरीक्षण कर चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त कलेक्टर ने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए घाट पर पार्किंग व्यवस्था का विस्तार किया जाए और वाहनों की आवाजाही सुचारु रखने के लिए विशेष योजना बनाई जाए। उन्होंने घाट परिसर में स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा इंतजाम मजबूत करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

गायों के लिए चेयुथा ग्रुप का गौ धन सेवा कार्यक्रम आयोजित

बांसवाड़ा, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बांसवाड़ा में चेयुथा ग्रुप की देखरेख में प्रत्येक माह आयोजित किए जाने वाले विभिन्न सेवा कार्यक्रमों की शृंखला के अंतर्गत इस माह 17 अप्रैल, शुक्रवार को अमावस्या के अवसर पर प्रातः 9:30 बजे गौ धन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम बांसवाड़ा मंडल के तिरुमलापुर गांव के बाहरी क्षेत्र स्थित श्री गोवर्धनी गौशाला में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान चेयुथा ग्रुप के संस्थापक श्री हजारे शंकर एवं श्री भेटी साईं सहित अन्य सदस्यों ने सहभागिता निभाई तथा गौ माता को गुड़ एवं केले खिलाकर सेवा कार्य किया। कार्यक्रम के माध्यम से गौ सेवा का संदेश देते हुए ग्रुप के सदस्यों ने दानदाताओं से अपील की कि वे प्रत्येक माह अमावस्या एवं माह के अंत में आयोजित होने वाले विभिन्न सेवा कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लें और सहयोग प्रदान करें।

चेयुथा ग्रुप द्वारा इस प्रकार के सेवा कार्यों का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग एवं गौ संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण सम्मेलन-2026 की तैयारियां तेज, संयोजन समिति का गठन

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा के संयुक्त तत्वावधान में कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज, हैदराबाद (तेलंगाना) द्वारा प्रस्तावित राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण सम्मेलन-2026 के आयोजन को लेकर शहर में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में देशभर से आए राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सम्मेलन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई तथा आयोजन को सफल बनाने हेतु संयोजन समिति का गठन किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय संरक्षक श्री श्रीराम तिवारी (सेवानिवृत्त आईपीएस), श्री अजय शुक्ल (मुंबई), श्री अरुण शुक्ल (रायपुर, छत्तीसगढ़), श्री महेश कुमार मिश्र (कानपुर, उत्तर प्रदेश), श्री राजेश अग्निहोत्री (रायपुर, छत्तीसगढ़) सहित अनेक राष्ट्रीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम संयोजक एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अनिल कुमार बाजपेई (हैदराबाद), राष्ट्रीय न्यायिक सलाहकार श्री अशोक तिवारी (एडवोकेट), राष्ट्रीय मंत्री एवं अध्यक्ष कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज तेलंगाना श्री विनय तिवारी भी बैठक में शामिल हुए।

महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सीमा मिश्रा (तिवारी), राष्ट्रीय मंत्री आकांक्षा बाजपेई, संयोजन समिति अध्यक्ष रूबी मिश्रा, आशा मिश्रा, नीता मिश्रा, विजयलक्ष्मी मिश्रा, चंदना अवस्थी एवं प्रभा शुक्ल सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान संयोजन समिति के अध्यक्ष श्री अनिल स्वरूप मिश्र, उपाध्यक्ष श्री अशोक शुक्ल, मंत्री श्री अमित मिश्र सहित अन्य पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई।

संयोजक श्री अनिल कुमार बाजपेई ने सभी प्रतिनिधियों को उनके दायित्व सौंपते हुए संगठनात्मक मजबूती एवं सफल आयोजन हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

बैठक में सम्मेलन के आयोजन स्थल के चयन, मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों के आमंत्रण, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, अधिवेशन एवं सम्मान समारोह की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की गई।

अराइव अलाइव अभियान : सड़क दुर्घटनाओं से बचाव पर जागरूकता

बांसवाड़ा, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अराइव अलाइव अभियान के तहत शुक्रवार को बांसवाड़ा डीएसपी विट्ठल रेड्डी की देखरेख में पिटलम राजराजेश्वर फंक्शन हॉल में सड़क दुर्घटनाओं से बचाव पर एक जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। कामारेड्डी जिले के पुलिस अधीक्षक श्री एम. राजेश चंद्र आईपीएस के निर्देश पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें हेलमेट पहनने, शराब पीकर वाहन न चलाने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई ताकि सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके और कीमती जानें बचाई जा सकें। पुलिस कालब्रिंडम इंचार्ज हेड कांस्टेबल रामंचा तिरुपति, शेष राव, पीसी एस. प्रभाकर और सैलू ने संवादों और गीतों के माध्यम से कार्यक्रम का संचालन किया। इस रचनात्मक प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा के महत्व को सरल और प्रभावी तरीके से समझाया। इस कार्यक्रम में बांसवाड़ा डीएसपी विट्ठल रेड्डी, ग्रामीण सर्कल इंस्पेक्टर तिरुपथैया, पिटलम सब-इंस्पेक्टर श्री अंजनेयुलु, निज़ामसागर सब-इंस्पेक्टर शिवकुमार, पिटलम हेड कांस्टेबल सया गौड़, गायक और अभिनेता, विभिन्न विभागों के सरकारी अधिकारी, जनप्रतिनिधि, ड्राइवर और छात्र शामिल हुए।

मानेपल्ली ज्वैलर्स में अक्षय तृतीया और 135वीं वर्षगांठ का भव्य आयोजन, विशेष ज्वेलरी कलेक्शन लॉन्च

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): हैदराबाद के प्रतिष्ठित आभूषण संस्थान मानेपल्ली ज्वैलर्स में शुक्रवार को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। यह उत्सव संस्थान के लिए दोहरा अवसर लेकर आया है, क्योंकि मानेपल्ली ज्वैलर्स अपनी स्थापना की 135वीं वर्षगांठ भी मना रहा है। इस उपलक्ष्य में विशेष अक्षय तृतीया ज्वेलरी कलेक्शन को आधिकारिक रूप से लॉन्च किया गया।

पंजागुट्टा स्थित मानेपल्ली ज्वैलर्स के शोरूम में आयोजित इस समारोह में ग्लैमर का तड़का लगा। प्रसिद्ध अभिनेत्री ऋतु चौधरी, अभिनेत्री प्रीति सुंदर और अभिनेत्री रित्तिका चक्रवर्ती ने कार्यक्रम में शिरकत की। इन अभिनेत्रियों ने रैंप पर मानेपल्ली के नए अक्षय तृतीया ज्वेलरी कलेक्शन को प्रदर्शित किया, जिसकी कलात्मकता और चमक ने वहां मौजूद सभी लोगों का मन मोह लिया।

इस विशेष अवसर पर मानेपल्ली ज्वैलर्स के निदेशक श्री गोपी कृष्ण ने अभिनेत्रियों ऋतु चौधरी, प्रीति सुंदर और रित्तिका चक्रवर्ती के साथ मिलकर नए संग्रह का अनावरण किया। उन्होंने अक्षय तृतीया और संस्थान के 135 गौरवशाली वर्षों के सफर पर प्रसन्नता व्यक्त की। शुक्रवार को आयोजित इस कार्यक्रम में न केवल फिल्मी जगत की हस्तियां, बल्कि कई आभूषण प्रेमीऔर शहर के गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए। अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त पर सोने और हीरों के इस अनूठे संग्रह को लेकर ग्राहकों में भारी उत्साह देखा गया। हैदराबाद के ज्वेलरी बाजार में इस नए कलेक्शन की लॉन्चिंग को एक बड़े उत्सव के रूप में देखा जा रहा है।

मदनूर में पशुकुंड तोड़े जाने पर शिकायत, नया पशुकुंड बनाने की माँग

मदनूर, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल हंडे केलूर पूर्व सरपंच नर्शिनमलू गौड ने स्थानिक ग्राम पंचायत सचिव को एक अर्ज देते हुए आरोप लगाया कि शिवाजी चौक में 10 वर्ष पूर्व तत्कालीन सरपंच ने सरकारी जमीन पर मवेशियों की प्यास बुझाने के लिए एक नया पशुकुंड बनवाया था। उनके अनुसार, तब से गाँव के मवेशी तथा ग्राम देवता के मवेशी इसी पशुकुंड से पानी पीते थे और गाँव में अंतिम संस्कार के दौरान भी इसी पानी का उपयोग किया जाता था।

पूर्व सरपंच ने बताया कि उक्त पशुकुंड ग्रामीणों की पानी की जरूरतों को पूरा करता था, लेकिन अब आरोप है कि ग्राम सरपंच गद्दीवार लक्ष्मण ने कल रात ट्रैक्टर के ब्लेड से सरकारी जमीन पर बने पशुकुंड को तोड़ दिया। साथ ही, उनके आरोप के अनुसार सरपंच ने तालाब के बगल में स्थित नहर (नाला) पर भी कब्जा कर उसे दबा दिया।

नर्शिनमलू गौड ने कहा कि इस कुकर्म के कारण स्थिति ऐसी बन गई है कि बरसात के मौसम में उनकी बीसी कॉलोनी के सभी घरों में पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है।

टीजीई जेएसी ने मंडल और डिविजनल सेंटर्स पर पिटीशन जमा की

बांसवाड़ा, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना एम्प्लॉइज टीचर्स एंड पेंशनर्स जॉइंट एक्शन कमेटी (टीजीई जेएसी) ने शुक्रवार को मंडल और डिविजनल सेंटर्स पर पिटीशन जमा की। यह पहल सरकारी कर्मचारियों की समस्याओं को हल करने के उद्देश्य से की गई।

जेएसी प्रतिनिधियों ने बताया कि यह पिटीशन डीएडी आरती वनथा तहसीलदार/आरडीओ के माध्यम से जमा की गई। शुक्रवार दोपहर लंच ब्रेक के दौरान आयोजित गतिविधियों में मीडिया से बातचीत करते हुए टीजीई जेएसी ने राज्य में कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित समस्याओं को जल्द हल करने की अपील की।

टीजीई जेएसी के चेयरमैन लाची रेड्डी और सेक्रेटरी जनरल वोडनाला राजशेखर ने कहा कि कुछ मुद्दे हल हुए हैं, लेकिन कई अब भी लंबित हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन्हें अलग-अलग तरीकों से सीएस और सरकारी अधिकारियों के ध्यान में लाया जाएगा।

मंडल प्रतिनिधियों ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के लिए 2 जून तक पीआरसी की घोषणा की जानी चाहिए। उन्होंने सरकार से 2 जून, 2026 तक पीआरसी लागू करने और पांच लंबित डीए जारी करने की मांग की। साथ ही रिटायर्ड कर्मचारियों से जुड़े सभी लंबित बिलों को क्लियर करने और उन्हें व सरकारी कर्मचारियों को हेल्थ कार्ड जारी करने की अपील की।

टीजीई जेएसी ने मांग की कि सीपीएस को खत्म कर ओपीएस सिस्टम को फिर से शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के आदेश के अनुसार, 1 सितंबर 2004 से पहले नोटिफिकेशन जारी होने के बाद भर्ती हुए कर्मचारियों के लिए ओपीएस सिस्टम तुरंत लागू किया जाना चाहिए।

रेवंत ने केंद्र से उबले चावल खरीदने और 1,468 करोड़ का बकाया जारी करने का किया आग्रह

नई दिल्ली/हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने केंद्रीय खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी से आग्रह किया है कि वे चल रहे यासंगी सीजन के लिए राज्य से 30 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) उबले चावल खरीदने के साथ ही 1,468 करोड़ रुपये का लंबित बकाया जारी करें।

राज्य के नेताओं ने शुक्रवार को दिल्ली में हुई एक बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री को बताया कि इस सीजन में तेलंगाना में लगभग 90 लाख मीट्रिक टन धान का उत्पादन होने की उम्मीद है और यह फसल मुख्य रूप से उबले चावल के लिए उपयुक्त है।

उन्होंने पिछले छह यासंगी सीजनों के अनुबंध पिसाई चावल (सीएमआर) आपूर्ति के रुझानों का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि राज्य ने लगातार उबले चावल की आपूर्ति करने की अपनी क्षमता साबित की है। उन्होंने यह भी बताया कि पूरे देश में उबले चावल की मांग बढ़ रही है।

राज्य ने 30 लाख मीट्रिक टन उबले चावल (5 प्रतिशत स्टार्च के साथ) और 5 लाख मीट्रिक टन कच्चे चावल (10 प्रतिशत स्टार्च के साथ) की आपूर्ति करने की तत्परता व्यक्त की। केंद्रीय मंत्री ने इस प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

मुख्यमंत्री और नागरिक आपूर्ति मंत्री ने 2014-15 के मानसून सीजन के लिए अतिरिक्त फसल लेवी से संबंधित 1,468.94 करोड़ रुपये के लंबित बकाये को तत्काल जारी करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि तेलंगाना धान उत्पादन और खरीद में अग्रणी राज्यों में आता है और सरकार किसानों को 48 घंटों के भीतर भुगतान सुनिश्चित करती है, जिससे राज्य के नागरिक आपूर्ति विभाग पर वित्तीय दबाव पड़ता है।

उन्होंने इसके अतिरिक्त स्कूलों, छात्रावासों और आईसीडीएस केंद्रों में फोर्टिफाइड चावल (एफआरके) के वितरण को तत्काल फिर से शुरू करने की अपील की, जिसे हाल ही में रोक दिया गया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह कार्यक्रम बच्चों में एनीमिया और पोषण संबंधी कमियों को रोकने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कर्नाटक में सड़क दुर्घटना में कार में आग लगने से छह लोग जलकर मरे

यादगीर (कर्नाटक), 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कर्नाटक के यादगीर जिले में शुक्रवार को देवपुर के पास एक कार और एक निजी बस की आमने-सामने की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। टक्कर के बाद कार में आग लग गई और वह पूरी तरह जलकर खाक हो गई।

पुलिस के अनुसार, टक्कर के बाद कार में भीषण आग लग गई जिसने दोनों वाहनों को तुरंत ही अपनी चपेट में ले लिया। इससे कार में सवार लोग अंदर फंस गए और सभी छह लोगों की घटनास्थल पर ही जलकर मौत हो गई।

यह दुर्घटना सुरपुर तालुक के देवपुर के पास हुई। कार यादगिर से रायचूर की ओर जा रही थी, जबकि निजी बस बेंगलुरु से कलबुर्गी की ओर जा रही थी। स्थानीय लोग एवं राहगीर घटनास्थल पर पहुंचे और आपातकालीन बचाव दल की सहायता की। दमकल एवं आपातकालीन सेवा कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। पुलिस ने इलाके को घेर लिया है और प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। रिपोर्टों के अनुसार, बस में सवार कुछ लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। कुछ बचे हुए लोगों को इलाज के लिए पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, दुर्घटना इतनी भयावह थी कि दोनों वाहन कुछ ही सेकंड में आग की लपटों में घिर गए, जिससे बचाव कार्य बेहद मुश्किल हो गया। अधिकारी इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि क्या तेज गति या सड़क की खराब स्थिति दुर्घटना का कारण बनी।

यादगीर के पुलिस अधीक्षक ने घटनास्थल का दौरा किया और बचाव एवं जांच कार्य का निरीक्षण किया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने की व्यवस्था की गई। मामला दर्ज कर घटना की जांच की जा रही है।

नालगोंडा में सहायक संभागीय अभियंता (एडी) 30 हजार रुपये रिश्वत लेते समय गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में नालगोंडा जिले के देवराकोंडा में तैनात सहायक संभागीय अभियंता (एडी) को भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने 30,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। शुक्रवार को एसीबी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, गुरुवार को एसीबी की नालगोंडा रेंज इकाई ने अधिकारी को उस समय रंगे हाथों पकड़ा जब वह एक शिकायतकर्ता से 10 लाख रुपये के बिल बनाने के लिए रिश्वत ले रहा था। यह बिल 29 अक्टूबर, 2025 को आए तूफान के दौरान क्षतिग्रस्त हुई 33/11 केवी बिजली लाइन की मरम्मत के लिए किए गए विद्युत कार्यों से संबंधित था। एसीबी अधिकारियों ने अधिकारी की सूचना पर उससे अवैध धनराशि बरामद की। एजेंसी ने बताया कि आरोपी ने बेईमानी से काम किया और अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया। अधिकारी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत के लिए एसपीई और एसीबी मामलों के प्रथम अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया। विज्ञप्ति में यह भी कहा गया कि सुरक्षा कारणों के चलते शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी गई है।

उत्पाद निरीक्षक रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

तेलंगाना में भ्रष्टाचार निरोधी दस्ता (एसीबी) के अधिकारियों ने शुक्रवार को कामारेड्डी जिले के बिचकूंडा में मद्य निषेध एवं उत्पाद निरीक्षक को 2 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी के बयान के मुताबिक दीनू सत्यनारायण ने शिकायतकर्ता से सरकारी फायदे पहुंचाने के बदले रिश्वत की मांग की थी। इन फायदों में शिकायतकर्ता पर गांवों से ताड़ी की दुकानें हटाने का दबाव न डालना और आगे कोई मामला दर्ज न करना शामिल था, जिससे दुकानें निर्बाध चल सकें।यह जाल अधिकारी के बिचकूंडा स्थित किराए के घर पर बिछाया गया था, जहां उसे रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। अधिकारियों ने तलाशी के दौरान उसके पास से 45,760 रुपये की रकम भी बरामद की।आरोपी अधिकारी को हैदराबाद के नामपल्ली में एसीबी मामलों की विशेष अदालत के सामने पेश किया जाएगा।

तेलंगाना सरकार का लक्ष्य रणनीतिक विमानन केंद्र के रूप में उभरना है: श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार विमानन क्षेत्र में तेलंगाना को एक रणनीतिक केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिये व्यवस्थित कदम उठा रही है तथा इसमें अनुसंधान विकास, उन्नत विनिर्माण और प्रमाणन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

गच्चीबोली स्थित इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया में 'द एयरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया' के हैदराबाद चैप्टर की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में श्री श्रीधर बाबू ने कहा कि वैश्विक परिवर्तनों के अनुरूप एक मजबूत तंत्र बनाना विमानन क्षेत्र में भविष्य के विकास की कुंजी है। उन्होंने उल्लेख किया कि जहां भारत वैश्विक विमानन आपूर्ति शृंखला में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है, वहीं अनुसंधान और व्यावसायिक विनिर्माण के बीच के अंतर को पाटने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राज्य नवाचार को बाजार के लिये तैयार उत्पादों में बदलने के लिये एक केंद्रित कार्ययोजना पर काम कर रहा है।

श्री श्रीधर बाबू ने वैश्विक मांग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बोइंग और एयरबस जैसी कंपनियों ने अगले दो दशकों में लगभग 42,000 नये विमानों की आवश्यकता का अनुमान लगाया है। हैदराबाद को अपने सूक्ष्म इंजीनियरिंग, रक्षा विनिर्माण और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के मौजूदा तंत्र के माध्यम से इस अवसर का लाभ उठाने के लिये मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने विदेशी सुविधाओं पर निर्भरता कम करने के लिये एक घरेलू प्रमाणन तंत्र विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, क्योंकि वर्तमान में विदेशी निर्भरता के कारण लागत अधिक आती है और देरी होती है। उन्होंने कहा कि ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित एवियोनिक्स, 3डी प्रिंटिंग और उन्नत सामग्री जैसी उभरती प्रौद्योगिकियां इस क्षेत्र के भविष्य को आकार देंगी और तेलंगाना इसे ध्यान में रखकर तैयारी कर रहा है।

उन्होंने बताया कि हैदराबाद के 1,500 से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम पहले से ही वैश्विक विमानन आपूर्ति शृंखलाओं में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि राज्य का बुनियादी ढांचा, प्रतिभावान लोग और समर्पित विमानन समूह वैश्विक कंपनियों को आकर्षित कर रहे हैं। मंत्री ने उद्योग जगत के नेताओं, वैज्ञानिकों और नवाचार करने वालों को हैदराबाद को केंद्र में रखकर एक मजबूत विमानन तंत्र बनाने में राज्य के साथ सहयोग करने के लिये आमंत्रित किया।

उपमुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के बाद बिजली कर्मचारियों ने हड़ताल वापस ली

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन ऑफ तेलंगाना लिमिटेड के कर्मचारियों ने उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के आश्वासन के बाद शुक्रवार को अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल वापस ले ली है। उपमुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया है कि वे कारीगरों के मुद्दों के समाधान के लिए ट्रांस्को के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डी. कृष्णा भास्कर के साथ चर्चा करेंगे।

तेलंगाना विद्युत आर्टिसन कर्मचारी संयुक्त कार्रवाई समिति ने अपनी सेवाओं के नियमितीकरण और वेतन वृद्धि सहित अन्य मांगों को लेकर आठ अप्रैल से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की थी। हैदराबाद के प्रजा भवन में उपमुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद जेएसी के अध्यक्ष सतीश रेड्डी ने हड़ताल समाप्त करने के निर्णय की घोषणा की। उपमुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि सरकार बातचीत के माध्यम से उनकी समस्याओं का समाधान करेगी।

हड़ताल वापस लेने पर आर्टिसन जेएसी के संयोजक सायलू ने सकारात्मक प्रतिक्रिया और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत की सुविधा प्रदान करने के लिए उपमुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि कर्मचारियों को अपने कर्तव्यों का पालन इस तरह करना चाहिए जिससे जनता का विश्वास और प्रशंसा प्राप्त हो। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि गर्मियों के दौरान बिजली की मांग चरम पर होने और हड़ताल पर प्रतिबंध लागू होने के कारण, अचानक हड़ताल पर जाना उचित नहीं था।

उपमुख्यमंत्री ने दोहराया कि सरकार बिजली यूनियनों के साथ संवाद के लिए हमेशा तैयार है और मानवीय दृष्टिकोण से उनकी चिंताओं पर विचार कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ट्रांस्को के सीएमडी कृष्णा भास्कर आर्टिसन जेएसी के साथ उन मुद्दों पर चर्चा करेंगे जिन्हें बिना अतिरिक्त वित्तीय बोझ डाले हल किया जा सकता है। बैठक में एमएलसी अडंकी दयाकर, आर्टिसन सह-अध्यक्ष चंद्रर रेड्डी और अन्य प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

परिसीमन से दक्षिण भारत को होगा नुकसान, संघीय ढांचा होगा कमजोर: भाकपा

हैदराबाद 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के तेलंगाना राज्य सचिव और विधायक कुनमनेनी सांबशिव राव ने शुक्रवार को केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया की कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम दक्षिण भारतीय राज्यों और पिछड़े वर्गों के हितों को नुकसान पहुँचाएगा।

श्री राव ने मखदूम भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में मांग की कि इस मुद्दे पर एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और संवैधानिक विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जाए, ताकि सभी राज्यों के लिए समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने चेतावनी दी कि सीटों की संख्या बढ़ाने से उत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों के बीच राजनीतिक खाई और गहरी हो जाएगी, जिससे दक्षिण का राजनीतिक महत्व काफी कम हो जाएगा।श्री राव ने क्षेत्रीय असंतुलन पर चिंता जताते हुए याद दिलाया कि पिछली सरकारों ने राज्यों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए दशकों तक संसदीय सीटों की संख्या को स्थिर रखा था। उन्होंने तर्क दिया कि बिना किसी वैज्ञानिक मूल्यांकन के अचानक सीटों का विस्तार संघीय ढांचे को कमजोर कर सकता है।इसके अतिरिक्त, भाकपा नेता ने तेलंगाना पर भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या की हालिया टिप्पणियों पर कड़ा ऐ-तराज जताया और इसे एक सांसद के लिए अशोभनीय बताया। उन्होंने इस मुद्दे पर तेलंगाना के भाजपा नेताओं की चुप्पी की भी आलोचना की। शासन के मुद्दों पर बोलते हुए श्री राव ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से श्रमिकों की समस्याओं का समाधान करने, यूनियन चुनाव कराने और मजदूरों व असंगठित क्षेत्रों से किए गए वादों को बिना देरी के पूरा करने का आग्रह किया।

उप्पल मेट्रो स्टेशन पर बम की झूठी धमकी

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में हैदराबाद के उप्पल मेट्रो स्टेशन पर शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक अज्ञात आदमी ने फोन करके स्टेशन परिसर में बम लगाए जाने की चेतावनी दी।

मेट्रो कर्मचारियों से सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और बम निरोधक दस्ते और खोजी दस्ते के साथ मिलकर गहन जांच की। तलाशी के बाद, अधिकारियों ने पुष्टि किया कि कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, जिससे यात्रियों और कर्मचारियों को राहत मिली। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और कॉल करने वाले व्यक्ति का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

तेजस्वी सूर्या की टिप्पणी के खिलाफ वारंगल में भाकपा का विरोध प्रदर्शन

वारंगल 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने तेलंगाना राज्य के गठन पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद तेजस्वी सूर्या द्वारा की गई टिप्पणियों की कड़ी निंदा करते हुए आज यहां विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा ने अलग तेलंगाना राज्य के लिए चले आंदोलन के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया अपना रखा था। पोचम्मा मैदान में आयोजित विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए भाकपा के राज्य सहायक सचिव टक्कलपल्ली श्रीनिवास राव ने भाजपा की दुर्भावनापूर्ण बयानबाजी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह शर्मनाक है कि तेलंगाना के भाजपा सांसद इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं। विरोध स्वरूप भाकपा कार्यकर्ताओं ने तेजस्वी सूर्या का पुतला भी फूंका। श्रीनिवास राव ने कहा कि तेलंगाना आंदोलन दशकों के संघर्ष और बलिदान का परिणाम था। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसकी तुलना भारत-पाकिस्तान विभाजन से करना शहीदों के बलिदान और राज्य की जनता के स्वाभिमान का अपमान है। भाकपा ने तेजस्वी सूर्या से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की और भाजपा नेताओं द्वारा राज्य आंदोलन को कमतर दिखाने के बार-बार किए जा रहे प्रयासों की निंदा की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.